ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● रांची ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 05 ● विक्रम संवत 2080 ● शनिवार, 18 नवम्बर 2023 ● वर्ष-24 ● अंक- 283 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

सलमान खान ने लगाई अनुराग की ... पेज 10 पर

रांची के निकट मुड़मा में धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के बाद तनाव

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

आठ घंटे बाद सड़क से जाम हटा

ग्रामीणों का आरोप कटर से काटी गयी मूर्तियां

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची-डालटनगंज एनएच 75 के मुड़मा में एक साथ चार मंदिरों की मूर्तियों को तोड़ने के मामले में आक्रोशित लोगों ने आठ घंटे बाद सड़क से जाम हटाया गया। शुक्रवार सुबह में मंदिरों में तोड़फोड़ की जानकारी मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गये। आक्रोशित सैकड़ों महिला-पुरुष सड़क घेर कर प्रशासन विरोधी नारेबाजी करने लगे। तत्काल दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। जाम की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। उनके समझाने के बावजूद आक्रोशित लोग नहीं माने। सड़क पर जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी थी। सुबह जैसे ही लोग जगे देखा कि महावीर मंदिर, छोटा बजरंग बली मंदिर, बुढ़ा महादेव, मड़ई देवी मंडप की मूर्तियां किसी ने तोड़ दी है। मूर्ति में तोड़फोड़ की खबर आग की तरह फैल गयी। पूरे इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। लाठी-डंडे के साथ नाराज ग्रामीण सड़क पर उतर गये। बांस बली बांधकर एनएच 75 को जाम कर दिया। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए उसे नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था। मांडर सर्किल इंस्पेक्टर अवधेश ठाकुर ने बताया कि इस मामले में जो भी दोषी होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। रांची एसडीओ दीपक दुबे और ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो घटनास्थल पर पहुंच लोगों को समझाया, तब जाकर लगभग आठ घंटे बाद सड़क पर अवागमन शुरू हो सका। पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने घटना की निंदा करते हुए लोगों से तालमेल बनाये रखने का आग्रह किया। हिंदू नेता भैरव सिंह ने कहा कि 24 घंटे के अंदर प्रशासन दोषियों को गिरफ्तार करें, नहीं तो उग्र आंदोलन किया जायेगा।

खेलारी रोड, चान्हो व बुढ़मू सहित अनेक स्थानों में भी जाम लगाया गया

मुड़मा में प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में सांसद संजय सेठ ने उपायुक्त से की बात

- डीसी ने कहा प्रतिमाओं की मरम्मत कराएंगे, जरूरत पड़ी तो उन्हें बदला भी जाएगा
- सांसद ने कहा : हिंदू भावनाओं पर कुठाराघात करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें

मांडर के मुड़मा में मंदिर की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में जहां ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया, वहीं दूसरी तरफ रांची के सांसद संजय सेठ ने उपायुक्त राहुल सिन्हा से बातचीत की। इस वार्ता के दौरान सांसद ने उपायुक्त से क्षेत्र की भावनाओं से अवगत कारण और स्पष्ट रूप से कहा की हिंदू भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। उपायुक्त ने सांसद को बताया कि जिला प्रशासन अपने स्तर से पहल करके सभी प्रतिमाओं को ठीक कराएगा। आवश्यकता पड़ी तो प्रतिमाएं बदली भी जाएंगी। उनकी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यह सारा कार्य जिला प्रशासन के निगरानी में किया जाएगा। सामाजिक व्यवस्था किसी भी कीमत पर नहीं बिगड़ने दी जाएगी। इसके बाद सांसद ने शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम ने लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों का किया निरीक्षण, बोले

छठ घाटों पर व्रतधारियों व श्रद्धालुओं के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें

नवीन मेल संवाददाता। रांची

लोक आस्था और उपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व आज से शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राजधानी के कांके डैम और हटनियां तालाब छठ घाटों की साफ- सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी छठ घाटों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने नदी, तालाबों, डैमों और अन्य जलाशयों में जलस्तर और गहराई वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां सुरक्षा की विशेष व्यवस्था और सभी घाटों पर विद्युत की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि व्रतधारियों और श्रद्धालुओं को छठ घाटों पर पूरी सहूलियत और सुविधा मिले। उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसे हर हाल में सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा और रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा की दी शुभकामनाएं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। भगवान भास्कर और छठी मैया आप सभी छठव्रतियों की मनोकामना पूर्ण करें। सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो, यही कामना करता हूं।

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने स्थापना दिवस की तैयारी की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड विस अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने अपने कार्यालय कक्ष में 22 व 23 नवंबर को होने वाली झारखंड विधानसभा की स्थापना दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के संबंध में विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। नक्सल मुठभेड़ों में शहीद होने वाले झारखंड के जवानों तथा खेल से जुड़े लोग जिन्हें शेष पृष्ठ 11 पर

भव्य रूप से मनाया जाएगा झारखंड विस का स्थापना दिवस

साल 2023 के झारखंड स्थापना दिवस को भी भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। जिसमें पिछले साल की तरह ही देश के नामी हस्तियों को बुलाया जाएगा। वहीं इस भव्य समारोह को लेकर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की उन्हें विधानसभा स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने शेष पृष्ठ 11 पर

गागर में सागर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पांच आतंकी ढेर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के डी.एच. पोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ चल रही मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, कुलगाम पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया। इनसे आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को उस इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद गुरुवार को गोलीबारी शुरू हुईई। सुरक्षा बलों द्वारा इलाके को घेरने के बाद वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। हाल के दिनों में पूरे कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच सिलसिलेवार मुठभेड़ हुई हैं, इसमें कई आतंकवादियों का सफाया किया गया है।

13 जिला न्यायाधीशों की सीधी नियुक्ति, अधिसूचना जारी

रांची। झारखंड कैबिनेट के फैसले के बाद राज्य में 13 जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति कर दी गयी है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दिया है। झारखंड वरीय न्यायिक सेवा भर्ती, नियुक्ति एवं सेवा शर्त के तहत इन न्यायाधीशों की योगदान की तिथि से सीधी भर्ती की गयी है। इसमें नमिता चंद्रा, पवन कुमार, श्वेता ढींगरा, पारस कुमार सिन्हा, कुमार साकेत, शिवनाथ त्रिपाठी, भूपेश कुमार, आयशा खान, भानू प्रताप सिंह, नीति कुमार, प्राची मिश्रा, पवन कुमार, नरंजन सिंह शामिल हैं।

झारखंड में 20 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके शिक्षक बनेंगे प्रिंसिपल

रांची। स्कूलों में लंबे समय से शिक्षा दे रहे प्राथमिक शिक्षकों के लिए खुशी की खबर है। काफी समय से लंबित चल रहे प्रोन्नति के मामले पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने फैसला लिया है। अब जो प्रारंभिक शिक्षक अपनी सेवा के 20 साल पूरे कर चुके हैं, उन्हें सीधे प्रिंसीपल के पद पर प्रोन्नति दी जाएगी। इसके लिए सभी उपायुक्त और जिला शिक्षा अधीक्षकों को आदेश जारी किया गया है। जो प्रारंभिक शिक्षक जिनकी सेवा 20 वर्ष पूरी हो चुकी है। उन्हें सीधे प्रिंसिपल के पद पर प्रमोशन मिल जाएगी। अब प्रिंसीपल के पद पर प्रोन्नति के लिए स्नातक प्रशिक्षित पद पर पांच वर्षों की सेवा पूरी करने की बाध्यता नहीं होगी।इस वक्त राज्य के मध्य विद्यालय के प्रिसिंपल के पद पर 97 प्रतिशत रिक्तियां हैं। इस फैसले से इन पदों को भरा जा सकेगा।

चाईबासा ब्लास्ट : बम निरोधक दस्ते के कांस्टेबल शहीद, दो जवान घायल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड के चाईबासा जिले में हुए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 60 बटालियन के बम निरोधक दस्ते के कांस्टेबल संतोष उरांव वीरगति को प्राप्त हो गए। संतोष उरांव सीआरपीएफ के 60 बटालियन के बम निरोधक स्कॉड में कार्यरत थे। वही इस ब्लास्ट में सीआरपीएफ 60 बटालियन के ही सेकंड इन कमान एजेतो तिने और कांस्टेबल जयंता नाथ घायल हुए है। दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है।

आईईडी क्लीन करने निकले थे जवान : मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ 60 बटालियन के सेकंड इन कमान एजेतो तिने अपने साथ बम निरोधक स्कॉयड को लेकर चाईबासा के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के हाथी बेड़ा जंगल में आईईडी क्लीन करने के लिए निकले थे। सूचना मिली थी कि इस इलाके मैं नक्सलियों के द्वारा बड़े पैमाने पर आईईडी जमीन के नीचे लगा कर रखा गया है।सूचना पर कारवाई करते हुए आईईडी निकालने का काम चल ही रहा था कि अचानक एक आईईडी में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट की वजह से मौके पर मौजूद बीडीडीएस टीम के सन्तोष उरांव को गंभीर चोटें आई। जबकि दो अन्य भी इसमें घायल हो गए।

जंगल से निकाल किया गया एयरलिफ्ट : विस्फोट की सूचना मिलते हैं आनंद-फानन में सीआरपीएफ के जवानों ने तीनों घायलों को जंगल से सुरक्षित बाहर निकाल कर हेलीपैड तक पहुंचाया, जहां हेलीकॉप्टर के माध्यम से दो सीआरपीएफ जवानों को रांची भेज दिया गया जबकि एक घायल का इलाज चाईबासा में ही किया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला

झारखंड के चाईबासा जिला के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबेड़ा में हुए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 60 बटालियन के एक कांस्टेबल शहीद हो गए हैं जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। घायलों में सीआरपीएफ 60 बटालियन के सेकंड इन कमांड एजेतो तिने और कांस्टेबल जयंता नाथ शामिल है। दोनो घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

भाकपा माओवादी का सक्रिय सदस्य जितेंद्र नगेसिया ने किया आत्मसमर्पण

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले की पहचान घोर नक्सल प्रभावित जिले के रूप में होती थी। मुख्य रूप से भाकपा माओवादी, जेजेएमपी, टीएसपीसी, पीएलएफआई एवं छोटे-छोटे स्प्रिंटर ग्रुप जिले मे काफी सक्रिय थे। लातेहार पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, झारखंड जगुवार एवं लातेहार पुलिस के सैट टीमों ने पुलिस अधीक्षक लातेहार के नेतृत्व में विगत वर्षों में सघन अभियान चलाया। जिसमें कई बार सुरक्षा बलों एवं उग्रवादी संगठनों के बीच मुठभेड़ हुई, मुठभेड़ में भाकपा माओवादी, टीएमपीसी उग्रवादी, जेजेएमपी संगठन के उग्रवादी मुठभेड़ में मारे गए एवं इनका संगठन कमजोर पड़ता गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के द्वारा उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत बहुत सारे कार्यक्रम आयोजित किये गये, छोटे- छोटे बच्चों को पठन पाठन सामग्री, खेलकूद प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आम नागरिकों को सरकार से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ दिलाया गया। झारखड सरकार की उग्रवाद आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत भटके हुए सभी उग्रवादियों को सामाचार पत्र एवं सोशल मिडिया के माध्यम से एवं उनके परिजनों को उनके घर जा जा कर आत्मसमर्पण करने के लिये लगातार प्रेरित किया गया, जिसके फलस्वरुप लातेहार जिले मे कई सारे माओवादियों एवं उग्रवादियों के द्वारा आत्मसर्पण किया जा रहा है।

झारखंड सरकार की उग्रवाद आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत माओवादियो/ उग्रवादियों को आत्मसमर्पण कर नए जीवन की शुरआत करने की दिशा में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के नेतृत्व में लातेहार जिला के पुलिस टीम के द्वारा लगातार प्रयास करने के फलस्वरुप माओवादी संगठन के सक्रीय उग्रवादी जितेन्द्र नगेसिया उर्फ जितेन्द्र किसान, उम्र करीब 41 वर्ष, पिता स्व0 मोहन नगेसिया उर्फ जोधन किसान, ग्राम तुमेरा, टोला बुढा गांव, थाना भंडरिया, गढ़वा, वर्तमान पता- ग्राम- पीपरढाबा, कुसमी, जिला- बलरामपुर, छत्तीसगढ़ के द्वारा झारखड सरकार की उग्रवाद आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पुलिस अधीक्षक लातेहार के समक्ष आत्मसमर्पण शेष पृष्ठ 11 पर

किसके सर सजेगा ताज ?

सुनील बादल

मूर्खों का सरदार, कंस मामा, गद्दार जैसे बयानो का असर पता चलेगा 3 दिसंबर को जनता का निर्णय इवीएम मशीनों में बंद

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव का शोर थम गया है और आज मतदान के बाद छत्तीसगढ़ की 70 सीटों में लगभग 67% तो मध्यप्रदेश की 230 सीटों पर 71% से भी अधिक मतदान के बाद प्रत्याशियों की किस्मत इवीएम में सील भी हो गई है ।हर चुनाव के समय जैसी उठापटक और राजनैतिक बयानबाजी होती है उससे भीड़ के साथ अन्य लोगों को भी मजा आता है जिस प्रकार रिंग में लड़ते तो दो पहलवान हैं पर उनके लाखों समर्थक या विरोधी उनकी एक-एक गतिविधि को अपनी मान लेते हैं। कई बार ऐसी बयानबाजी लंबी बहस का रूप ले लेती है और उसपर प्रतिक्रिया या पलटवार काफी दिनों तक चलती है। इस बार मध्य प्रदेश का चुनाव चार ग्रुप ए,बी,सी और डी में बांटकर एक ही दिन कराया गया उसी प्रकार इन बहसों में भाग लेने वाले लोग भी बंटे हुए हैं पहले तो वे जो एक बार सुनकर भूल जाने वाले, दूसरे घर से लेकर दोस्तों और परिजन तक चर्चा करने वाले, तीसरे इस पर लंबी बहस से लेकर चौक चौराहों तक में लड़ाई करने वाले और चौथे बहुत ही व्यावसायिक तरीके से उन बयानों को भुनाने या अपनी छवि सुधारने वाले।

मध्य प्रदेश का चुनाव प्रचार कई मायनों में काफी रोचक रहा। जहां पीएम मोदी से लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे कई नेताओं के बयान सुर्खियों में रहे। इस दौरान मूर्खों का सरदार और कंस मामा जैसे कई बयानों पर बात हुई। जहां एक तरफ पीएम मोदी का राहुल गांधी का नाम लिए बिना 'मूर्खों का सरदार' वाला बयान सामने आया तो वहीं प्रियंका गांधी का शिवराज सिंह चौहान को कंस मामा कहना भी चर्चा में था। जहां प्रियंका गांधी ने कहा था कि रिश्ते निभाने से मामा बनते हैं, वरना तो कंस भी मामा थे।

इन बयानों की रही चर्चा : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश में चुनाव शेष पृष्ठ 11 पर

छठ के दौरान बढ़ेगी ठंड आसमान रहेगा साफ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य में सर्दी लगातार बढ़ रही है। तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है। लोग सर्दियों के कपड़े पहनते हुए दिखने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को चक्रवात में बदल सकता है।

अगले पांच दिन तक मौसम रहेगा शुष्क : पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को चक्रवात में बदल सकता है। इसका असर झारखंड में भी दिख सकता है। रांची के कुछ इलाकों में कोहरा

भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार आने वाले पांच दिनों तक आसमान साफ रहेगा। छठ पूजा के दौरान ठंड बढ़ सकती है। 17 नवंबर से 20 नवंबर तक आसमान साफ रहेगा तथा मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम 28 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

गागर में सागर

छठ व्रतियों के बीच सूप का वितरण

रांची। मधुकम खजुरिया मैदान में भगत सिंह छठ पूजा समिति के तत्वावधान में 201 सूप का वितरण किया गया जिसमें एप्पल, नारियल, कैतरी, मुरली, हल्दी पत्ता, डाभ,पानीफल गजर अमाडा का वितरण वितरण किया गया। मुख्य संरक्षक उत्तम यादव, अध्यक्ष आर्यन मेहता, संरक्षक शशांक राज राजा सिंह करण टोप्पो विजय टोप्पो सयोजक राघव सिंह विशाल साहू नीलेश कुमार आर्यन गुप्ता सोनू साहू मिक्की रोहित कुमार अंशू तिवारी अंश वर्मा अनुराग प्रजापति साहिल केसरी प्रांजल सौरव गुप्ता उपस्थित थे।

प्रशासक घाघरा स्वर्णरेखा घाट का खुद निरीक्षण करें : संजय पोद्दार

रांची। श्री महावीर मंडल डोरंडा केंद्रीय समिति के अध्यक्ष संजय पोद्दार मंत्री पप्पू वर्मा ने घाघरा स्थित स्वर्णरेखा नदी की दयनीय स्थिति पर चिंता जताते हुए सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधि, नगर निगम से कहा है कि स्वर्ण रेखा नदी पर छठ कैसे मानेगा आखिर स्वर्ण रेखा नदी अपेक्षित क्यों है नगर निगम, जनप्रतिनिधि, वहां क्यों नहीं जाते झारखंड का धरोहर स्वर्ण रेखा नदी जहां से छठ की परंपरा की शुरूआत हुई वहां आज जानवर पानी पीना पसंद नहीं करते वहां छठ महापर्व कैसे संपन्न होगा आखिर स्वर्ण रेखा नदी अपेक्षित क्यों क्या यहां गंदगी के कारण फोटो सेशन सही नहीं हो पाएगा या वहां की गंदगी सब की पोल खोल देगा। स्वर्ण रेखा नदी पर अर्ग देना और स्वर्ण रेखा नदी के पानी को पीते हुए कुछ दशकों पहले तक देखा है प्रशासन से मांग है कम से कम छठ पर्व को लेकर वहां साफ सफाई कराई जाए प्रशासन में थोड़ी सी भी नैतिकता बची है तो नगर निगम इस पर ध्यान दें।

विधायक ने चहरदीवारी और विद्यालय के कमरों का किया शिलान्यास

सिल्ली। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विसरिया पंचायत के कुटाम गांव में शुक्रवार के दिन विधायक निधि से ईदगाह के समीप चहरदीवारी निर्माण कार्य एवं झारखंड सरकार डीएमएफटी मद अंतर्गत राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय उर्दू कुटाम में तीन कमरों का निर्माण कार्य का शिलान्यास सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने किया। मौके पर विधायक ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा की ग्रामीणों के द्वारा यह दोनों योजनाओं की मांग बहुत पुरानी थी जिसको पूरा कर दिया गया। साथ ही साथ सिल्ली विधानसभा के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके इसके लिए मैं काफी प्रयासरत हूं और भविष्य में शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए प्रयास जारी रहेगा और पढ़ेगा सिल्ली तभी आगे बढ़ेगा सिल्ली। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्षा रांची बीना देवी, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बडाईक, उप प्रमुख आरती देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्ण साहू, सुशील महतो, क्षेत्र के प्रभारी लक्ष्मण महतो समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

सिल्ली विधायक ने पदक विजेताओं को किया सम्मानित

सिल्ली। 37 वीं राष्ट्रीय खेल के पदक विजेता सिल्ली निवासी दिनेश कुमार और राहे निवासी प्रिंस महतो को सिल्ली के लोकप्रिय विधायक सह अभिभावक सुदेश कुमार महतो ने अपने आवास पर दोनों पदक विजेताओं को सम्मानित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर रांची यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार मुकुंद मेहता और बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी सिल्ली के सचिव सह अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोच प्रकाश राम मौजूद थे।

नाहन खाय के साथ चार दिवसीय महाछठ पर्व शुरू

सिल्ली। आस्था का महापर्व चार दिवसी छठ यनेम और निष्ठा का पर्व छट को लेकर आज ब्रती महिलाएं सुबह से ही काफी ब्यस्त नजर आई। सुबह सबेरे नाई से नाखून कटवाया उसके बाद स्नान कर रसोई की दुधि मिट्टी से लिपाइ पुताई किया। फिर आम की लकड़ी से भात और चने की दाल पकाया साथ ही बिना लहसु प्याज के कद्दू कि सब्जि पकाया फिर एक समय एक भोजन को ध्यान मे रख कर मन को शांत व शुद्ध कर शाम को कद्दू भात ग्रहण किया। बताते चले की आस्था के इस महा पर्व में मूर्ति की पूजा नहीं की जाती है। यह सूर्य उपासना और छटी माँ का उपासना का पर्व है।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में छह बंदी कर रहे छठ पूजा

रांची। महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गई। महापर्व छठ को लेकर एक तरफ जहां हर तरफ उत्साह का माहौल है, वहीं रांची जेल में भी पूरा माहौल छठमय हो गया है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में छह बंदी छठ पूजा कर रहे हैं। छठ महापर्व को लेकर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के बंदी भी भक्ति में सराबोर हैं। जेल में सुबह-शाम छठी मईया के गीत गूंजने लगे हैं। रांची जेल में छह बंदी छठ पूजा कर रहे हैं। इसमें सितारा देवी, संतोषी देवी, ललिता देवी, सरिता देवी के अलावा कृष्णदेव महतो शामिल हैं। छठ व्रतियों को नहाय-खाय के लिए लौकी, कपड़ा, दूध, नारियल, सूप, फल, आदि पूजन सामग्री जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराया गया है। व्रतियों की पूजा के लिए जेल के अंदर की छठ घाट बनाए गए हैं और अर्घ्य देने के लिए तालाब के साथ ही सिरसोता का भी निर्माण कराया गया है।

घाट से लेकर घरों में छठ गीतों के बजने से माहौल बना भक्तिमय

महापर्व छठ शुरू, खरना आज

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

सूर्य उपासना के चारदिवसीय छठ महापर्व की शुरूवात शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में नहाय खाय के साथ महाव्रत का अनुष्ठान प्रारंभ हो गया। पहले दिन छठ व्रत करने वाले पुरुष व महिला परवैतिन ने अंतःकरण की शुद्धि के लिए जलाशयों में स्नान कर व्रत का संकल्प लिया। जहां परवैतिनों ने शुद्धता के साथ सेंधा नमक से बने चना दाल व कद्दू की सब्जी तथा अरवा चावल का प्रसाद बनाया। पूजा के पश्चात व्रतियों ने छठ व्रत का संकल्प लेकर खुद कद्दू भात का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों व स्वजनों के बीच कद्दू भात के प्रसाद का वितरण किया गया। वही नेम निष्ठा के महापर्व छठ व्रत को लेकर पूरा बेड़ो भक्तिमय हो गया है। छठ पूजा के पारम्परिक गीत चहुंओर गूंज रहे है।वतीर्यों द्वारा गाए जा रहे छठ गीत से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है।छठ व्रती महिला गेहूं चावल सूखा रही है।वही श्रद्धालु लोग दुकानों में घी,गुड़,चावल ० अन्य सामानों की खरीददारी कर रहे है। छठ पूजा के दूसरे दिन खरना पूजा होगी।जिसमें वर्ती शाम में स्नान करने के बाद पूरे नेम निष्ठा विधि-विधान से अरवा चावल,दूध और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद तैयार करेंगी।इसके बाद भगवान सूर्य की आराधना कर प्रसाद ग्रहण किया जाता है।छठ पूजा के तीसरे दिन वर्ती उपवास रखकर ठेकुआ बानाएंगी।और शाम में दैउरा ० सूप में ठेकुआ,फल ० ईख समेत अन्य प्रसाद लेकर जलाशयों में पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य अर्पित करेंगे।पर्व के चौथे और अंतिम दिन वर्ती महिलाएं उदयीमान सूर्य को अर्ध्य अर्पित किया जाता हैं। इसके बाद छठ की कथा सुनती है।और वर्ती घर लौटकर अन्न-जल ग्रहण कर पारण करती है।अपना व्रत तोड़ती है।

बेड़ो में आए दिन हो रही चोरियों से ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में आए दिन चोर किसी न किसी को निशाना बना रहे हैं। कभी घर में चोरी तो कभी किसानों के खेत में सिंचाई के लिए लगे समरसेबल की चोरी हो रही है। हालत यह है कि चोर मस्त,जनता त्रस्त और पुलिस पूरी तरह पस्त नजर आती दिख रही है।वहीं थाना क्षेत्र के बेड़ो छापर टोली में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने प्रदीप महतो पिता देवचरण महतो के घर में लगभग दो बजे रात में घर में घुसकर मोबाइल व पानी मशीन को चोर कर ले गए। वहीं चोरों ने सुरेश महतो पिता रामेश्वर महतो के घर में रखे पानी मशीन की चोरी कर ली। चोरों ने राजू महतो के घर के आंगन में रिक्सा में 10 किलोग्राम अदरक को भी चोरी किया और लेकर चंपत हो गए।इधर चोरों ने मनोज महतो पिता रामेश्वर महतो के साइकिल को ले भाग रहे थे तभी जंगल की ओर आ रहे ग्रामीणों ने देखा चोरों को देखकर हल्ला किया तो चोरों ने साइकिल छोड़ कर भाग निकले।

छठ महापर्व में भी बेड़ो में दो दिनों से जलापूर्ति ठप, लोग परेशान

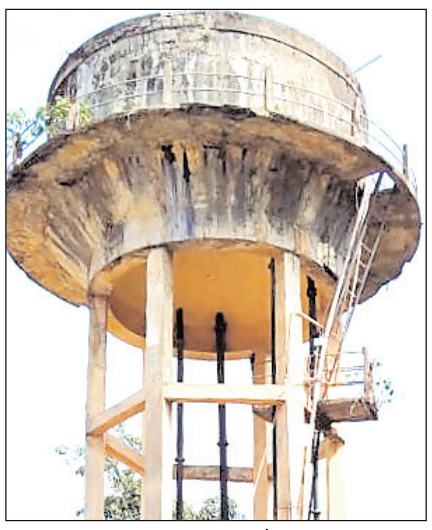

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

लोक आस्था का महापर्व छठ के नहाय खाय पर भी बेड़ो में विभागीय उदासीनता से पिछले दो दिनों से जलापूर्ति ठप हो गया है। बेड़ो के लोगों को छठ के पावन त्यौहार में भी पीने का पानी नहीं मिल रहा है।पानी नहीं मिलने से लोग काफी परेशान हैं। लोगों का कहना है कि नियमित रूप से सप्लाई का पानी कभी नहीं मिल पाता है। ग्रामीणों ने कहा कि विभाग के उदासीन रवैये के कारण मुख्यालय के दर्जनों घरों में पानी नहीं मिला।पानी के लिए लोगों को काफी परेशानी उठाना पड़ रहा है।सुबह से ही लोग पानी की जुगाड़ में डिब्बा व बाल्टी लेकर भटकते रहे। पेयजल के आपूर्ति के अभाव में लोगों को पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। पेयजल की परेशानी बेड़ो वासियों के दिनचर्या में शामिल हो गयी है। जलापूर्ति की आस में लोग सुबह उठते जरूर हैं, मगर इंतजार के बाद विभाग को कोसते नहीं थकते हैं। कभी दो दिन तो कभी तीन दिन के बाद जलापूर्ति बंद हो जाती है। वहीं लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। जबकि ग्रामीण अंचलों में घर-घर जल पहुंचाने की सरकार महत्वाकांक्षी योजना चल रही है। फिर भी ग्रामीणों के हलक सूखे हुए हैं। इधर इस संदर्भ में विभागीय जेई विजय मिंज ने कहा कि जनहित में इस समस्या को शीघ्र ही दूर कर शनिवार से जलापूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

रामचंद्र सिंह विधानसभा स्थापना दिवस पर होंगे सम्मानित

रांची। राज्य स्थापना दिवस के बाद अब झारखंड का विधानसभा अपने 23वें स्थापना दिवस के लिए तैयार है। 22 नवंबर को झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस समारोह को इस बार भी भव्य तरीके से आयोजित करने की तैयारी चल रही है। विधानसभा के स्थापना समारोह में इस बार भी विधानसभा के कुल 81 विधायकों में से एक विधायक रामचंद्र सिंह को सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में चुना गया है। रामचंद्र सिंह मनिका से कांग्रेस के विधायक हैं। विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में 22 नवंबर को उन्हें बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी के रूप में मिथलेश मिश्र, विष्णु पासवान, नेयाज अहमद, तापस कुमार, नीलेश कुमार सिंह और विशेष रूप से महिला कर्मी माइकल लकड़ा को भी सम्मान दिया जाएगा। विधानसभा स्थापना दिवस के इस समारोह में वीर गति को प्राप्त कर चुके शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा।

सरकारी सहयोग नहीं मिला तो निजी खर्च से जर्जर सड़क का कराया मरम्मति

नवीन मेल संवाददाता। रातू

सरकारी सहयोग नहीं मिला तो जिप अध्यक्ष निर्मला भगत व आजसू नेता भरत कांशी ने लगभग आधा किलोमीटर जर्जर सड़क को अपने निजी खर्च से मरम्मत करा दिया। रातु प्रखंड मुख्यालय से एन एच 75 को जोड़ने वाली सड़क वर्षों से जर्जर थी। इस सड़क पर इतने बड़े- बड़े गड्ढे बन गये थे की सड़क पर कई सालों से बड़े वाहनों का आवगमन बंद था। छोटे वाहन भी बड़ी मुश्किल से चल पा रहा था। इस रास्ते से होकर गुजरने वाले कई लोग दुर्घटना के शिकार भी हो चुके है। 10 वर्ष पहले सड़क का निर्माण किया गया था तब से आज तक मरम्मत का कार्य विभाग के द्वारा नहीं कराया गया है। सांसद व स्थानीय विधायक को कई बार इसकी जानकारी दी गयी थी। परन्तु इस रास्ते को बनाना जरूरी नही समझा। अंत में ग्रामीणों ने सड़क मरम्मती की गुहार जिप अध्यक्ष निर्मला भगत व आजसू के हटिया विधानसभा प्रभारी भरत कांशी से की। इसके उपरांत छठ पूजा को देखते हुये शुक्रवार को ब्लॉक ब्लॉक चौक से लेकर एनएच 75 को जोड़ने वाली लकगभग आधा किलोमीटर सड़क का मरम्मती कार्य कराया। जिससे छठ व्रतियों को कोई परेशानी नही हो। व लोगों को प्रखंड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय से आवागमन हो सके। सड़क मरम्मती के बाद ग्रामीणों में खुशी का लहर है। लोग इस सराहनीय कार्य की काफी तारीफ कर रहे है। सड़क मरम्मति में जिप अध्यक्ष निर्णला भगत,आजसू नेता भरत कांशी के अलावा आजसू के केंद्रीय सदस्य चिंटू मिश्रा, पंचायत समिति सदस्य सलगी उरांव, सुशील घोष, योगेंद्र महली, धनेश महली, सनी सिंह, विवेक सिंह, रोहित साहू, उज्वल तिवारी, मुकेश सिंह एवं स्थानीय लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,खूँटी

ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–अल्पकालीन निविदा संख्या:–10/2023-24/RWD/KHUNTI , दिनांक–16-11.2023

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.कार्य का नामः–

क्र० सं०	आई० डी० सख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड का नाम	पथ का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि
1	RWD/KHUNTI/23/STPKG/11/2023-24	खूँटी	टोटादाग से पिरिहातु भाया पतराटोली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–3.20 कि०मी०)	12,90,78,700.00	बारह करोड़ नब्बे लाख अठहत्तर हजार सात सौ रू० मात्र।	9 माह
		खूँटी	L023 लांदुप से बान्डीह पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–3.96 कि०मी०)			
		खूँटी	बेलाहाथी से खूँटी पुलीस लाईन तक पहुँच पथ का का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–2.20 कि०मी०)			
		तोरपा	तोरपा (दियांकेल) से सरनाटोली पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–1.75 कि०मी०)			
		तोरपा	केतारी मोड़ से सोनपुरगढ़ पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–10.79 कि०मी०)			
2	RWD/KHUNTI/23/STPKG/18/2023-24	खूँटी	L033- रेवा से मान्हु तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–3.052 कि०मी०)	10,97,57,200.00	दस करोड़ संतानबे लाख संतावन हजार दो सौ रू० मात्र।	9 माह
		खूँटी	L056-T04 से डबगमा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–1.000 कि०मी०)			
		खूँटी	L037- चुकरू से अक्ता तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–5.400 कि०मी०)			
		खूँटी	L028- बाँधटोली से सागाटोली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–1.600 कि०मी०)			
		खूँटी	बरकोंगी हेसाग से फुदी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–5.100 कि०मी०)			
		खूँटी	कालामाटी से सफायर स्कूल भाया डुंगरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–4.150 कि०मी०)			
3	RWD/KHUNTI/23/STPKG/08/2023-24	मुरहू	गनालोया से गुरमी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–4.350 कि०मी०)।	12,13,41,500.00	बारह करोड़ तेरह लाख इकतालीस हजार पाँच सौ रू० मात्र।	9 माह।
		मुरहू	खूँटी चाईबासा मेन रोड से तार्पिगसरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–3.350 कि०मी०)।			
		खूँटी	अनीगड़ा से चालम पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–5.500 कि०मी०)।			
		खूँटी	हेसाहातु से तेरम भाया कानकी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–2.160 कि०मी०)।			
		खूँटी	हुटार से चामड़ी भाया हड़ाम बड़ाम तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–2.900 कि०मी०)।			
		खूँटी	बिचागुटु से रांगरोम भाया बानेयाडीह बीरडीह तारोडीह तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–4.850 कि०मी०)।			
4	RWD/KHUNTI/23/STPKG/09/2023-24	कर्रा	गुयू से सरमबेल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–3.800 कि०मी०)।	11,07,34,100.00	ग्यारह करोड़ सात लाख चौंतीस हजार एक सौ रू० मात्र।	9 माह।
		कर्रा	घुनसुली से डाड़ी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–2.350 कि०मी०)।			
		कर्रा	छोटा जलडान्डु से चेरवादाग तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०– 3.000 कि०मी०)।			
		कर्रा	L021 से घुनसुली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–0.700 कि०मी०)।			
		कर्रा	सिलमा से हिसरी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–0.850 कि०मी०)।			
		कर्रा	मालगो से तपींगसेरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य(लं०–2.250 कि०मी०)।			
		कर्रा	कर्रा बालामोड़ मुख्य पथ से जवरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०– 5.500 कि०मी०)।			
		कर्रा	जेरगा मोड़ से विरदा भाया साहीलींग सेताहुरू तक पथ की का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०–5.000 कि०मी०)।			
5	RWD/KHUNTI/31/STPKG/10/2023-24	तोरपा	तोरपा से जरियागढ़ (गोविन्दपुर) भाया एरमेरे, टाटी, उकड़ीमारी, निधिया, जोजोदाग तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं०– 17.000 कि०मी०)।	14,89,27,500.00	चौदह करोड़ नवासी लाख सताईस हजार पाँच सौ रू० मात्र।	9 माह।

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 29.11.2023
3 ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– .12.12.2023 अपराहन 5:00 बजे।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 14.12.2023 अपराह्न 3:30 बजे।
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, खूँटी, पिन–835210।
6 ई– निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष सं०ः– 9431170803
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल,खूँटी

PR 311510 Rural Development(23-24).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–06/2023–.24

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम	:	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:	दिनांक 24.11.2023 के अपराह्न 1.00 बजे तक
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:	दिनांक 25.11..2023 को 3.00 बजे अपराह्न तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 25.11.2023 को अपराह्न 3.30 बजे
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:	1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में। 2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	:	01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल , हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र कामूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of Boundary wall at UPG Middle School Kandthari , Block - Barkagoan Dist- Hazaribag	998500/-	20000/-	1250/-	03 माह
2	Construction of Boundary wall at UPG M. school MAHUGAIN KALAN Block-Barkagoan Dist- Hazaribag	1101100/-	23000/-	2500/-	03 माह
3	Construction of Boundary wall at UPGM. school Naya Tand Block-Barkagoan Dist-Hazaribag	967400/-	20000/-	1250/-	03 माह
4	Construction of Boundary wall at UPG M. school Sirma Block-Barkagoan Dist-Hazaribag	1763100/-	36000/-	5000/-	03 माह
5	Construction of Boundary wall at UPG High school Khairiyo Block-Barkatha Dist-Hazaribag	3582700/	72000/-	5000/-	03 माह
6	Construction of Boundary wall at Primary school chak Block-Chouparn Dist- Hazaribag	3337400/	67000/-	5000/-	03 माह
7	Construction of Boundary wall and Main Gate, Middle School in Campus Hesalong , Block-Dari at Hazaribag for the year 2023-24	1367938/-	28000/-	2500/-	03 माह
8	Construction of Boundary wall and Main Gate, Middle School in Campus Alounja , Block-Ichak at Hazaribag for the year 2023-24	1561600/-	32000/-	5000/-	03 माह
9	Construction of Boundary wall and Main Gate, Middle School in Campus kurha Block-Ichak at Hazaribag for the year 2023-24	1174300/-	24000/-	2500/--	03 माह
10	Construction of Boundary wall and Main Gate, Primary School in Campus Purnadih , Block-Ichak at Hazaribag for the year 2023-24	851485/-	18000/-	1250/-	03 माह
11	Construction of Boundary wall of Govt. Primary School Jeruwadih, Tatijhariya, Block- Tatijhariya Dist- Hazaribag	2790300/-	56000/-	5000/-	03 माह
12	Construction of Aanganbadi Kendra, Gauriya, Panchayat- Gauria karma , Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
13	Construction of Aanganbadi Kendra ,Gauriya form, Panchayat- Gauria karma , Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
14	Construction of Aanganbadi Kendra ,Mini Painiya par, Panchayat- Kedarut , Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
15	Construction of Aanganbadi Kendra ,Kheroun, Panchayat- Kedarut, Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
16	Construction of Aanganbadi Kendra Hathganda, Panchayat- Bhandaro , Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
17	Construction of Aanganbadi Kendra, Mini purhara, Panchayat- Bhandaro, Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
18	Construction of Aanganbadi Kendra, Mini Tetriya Bhandaro, Panchayat- Bhandaro, Block- Barhi Dist- Hazaribag	1448400/-	29000/-	2500/-	04 माह
19	Raising of Boundary Wall of Principal District and Session Judge Hazaribag ,	2425100/-	49000/-	5000/-	03 माह
20	Renovation of Building Sub -Division Office at Hazaribag	1156100	24000/-	2500/-	03 माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 311551 Building(23-24).D

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, कोडरमा।

Email Id- sportskoderma17@gmail.com

पत्रांक– दिनांक–

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक 1016 राँची, दिनांक 08.11.2023 के आलोक में जिला स्तरीय Thematic Competitions/ activities से संबंधित निम्नांकित प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 28.11.2023 को बिरसा सांस्कृति भवन, कोडरमा में किया जाना है।

Sr. No.	Component	Sr. No.	Activity
1	Culture	1	Group Folk Dance
		2	Group Folk Song
		3	Solo Folk Dance
		4	Solo Folk Song
2	Life Skill	5	Story Writing
		6	Poster Making
		7	Declamation
		8	Photography
3	Thematic	9	Thematic Competitions State Specific Theme
		10	Any Government entry on given theme
4	Yuva Kriti	11	Handicraft
		12	Textile
		13	Agro Products

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक युवा दिनांक 25.11.2023 के अपराहन 2:00 बजे तक निम्नांकित प्रपत्र में भरकर अपना आवेदन कर्जन कोडरमा समाहरणालय अवस्थित जिला खेल कार्यालय, कोडरमा Email Id-sportskoderma17@gmail.com / नेहरू युवा केन्द्र, कोडरमा Email Id-nykkoderma@gmail.com@राष्ट्रीय सेवा योजना कोडरमा, में जमा कर सकतें है।

Sr.No.	Name	Father's Name	Aadhar No.	Mobile No.	Address	Event Name	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

विस्तृत जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय, कोडरमा के मोबाईल नं0– 7992284418, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय, कोडरमा के मोबाईल नं0– 7985595871, नेहरू युवा केन्द्र, कोडरमा के मोबाईल नं0– 7717792905 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

ह0/–
जिला खेल पदाधिकारी,
कोडरमा।

PR 311498 (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs) 23-24 (D)

गागर में सागर

श्री चैती दुर्गा मंदिर में छठव्रतियों को पूजन सामग्री किट दिया जाएगा

रांची। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से शनिवार को छठ व्रतियों के बीच के द्वारा भुतहा तालाब स्थित चैती दुर्गा मंदिर परिसर में पूजा सामग्री का वितरण किया जाएगा। जिसमें व्रतियों के बीच सूप, दउरा, नारियल ,गुड पूजन सामग्री, आटा,घी मिठाई इत्यादि का वितरण पूजा समिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू,वरिष्ठ संरक्षक शेखर गुप्ता, आयोजक संजय सिंह, आकाश रजक, नमन भारतीय के द्वारा किया जाता है।

जतरा पूजा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में किया गया बदलाव

रांची। राजधानी रांची के कांके रोड के मिसिरगोन्दा जतरा टांड़ में 18 नवम्बर को जतरा पूजा का आयोजन किया गया है। जतरा पूजा के अवसर पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होते हैं। इस अवसर पर 18 नवम्बर को दो बजे अपराह्न से जतरा पूजा समाप्ति तक कांके रोड में रिलायन्स मार्ट से चांदनी चौक तक की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इस संबंध में ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव की ओर से शुक्रवार को आदेश जारी किया गया है।

ऐसा रहेगा ट्रैफिक व्यवस्था: रिलायन्स मार्ट कांके रोड से सीसीएल गांधी नगर मुख्य गेट तक दांए लेन जतरा झांकी के लिए निर्धारित किया गया है। चांदनी चौक कांके रोड से राममंदिर चौक कांके रोड की ओर आने-जाने वाले वाहन बांए लेन से होकर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

राजधानी रांची में बाइक सवार अपराधी छात्र से मोबाइल छीनकर हुए फरार

रांची। मोरहाबादी के न्यू बिरसा नगर सरईटांड़ के रहने वाले अक्षय कुमार मुंडा से बाइक सवार अपराधियों ने मोबाइल की छिनतई कर ली। इस घटना को अपराधियों ने उस समय अंजाम दिया, जब मोरहाबादी शाम में वाक कर घर लौट रहे थे। इस संबंध में अक्षय ने लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। मूलरूप से रेलाडीह के रहने वाले अक्षय मोरहाबादी के सरईटांड में रह रहे थे। अक्षय ने पुलिस को बताया कि वह दस नवंबर को मोरहाबादी राम दयाल सिंह मुंडा ग्राउंड से पैदल अपने कमरे में लौट रहा था। सरना स्थल के पास जब वह परहुंचे तो पीछे से एक बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे, उनके हाथ से मोबाइल छीना और फरार हो गए। हालांकि वह अपराधियों का पीछा भी किए, लेकिन अपराधी भागने में सफल रहे। इसके बाद वह लालपुर थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

मुड़मा घटना हेमंत सरकार की तुष्टीकरण का नतीजा : भाजपा

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के निदेशानुसार प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने मांडर के मुड़मा गांव का दौरा किया। साहू के साथ भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रभारी एवं पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, सन्नी टोप्पो, कमलेश राम, मादी उरांव सहित अन्य शामिल थे। साहू ने टूटे मंदिर एवं देवी देवता की प्रतिमाओं को भी देखा तथा ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। साहू ने मौके पर रांची के एसएसपी से बात कर ऐसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की तथा घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को चिन्हित कर अविलंब गिरफ्तार करने और सख्त सजा देने की मांग की। साहू ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधते हुए कहा कि जब से हेमंत सरकार बनी है सनातन संस्कृति पर हमले हो रहे। राज्य में लगातार मंदिर और हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा जा रही। उन्होंने कहा कि यह सब राज्य सरकार की तुष्टिकरण नीति का परिणाम है।

जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक संपन्न

रांची। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश कार्यालय रांची जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक संपन्न हुई. जिसकी अध्यक्षता रांची जिला कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने किया. मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण के प्रभारी सह प्रदेश कांग्रेस के महासचिव शिवकुमार भगत जी उपस्थित थे। इस अवसर में जिला अध्यक्ष ने छठ महापर्व की विशेष बधाई देते हुए बैठक की शुरूआत की एवं सभी नवनियुक्त प्रखंडों के प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि आप कांग्रेस पार्टी के जुझारू योद्धाओं में से हैं और आने वाले दिनों में आपको अपनी विशेष कार्य क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा आप सभी को प्रखंड अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए सभी मंडल एवं पंचायत और बूथ स्तर के तेज तर्रार कार्यकताओं का चयन करें एवं उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने का कार्य करें. और जिन सम्मानित कार्यकताओं के पास समय का अभाव है उनकी भी एक लिस्ट बनाएं ताकि उनके उचित कार्यभार दिया जा सके। उन्होंने आगे कहा जो जिस लायक जहां उचित लगे वहां काम कर सकते हैं। किसी भी कार्यकर्ता को अतिरिक्त भार नहीं दिया जाएगा परंतु जिसे जो कार्य भार दिया जाएगा वो अपनी जिम्मेवारी को ईमानदारी पूर्वक निभाएं। डिजिटल मेंबरशिप अभियान को कैंप लगाकर कर करें।

श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व पर प्रभातफेरी निकाली गयी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा शुक्रवार को श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष में चौथे दिन सुबह 5 बजे गुरुद्वारा साहिब से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी दर्शन दिऊडी गेट से निकल कर विजय कटारिया, चुन्नी लाल पपनेजा, गोपाल दास सरदाना, नानक चन्द्र अरोड़ा, मुकेश तलेजा, राजकुमार मक्कड़, नंद किशोर अरोड़ा की गली होते हुए वापस दर्शन दिऊडी गेट पहुंचकर विसर्जित हो गई। फेरी में बबली दुआ, गीता कटारिया, शीतल मुंजाल, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर, नीता मिढ़ा, इंदु पपनेजा, बबिता पपनेजा, पाली मुंजाल ने 'कल तारण गुरु नानक आया.....एवं 'सुनी पुकार दातार प्रभ गुरु नानक जग माहे पठाइया...तथा दर्शन देख जीवां गुर तेरा, पूरण करम होये प्रभु मेरा...जैसे कई शबद गायन के साथ संगत को वाहेगुरु का जाप भी कराया। सरदार

भूपिदंर सिंह ने निशान साहिब उठाकर फेरी की अगुवाई की तथा मनीष मिढा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने अरदास की। श्रद्धालुओं ने रास्ते की साफ-सफाई तथा पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी कर फेरी का श्रद्धा भाव से स्वागत किया. प्रभात फेरी के समापन पर गुरुद्वारा साहब में श्रद्धालुओं के लिए चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया। फेरी में अर्जुन दास मिढा, अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, विनोद सुखीजा, जीवन मिढ़ा, मोहन काठपाल, महेंद्र अरोड़ा, रवनीत सिंह, राकेश गिरधर, रमेश तेहरी, जीतू अरोड़ा, रमेश गिरधर, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, राजेन्द्र मक्कड़, रमेश पपनेजा, इन्दर मिढ़ा, हरीश तेहरी, भरत गाबा, पंकज मिढ़ा, पाली मुंजाल, अमर मदान, बसंत काठपाल, हरीश मिढ़ा, हरविंदर सिंह, प्रकाश गिरधर, गौरव मिढ़ा, अमन डावरा, पियूष मिढ़ा, उमेश मुंजाल, गुलशन मिढ़ा, कमल धमीजा, कमल मुंजाल, मनीष गिरधर, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, अमन सचदेवा, ज्ञान मादन पोत्रा, प्रवीण मुंजाल, प्रमोद चुचरा, ज्ञान दुआ, चंदन गिरधर, मोहित मुंजाल, संतोष बजाज, ममता थरेजा, श्वेता मुंजाल, अमर मुंजाल, कमलेश मुंजाल, गोविंद कौर, भजना देवी डावरा, देवकी मुंजाल, दुर्गी मिढ़ा, हरपाल कौर मिढ़ा,उषा झंडई, नेहा मिढ़ा, प्रेमी काठपाल, शीतल अरोड़ा, हरनाम थरेजा, ममता थरेजा, सुषमा गिरधर, नीतू किंगर,स्वीटी सिडाना, जूली गाबा, इशिका काठपाल, रजनी तेहरी, ममता सरदाना, गुड़िया मिढ़ा, गूंज काठपाल, चांद नागपाल, रवि नागपाल, कमलेश मिढ़ा समेत अन्य शामिल थे।

प्रधानमंत्री के झारखंड आगमन से कांग्रेस- झामुमो में हताशा : आदित्य

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा राज्य की जनता विशेषकर आदिवासी समाज के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने लाखों की संख्या में खूंटी पहुंचकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। साथ ही भाजपा रांची की महिलाओं और युवाओं का भी आभार प्रकट करती है, जिन्होंने रात 11 बजे ठंड में सड़कों पर घंटों तक खड़े होकर प्रधानमंत्री का स्वागत और अभिनंदन किया। आदित्य साहू शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर जनजाति गौरव दिवस के उत्साह में इसकी महत्ता में चार चांद लगा दिए। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता, प्रदेश का जनजाति समूह उनके इस सम्मान को कभी भूल नहीं पाएगा। आने वाली पीढ़ियां उसे युगों तक याद करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, राज्य स्थापना दिवस और जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती से देश के जनजाति समाज को 24 हजार करोड़ की पीएम जन मन जनजाति न्याय महाअभियान की का शुभारंभ किया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन सुनिश्चित हो : चौधरी

रांची। केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा लाभार्थी कल्याण संघ भारत केन्द्रीय प्रक्षेत्र के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य गणेश प्रसाद चौधरी ने रांची प्रक्षेत्र के केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा के अतिरिक्त निदेशक को ज्ञापन सौंपकर कहा है कि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग केन्द्रीय सरकार स्वस्थ्य सेवा (सीजीएचएस) के महानिदेशालय के आदेश विगत 11 जुलाई, 2017 के अनुसार 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को केन्द्रीय सरकार स्वस्थ्य सेवा के तहत विशेष प्रावधानों के दिशानिर्देश तथा विवरण के अनुसार पालन नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में पहले के दिशानिदेर्शों की निरंतरता में, 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को केन्द्रीय सरकार स्वस्थ्य सेवा के तहत विशेष प्रावधानों कतार में खड़े हुए बिना केन्द्रीय सरकार स्वस्थ्य सेवा वेलनेस सेंटर में डॉक्टर से परामर्श देना,केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा के डॉक्टर महीने में कम से कम एक बार फोन पर उनकी भलाई के बारे में पूछताछ करेंगे/यदि वे 5 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं तो उनके घर का दौरा महीने में एक बार करेंगे। बिना बारी के प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा दावों का निपटान करना है ,जो नहीं किया जाता है तथा वे सब लगभग एक साल से लंबीत है। दावों का निपटान करना जल्दी करने का अनुरोध किया गया है। गैर-सूचीबद्ध अस्पताल में उसी विशेषज्ञ से उपचार का पालन करें, जहां से वह पहले उपचार ले रहा था - बढ़ती उम्र और चिकित्सक को बदलने में कठिनाई को देखते हुए एक विशेष मामले के रूप में सीजीएचएस दरों और दवाओं के संग्रह तक सीमित प्रतिपूर्ति के अधीन एवं सीजीएचएस दिशानिर्देशों के अनुसार होना चाहिए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, कहा-

2047 तक देश को विकसित राष्ट्र मनाना है

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को सुंदरपहाड़ी, प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत में पहुंची। यहां केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए सुयोग्य लाभुकों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराया गया। बतौर मुख्य अतिथि माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 नवंबर 2023 को बिरसा मुण्डा की जयंती पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ रांची के खूंटी से

किया गया है। बिरसा मुण्डा आजादी के नायक थे। देश की आजादी में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मंत्री ने कहा कि जनजनताति गौरव दिवस के अवसर पर बिरसा मुण्डा की स्वाधीनता को स्मरण कर आजादी के आन्दोलन में जनजातीय समाज के संघर्ष को याद किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है कि गांव व शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले हर पात्र व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाए जो व्यक्ति योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं, उनके जीवन स्तर में किस तरह का सुधार हुआ। यह जानकारी उनके जुबानी से ही सुनी जाए। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया है कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा। पीएम ने भारत को विकासशील नहीं, बल्कि भारत को विकसित देश बनाकर एक विकसित राष्ट्र के रूप में बनाना चाहते हैं। उन्होंने उपस्थित जन समूहों को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान

> **बिरसा मुण्डा आजादी के नायक थे। देश की आजादी में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया ह**
>
> **जन समूहों को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने की शपथ दिलाई गई**

माननीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, टेरा फिल्टर, आयुष्मान कार्ड, एलपीजी गैस कनेक्शन, निशुल्क खाद्य सामग्री, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, एनआरएलएम समूह की महिलाओं चेक, मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण,व वृद्धापेंशन प्रमाण-पत्र का वितरण किया। मंत्री के द्वारा जानकारी दी गई कि जनजातीय नायक बिरसा मुंडा की जयंती के दिन, जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा झारखंड के खूंटी जिले से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखाई गई है। इस यात्रा का लक्ष्य आम लोगों को केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना एवं उन्हें लाभ प्राप्त कराना है। मौके पर उपस्थित विधायक गोड्डा अमित मंडल के द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में जानकारी दी गई, साथ ही साथ उपस्थित लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं से अवगत कराया गया।

गुमला के जारी एवं बेंडोरा पंचायत में हुए कार्यक्रम : विकसित भारत संकल्प यात्रा₹ योजना तहत आज गुमला जिला अंतर्गत जारी प्रखंड के जारी पंचायत एवं चैनपुर प्रखंड अंतर्गत बेंडोरा पंचायत में हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डेंगू से बचाव के लिए तालाबों में हो दवा का छिड़काव : आलोक दूबे

नवीन मेल संवाददाता। रांची

समाजसेवी आलोक कुमार दूबे ने नगर प्रशासक रांची नगर निगम से छठ घाटों की सफाई एवं नदी, तालाबों के अंदर कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव कराने का अनुरोध किया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि राजधानी के सभी छठ घाट, नदी, तालाब, जलाशय को युद्ध स्तर पर सफाई की जाए, लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए एवं पैदल छठ घाट जाने वाली छठ व्रतियों के लिए गड्ढे एवं टूटे सड़कों पर डस्ट गिराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बड़ी नदियों में विशेषकर स्वर्णरेखा,हटिया डैम,कांके डैम सहित अन्य नदियों में गोताखोरों की व्यवस्था की जाए एवं डेंजर जोन चिन्हित कर सुरक्षा के इंतजाम किए जाऐं। सभी तालाब,नदी शहर के गंदे पानी जाने से दूषित हो गई हैं, ऐसे में छठ व्रतियों के स्नान करने एवं पानी में खड़े होने मात्र से डेंगू, मलेरिया, शरीर में खुजली जैसी गंभीर बीमारियां हो रही हैं। ऐसे में यह अति आवश्यक है कि सभी नदियों, तालाबों में कीटनाशक दवाइयां, ब्लीचिंग पाउडर डाले जाएं,फोगिंग कराये जाऐं ताकि लोग सुरक्षित

रह सके। महोदय शहर के कई इलाकों में अब कृत्रिम तालाब का भी निर्माण हो रहा है, जहां हजारों की संख्या में छठ व्रती उन कृत्रिम तालाबों में छठ पूजा करते हैं।कृत्रिम तालाबों में भी टैंकर से पानी, ब्लीचिंग पाउडर, साफ सफाई, लाइट, फोगिंग एवं छठ पूजा संपन्न होने के बाद उन कृत्रिम तालाबों को भरने की व्यवस्था होनी चाहिए। रांची नगर निगम ने पिछले त्योहारों के आयोजन में मुकम्मल इंतजाम किए हैं जिसके लिए महानगर दुर्गा पूजा समिति,काली पूजा समिति एवं छठ पूजा समिति रांची की जनता की ओर से आपका विशेष रुप से धन्यवाद करती है। आशा है लोक आस्था एवं नेम निष्ठा के छठ महापर्व में भी आपके नेतृत्व में राजधानी वासियो को पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

झारखंड की जमीन, जंगल और खनिज की हो रही है लूट : डा. अशोक ढावल

रांची। माकपा के पोलित ब्यूरो सदस्य डा. अशोक ढावले ने कहा कि झारखंड की धरती से ही हमारे राष्ट्रीय आंदोलन की शुरूआत हुई थी। 1855 में सिदो - कान्हो के नेतृत्व में आयोजित संताल हूल ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की आधारशिला रखने का काम किया। लेकिन आज झारखंड की जमीन, जंगल और खनिज की लूट हो रही है और कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। इसलिए एक और उलगुलान की तैयारी करनी होगी। ढावले शुक्रवार को बुंडू में आयोजित विशाल उलगुलान रैली और जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाराष्ट्र के किसान लांग मार्च की चर्चा करते हुए बताया कि पचास हजार किसानों ने नासिक से 200 किलोमीटर दूर मुंबई के लिए कूच किया जिससे महाराष्ट्र की भाजपा सरकार घबरा गई और उन्हें किसानों की सभी मांगों को मानना पड़ा। उसी प्रकार देशव्यापी किसान आंदोलन ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों को वापस कराने में जीत हासिल की।

'भाभी जी घर पर हैं' धारावाहिक के मास्टर जी मतदाताओं को करेंगे प्रेरित

कलाकार को जल्द ही नामित किया जाएगा झारखंड राज्य के लिए मतदाता जागरूकता आइकन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार शुक्रवार को छोटे पर्दे के चर्चित टीवी सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' के हजारीबाग निवासी कलाकार विजय सिंह ने उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। उन्हें जल्द ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के द्वारा झारखंड राज्य में निर्वाचन संबंधी जागरूकता के कार्यों के लिए स्टेट आइकन नियुक्त किया जायेगा। झारखण्ड के ही रहने वाले विजय सिंह 'भाभी जी घर पर हैं' धारावाहिक में संस्कारी मास्टर जी की भूमिका में लोगों को संस्कार सिखाते नजर आते हैं। अब जल्द ही वे झारखंड में मतदाता जागरूकता के लिए स्टेट आइकॉन के रूप में सहयोग करेंगे। इस अवसर पर

एक्टर विजय सिंह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे अपने गृह राज्य के लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने और राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए काम आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव तक वे अपने आडियो वीडियो संदेशों के माध्यम से लोगों को मतदाता पंजीकरण व मतदान के लिए जागरूक और प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन कार्यालय के अवर सचिव देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार, मुख्य निर्वाचन कार्यालय के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

झारखंड पवेलियन में सराहे जा रहे झारखंडी परिधान

सिल्क की साड़ी व सिल्क के सूट ने झारखण्ड पवेलियन में बिखेरे रंग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रगति मैदान का भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला अपने शीर्ष पर है। मेले में आने वाले लोग प्रदर्शनी देखने के साथ साथ खरीदारी का भी खूब लुफ्त उठा रहे है। झारखण्ड पवेलियन में लगे ट्राइबल परिधान लोगो को खूब पसंद आ रहे है। झारखण्ड में तसर सिल्क बहुत मात्रा में उत्पादित किया जाता है ऐसे में पवेलियन में सिल्क की साड़ियां और सूट के स्टाल पर खासी भीड़ दिखी ट्राइबल लोगो की अपनी अलग ही संस्कृति होती है, जिसकी झलक उनके कपड़ो पर देखी जाती है यहां मिलने वाली साड़ियों पर ट्राइबल आर्ट का ही प्रिंट देखा जा रहा है। ट्राइबल परिधान की बिक्री कर रहे दामु बोदरा ने बताया की उनके स्टाल पर सिल्क और कॉटन की पारम्परिक साड़ियां है, जिसकी कीमत 1000 से 3500 है, उन्होंने

बताया की हम अपने कपड़ो पर प्राकृतिक रंगो द्वारा अपने ही कारीगरों द्वारा पेंटिंग या कढ़ाई करवाते है, जिससे की पहनने वाले को उसके नेचुरल लुक का आभास होता है। साथ ही हमारी कोशिश है की हम अपनी लोक संस्कृति को अपने काम के माध्यम से लोगो तक पहुचाये, जिसमे ट्राइबल डांस, इंस्ट्रूमेंट, प्रकृति की झलक मिलती है। ट्राइबल महिलाएं शादी के पहले हरे रंग की साड़ी और शादी के बाद लाल रंग की साड़ी पहनती है, जिसकी बिक्री यहां की जा रही है। जोहार ग्राम के नाम से झारखण्ड के पारम्परिक परिधानों को बेचने वाले आशीष सत्यव्रत साहू ने बताया की उनके द्वारा भेचे जा रहे कपड़े पारम्परिक और ओर्गानिक है। ये कपड़े झारखण्ड के आदिवासी समुदाय जैसे खड़िया, मुड़ा, उरांव आदि उपयोग करते हैं। पवेलियन में झारखण्ड की पिनदना साडी जो की प्रदेश महिलाये विशेष अवसरों पर पहनती है, वीरू गमछा पुरुषों के लिए और कुखना शाल (जो की मोटा कपडा होता है) सेबने आधुनिक परिधान की बिक्री कर रहे है। इसके अलावां उनके पास जैकेट, ओवरकोट, शर्ट, टोपी, मास्क और बेतरा लुगा (जिसे महिलायें बच्चो को साथ लेने के लिए उपयोग करती है) उपलब्ध है। उनकी पैकिंग भी झारखण्ड के स्टेट ट्री सखुआ के पत्तो के साथ किया जाता है। उन्होंने बताया की उन्होंने अपनी शुरूआत मार्च 2019 में जिला उद्योग केंद्र के प्रोजेक्ट पास होने के बाद शुरू की थी जिसमें बाद उन्हें सरकार की तरफ से 15 प्रतिशत की सब्सिडी भी मुहैया कराइ गई थी। वर्तमान में वे सभी कपडे स्थानीय बुनकरों से खरीदते है जिससे उनके संस्थान के साथ लगभग 30 बुनकर परिवारों को भी रोजगार मिलता है।

> **परिधानों को बेचने वाले आशीष सत्यव्रत साहू ने बताया की उनके द्वारा भेचे जा रहे कपड़े पारम्परिक और ओर्गानिक हैं**

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तेज तर्रार कार्यकर्ताओं का चयन करें : डॉ राकेश किरण

रांची। रांची जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक शुक्रवार को रांची कांग्रेस भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची जिला कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने किया। दस दौरान मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण के प्रभारी सह प्रदेश कांग्रेस के महासचिव शिवकुमार भगत उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने छठ महापर्व की विशेष बधाई देते हुए बैठक की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए सभी मंडल एवं पंचायत और बूथ स्तर के तेज तर्रार कार्यकताओं का चयन करें। साथ ही उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता को अतिरिक्त भार नहीं दिया जाएगा लेकिन जिसे जो कार्य दिया जाएगा वो अपनी जिम्मेवारी को ईमानदारी पूर्वक निभाएं।

छठ व्रतियों के बीच सूप व छठ सामग्री वितरण किया गया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शुक्रवार को श्री राधे कुसुम हरनाथ कृपा निदान संस्था की ओर से चटकपुर चौक नवासोसो स्थित हर्ष मेडिकल हॉल के निकट आस्था का महापर्व सूर्य उपासना के लिए छठ व्रतियों के बीच सूप व छठ प्रसाद वितरण किया गया। इस सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से संस्थापक अध्यक्ष अजय उरांव उर्फ संजू प्रधान, चटकपुर पंचायत के मुखिया विक्की लोहरा, क्षत्रिय महासभा चंद्रवंशी समाज के मंटू वर्मा, छात्र क्लब ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित तुलसी दिनेश वर्मा, मनोज मुंडा, अरविंद सिंह, मनोज सिंह,तुलसी कुमार, रोहित कुमार, रौशन चौधरी, संजय कुमार, अरूण कुमार, हर्षिता मुंडा, मंटू कुमार, लव्यांस हर्ष मुंडा आदि गणमान्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ड्रीम 11 में 49 रुपये लगाकर करोड़पति बन गया गिरिडीह के गावां का कुंदन

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। कहते हैं कि जब ऊपर वाला देता है तो छप्पर फाड़ कर देता है. यह कथन गावां के युवा आशादीप ट्रैक्टर पार्ट्स के संचालक कुंदन कुमार मोदी के ऊपर सटीक बैठता है. कुंदन ने ड्रीम 11 में महज 49 रुपये लगाकर एक करोड़ रुपये जीत लिए. गुरुवार की देर रात को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए मुकाबले में दूसरा इनाम एक करोड़ रुपये कुंदन ने जीता. कुंदन ने बताया कि टैक्स काटकर खाते में 70 लाख रुपये मिले. अपनी जीत से खुश कुंदन ने बताया कि

करीब पांच सालों से ड्रीम 11 में टीम बना रहे थे. अबतक करीब 3000 टीम लगा चुके हैं. गुरुवार को भी 5 टीम लगाए थे, जिसमें एक नंबर की टीम से एक करोड़ रुपये जीते. उन्होंने बताया कि यह एक जोखिम भरा खेल है. इसमें ज्यादातर मध्यम वर्गीय व गरीब परिवार के लोग ही पैसे लगाते हैं. लोगों को ऐसे जोखिम भरा खेल खेलने से बचना चाहिए. अपनी समझदारी से नहीं खेलने पर भारी आर्थिक नुकसान व जमा पूंजी बर्बाद होने की संभावना बनी रहती है. कुंदन के एक करोड़ रुपये जीतने की खबर पाकर शुक्रवार को गावां स्थित उनके आशादीप ट्रैक्टर पार्ट्स पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा. गावां प्रखंड समेत अन्य जगहों से जान पहचान वाले फोन कर बधाई दे रहे हैं.

मधुबन के होटल शिखरजी कॉन्टिनेंटल में रसोइया की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

गिरिडीह। जैनियों के विश्व प्रद्ध तीर्थ स्थल शिखर जी मधुबन में गुरुवार की देर रात होटल शिखरजी कॉन्टिनेंटल में एक रसोइया की चाकू से गोदकर से हत्या कर दी गई . घटना के संबंध में बताया जाता है कि होटल शिखर कॉन्टिनेंटल में बीती रात किसी विवाद को लेकर होटल के दो कर्मियों में कहा सुनी हो गई. बात इतना बिगड़ गई कि एक कर्मी ने दूसरे कर्मी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी. जिसकी हत्या हुई है उसकी पहचान 35 वर्षीय राजेश कुमार के रूप में हुई है. वह महाराष्ट्र का रहने वाला था. मृतक रसोइया राजेश कुमार एक सप्ताह पहले होटल में काम करने आया था. जानकारी मिली कि बीच बचाओ करने आया एक अन्य कर्मी भी बुरी तरह से घायल हो गया है. जिसका इलाज किया जा रहा है. वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद, मधुबन थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. जबकि हत्या के आरोपी होटलकर्मी रमेश करन सोलंकी को मधुबन थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी रमेश के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया है.

धनबाद में बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम की अनुमति नहीं, ऊहापोह की स्थिति

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो के निमंत्रण पर चिटाही में बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर आचार्य धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम तय हुआ है. लेकिन कार्यक्रम को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है. एक तरफ 10 लाख लोगों के बैठने के लिए पंडाल का निर्माण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन से अनुमति की उम्मीद पर काले बादल छाए हुए हैं. इस बारे में गुरुवार को ढुल्लू महतो ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर प्रशासन से अनुमति देने की अपील की थी, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिलने से तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं हैं. बाघमारा के चिटाही में बाबा का दरबार सजना है. इसके लिए 6 द्वार बनाकर दस लाख लोगों के बैठने के लिए पंडाल का निर्माण किया जा रहा है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थानीय पुलिस ने इतनी बड़ी भीड़ को संभालने में अपनी असमर्थता जताई है. ज्ञात हो कि इससे पहले गिरिडीह के समाजसेवी विनोद सिन्हा ने भी बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम की तैयारी की थी. लेकिन वहां के प्रशासन की अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा था.

गागर में सागर

बर्मामाइंस ईस्ट प्लांट बस्ती में चली गोली, युवक घायल, आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर। बर्मामाइंस थाना अंतर्गत ईस्ट प्लांट बस्ती में अपराधियों ने युवक पर फायरिंग कर दी. इस घटना में परवेज नमक युवक घायल हो गया. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हमलावर को पकड़ लिया और घायल को इलाज के लिए टीएमएच लेकर पहुंचे, जहां परवेज की स्थिति गंभीर बताई जा रही है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोली सत्तू गौड ने चलाई है. पुलिस ने सत्तू गौड को हिरासत में भी लिया है. लोगों ने बताया कि बाइक चलाने को लेकर बस्ती में विवाद हुआ जिसके बाद सत्तू गौड ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दी. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

छठ पूजा के लिए तेनुघाट डैम का एक गेट खोला गया

बोकारो । तेनुघाट बांध प्रमंडल कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर के निर्देशनुशार तेनुघाट डैम का एक रेडियल गेट छठ पूजा को लेकर 11 बजे खोला गया. जिससे दामोदर नदी मे पानी का बहाव हो रहा है. कार्यपालक अभियंता के पत्रांक 1335 द्वारा 17.11.23 को प्रातः 11 बजे से लेकर 20.11.23 तक एक रेडियल गेट 25 सेंटीमीटर खुला रहेगा. जिससे नदी में जल का प्रवाह 921.6322 क्यूसेक हो जाएगा. वहीं नदी मे पानी की कमी होने के चलते प्रत्येक साल डैम का एक फाटक खोला जाता है. जिससे नदी में पानी बढ़ जाता है. वहीं पूजा करने वालो से आग्रह है की पूजा में सावधानी व सतर्कता बरते.

महुदा का हेमंत सीनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता का जज नियुक्त

धनबाद। महुदा क्षेत्र के पदुगोड़ा निवासी हराधन पंडित के तीरंदाज पुत्र हेमंत कुमार को शुक्रवार को भारतीय प्रजापति हिरोज ऑर्गनाइजेशन झारखंड ने सम्मान समारोह आयोजित कर मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. हेमंत कुमार को 25 नवंबर से 30 नवंबर तक उतर प्रदेश के अयोध्या में आयोजित सीनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में बतौर जज नियुक्त किया गया है. आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दक्षिणेश्वर कुंभकार ने कहा कि पहले उनके समाज के लोग सिर्फ मिट्टी के सामान ही बनाते थे, लेकिन अब समाज के लोग विकास की राह पकड़कर अन्य क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने हेमंत कुमार को राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जज नियुक्त होने पर बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को तीरंदाजी का प्रशिक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम करें.

बोकारो : टीटी रेल लाइन पर अब सरपट दौड़ेगी यात्री ट्रेन

बोकारो। झारखंड के 23वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोकारो व चास के लोगों को विशेष उपहार दिया है. प्रधानमंत्री ने दोहरीकरण की गई तुपकाडीह-तालगड़िया (टीटी) रेल लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया. इस रेलवे लाइन की शुरूआत चार दशक पहले वर्ष 1982 में हुई थी, लेकिन इस पर सिर्फ माल ढुलाई ही हुआ करती थी. दोहरीकरण हो जाने से अब इस रेलखंड पर जल्द ही यात्री ट्रेनें भी सरपट दौड़ने लगेंगी. बोकारो जिले के चास, बोकारो इस्पात नगर जैसे चर्चित उपशहर के नाम से चास स्टेशन को गिने चुने लोग ही जानते होंगे. लेकिन इस रेलखंड पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू होते ही बोकारो इस्पात नगर व चास रेलवे स्टेशन की रौनक बढ़ जाएगी.

खरना आज, खटाल व बूथों पर दूध की एडवांस बुकिंग

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना है. व्रती दिन भर उपवास रहकर शाम में छठी मईया को खीर का भोग अर्पित कर प्रसाद ग्रहण करेंगी. परिवार, संबंधियों व आसपड़ोस में में प्रसाद का वितरण होगा. खीर बनाने के लिए दूध की जरूरत होगी. इस विशेष मौके पर धनबाद में 3 लाख लीटर दूध की खपत होने का अनुमान है. पर्व के लिए विभिन्न कंपनियों ने 1.25 लाख लीटर से अधिक दूध का इंतजाम किया है. लोगों ने खटालों व दूध बूथों पर एडवांस बुकिंग करा ली है. सामान्य दिनों की तुलना में सुधा ब्रांड के दूध की दोगुना से अधिक बुकिंग हुई है. अन्य कंपनियों ने भी अतिरिक्त दूध मंगाया है. शहर में सुधा, मेधा, रेड काउ, ओसम, अमूल के पैकेटबंद दूध उपलब्ध है. धनबाद में सबसे अधिक बिक्री सुधा और अमूल दूध की होती है. सुधा के स्थानीय प्रबंधक रंग सिंह ने बताया कि सामान्य दिनों में जहां सुबह-शाम दोनों टाइम 35 हजार लीटर दूध की खपत है, वहीं छठ के लिए लगभग 80 हजार लीटर दूध का ऑर्डर मिला है.अमूल दूध की भी आम दिनों के 32 हजार लीटर के मुकाबले 70 हजार लीटर का ऑर्डर शुक्रवार शाम व शनिवार की सुबह तक के लिए किया गया है.

छतों में छठ करने वाले व्रती प्लास्टिक टबों की कर रहे खरीदारी

बीते कुछ वर्षों में छठ घाटों पर जगह की किचकिच से बचने के लिए वर्ती अपने घरों पर ही अर्घ्य देने की व्यवस्था कर रहे हैं. इस बार भी घर पर रेडिमेड टब की व्यवस्था की जा रही है. बाजार में कई आकार के प्लास्टिक टब मिल रहे हैं. व्यवसायी सुमित गिरी ने बताया कि बाजार में चार, पांच, छह और आठ फीट के टब उपलब्ध हैं. 500 से 5000 लीटर तक पानी की क्षमता वाले टब बाजार में उपलब्ध हैं. छठ वर्ती जो घर पर ही बेहतर विकल्प चाहते हैं, उनके लिए यह अच्छा साधन है. प्लास्टिक टब में यह खासियत है कि उपयोग कर उसे समेट कर सुरक्षित रखा जा सकता है. फिर, अगले साल इसे दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है.

साड़ियों-शृंगार की दुकानों में खरीदारों की भीड़

छठ पूजा के लिए नई साड़ी, धोती व श्रृंगार सामग्री जरूरी है. क्योंकि व्रती नए वस्त्र पहन कर ही पूजा करते हैं. इसे देखते हुए बाजार में इन सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ जुट रही है. चूड़ी, बिंदी सहित महिलाओं के श्रृंगार की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ देखी जा रही है. छठ पूजा में सुहागिनें लाह की लहठी पहनना शुभ मानती हैं. इस अवसर पर कांच की चूड़ियों के साथ ही लाह से बनी लहठी की मांग अधिक है. लाल, पीले, हरे, मैरून रंग की लहठियों की खूब मांग है. छठ के लिए स्पेशल लहठी बाजार में उपलब्ध है. चुनरी लहठी 120 रुपये से 300 रुपये दर्जन, प्रिंटेड लहठी 200 से 400 रुपये दर्जन, दुल्हन लहठी 500 से 3 हजार रुपए तक में उपलब्ध है. वहीं, स्टोन की लहठी 400 से 500 रुपये सेट, जबकि प्लेन लाह की चूड़ियां 160 रुपये दर्जन मिल रही हैं.

व्यवसायी संघ ने 3.15 क्विंटल कद्दू का किया वितरण

बोकारो। फुसरो व्यवसायी संघ द्वारा राम रतन हाई स्कूल ढोरी के समीप शुक्रवार की सुबह छठव्रतियों के बीच कद्दू का वितरण किया गया. संघ के आर उनेश ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठव्रतियों के बीच लगभग 3 क्विंटल 15 किलो कद्दू का वितरण किया गया. साथ ही रविवार को छठ मईया के डलिया में नारियल, फल व प्रसाद वितरण एवं सोमवार सुबह हिदुस्तान पुल छठ घाट पर आम के दातुन व दूध वितरण किया जाएगा. मौके पर व्यवसायी दिलीप गोयल, दिनेश सिंह, डॉक्टर सुरेंद्र सिंह, महेंद्र चौधरी, संतोष श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, संजू बाबा, अशोक सिंह, अमर नाथ मिश्रा, बसंत राज, अश्वनी महतो, राजेश कुमार, विकाश गिरी, राहुल आमी आदि मौजूद थे.

धनबाद डीसी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण सुरक्षा के लिए सीसीटीवी से होगी निगरानी

धनबाद। आस्था का महापर्व छठ आज यानी 17 नवम्बर से शुरू हो रहा है. छठ तालाबों की साफ सफाई को लेकर जिला प्रशासन रेस हो गई है. डीसी वरुण रंजन शहरी क्षेत्र के रानीबाँध, पम्पपु तालाब,खोखन तालाब, राजा तालाब, बेकार बांध सहित अन्य का निरक्षण किया. निरक्षण के दौरान एसएसपी संजीव कुमार, नगर आयुक्त रविराज शर्मा, एसडीएम उदय रजक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे. वहीं डीसी ने कहा कि छठ महापर्व को लेकर तालाबों की साफ-सफाई अंतिम चरण पर है. जिसे लेकर आज निरक्षण किया गया है. पानी मे ब्लीचिंग पाउडर दिया जाएगा. तालाबो में गोताखोर, मेडिकल टीम की तैनाती रहेगी. ट्रैफिक रूट में बदलाव भी किया जायेगा. एसएसपी ने कहा कि सुरक्षा को लेकर सभी तैयारी कर ली गई है. पुलिस बल वर्दी और सादे लिबास में तैनात रहेगी. साथ ही सीसीटीवी कैमरा पूजा समिति को लगाने का निर्देश भी दिया गया है.

किरीबुरु : बड़ाजामदा मार्ग पर दिखे हाथी, ग्रामीणों में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। सारंडा जंगल स्थित किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर आरजेएम खदान के समीप 17 नवम्बर की अहले सुबह हाथी देखे जाने के बाद से इस क्षेत्र के जंगलों में निवास करने वाले ग्रामीणों व यात्रियों में भय व्याप्त है. सुबह अंधेरा होने की वजह से हाथियों की वास्तविक संख्या को लोग नहीं देख पाये. आरजेएम खदान के पास मुख्य सड़क पर ही एक हाथी ने पैखाना कर ऊपर पहाड़ी की तरफ घने जंगलों में प्रवेश कर गया. इससे कुछ माह पहले ही लगभग एक माह तक दो हाथी इसी सड़क मार्ग पर ॐ शांति स्थल मंदिर क्षेत्र में आवागमन बाधित रखा था. बाद में वन विभाग की टीम ने पश्चिम बंगाल से हाथी भगाने वाली विशेषज्ञों की टीम को बुलाया था. टीम ने क्षेत्र से हाथी भगाया था. उसके बाद सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु खदान व आवासीय क्षेत्रों के अलावे किरीबुरु-बडाज़ामदा, किरीबुरु-मनोहरपुर मुख्य मार्ग व सारंडा के विभिन्न गांव क्षेत्रों के जंगल में अलग-अलग ग्रुपों में बंटे हाथियों की गतिविधियां निरंतर देखी जा रही है.

बाल सुरक्षा व अधिकार के लिए मिला प्रशिक्षण

चाईबासा। बाल सुरक्षा व अधिकार को लेकर चक्रधरपुर के प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. जहां मुख्य रुप से प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा कुमारी ने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों व प्रखंडकर्मियों को बाल संरक्षण को लेकर कई जानकारियां दी. मौके पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अक्सर कम उम्र में लड़कियों की विवाह कर दी जाती है.इसे लेकर ग्रामीणों को जागरुक करने की आवश्यकता है. इसके साथ ही बच्चों से काम कराना कानूनी अपराध है. अभिभावक अपने बच्चों को अवश्य रुप से विद्यालय भेजे.

नक्सलियों पर नकेल कसने के लिए सारंडा में हुई उच्च पदाधिकारियों की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। सीआरपीएफ-26 बटालियन का किरीबुरु स्थित डेट कैम्प में सीआरपीएफ व झारखण्ड पुलिस के आईजी व डीआईजी स्तर के उच्च पदाधिकारियों की लगभग दो घंटे तक चली बैठक खत्म होने के बाद कई डीआईजी इन्द्रजीत महथा समेत कई पदाधिकारी हेलीकॉप्टर से रांची के लिये रवाना हो गये. कोल्हान डीआईजी अजय लिंडा समेत अन्य पदाधिकारी किरीबुरु में ही रुक गये हैं. उल्लेखनीय है कि सारंडा में अचानक बढ़ी नक्सल गतिविधियां को लेकर सारे पदाधिकारी आज दोपहर लगभग सवा दो बजे वायुसेना के हेलीकॉप्टर से मेघाहातुबुरु हेलीपैड पर उतरे थे. वहां से उक्त सीआरपीएफ कैंप गये एवं लगभग दो घंटे तक नक्सल मामले व उनके खात्मे को लेकर बैठक किये. यह बैठक लगभग साढे. चार बजे तक चली. उसके बाद आधे अधिकारी वाहन से मेघाहातुबुरु हेलिपैड स्थल पहुंचे एवं लगभग 4.40 बजे झारखंड पुलिस का हेलिकॉप्टर आने पर उसमें सवार होकर राँची लौट गये. बैठक में क्या बातें हुई इस पर कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ. लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नक्सलियों के खिलाफ बडा. आपरेशन सारंडा के सभी क्षेत्रों से चलाया जायेगा. सारंडा में पुलिस व सीआरपीएफ को आपरेशन चलाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी. क्योंकि यहाँ थोलकोबाद, जुम्बईबुरु, करमपदा, किरीबुरु, सैडल, छोटानागरा, रोवाम, अंकुआ, दीघा आदि अनेक स्थानों पर सीआरपीएफ व अन्य बलों का पहले से कैम्प है. जवानों का बेहतर संबंध विभिन्न गांवों के ग्रामीणों के साथ पहले से है. नक्सलियों के कुछ पुराने समर्थकों को छोड़ प्रायः ग्रामीण नक्सलियों को सहयोग नहीं कर रहे हैं. नक्सली भी घने जंगलों को छोड़ सारंडा के विभिन्न गाँवों में नहीं आ रहे हैं तथा आम ग्रामीणों से सम्पर्क स्थापित नहीं कर रहे हैं. पुलिस नक्सलियों के हर गतिविधियां व उनके मददगारों पर पैनी नजर रखे हुए हैं.

छठ महापर्व पर चालू नहीं हो सकेगी बंद जलापूर्ति

बगोदर। पाइप लाइन के जरिए बगोदर बाजार में होनेवाली जलापूर्ति महापर्व छठ के मौके पर भी ठप रहेगी। ठप जलापूर्ति छठ के मौके पर चालू हो जाए इसकी दूर- दूर तक कोई गुंजाइश नहीं दिख रही है। वैसे फटे पाइप को बदलने का कार्य चल रहा है। जिसमें दस दिनों का और समय लगने की संभावना है। बता दें कि जीटी के एक छोर से दूसरे छोर तक पुलिया बना हुआ है। दो मोबाइल कंपनी के द्वारा केबल तार बिछाने के दौरान की गई ड्रिल के दौरान ही पुलिया के अंदर लगी जलापूर्ति का पाइप फट गया है। पाइप बदलने में देरी होने का मुख्य कारण पुलिया के अंदर मिट्टी भरा होना है। मिट्टी निकालने में ही दस दिन लगने की संभावना है। बगोदर ग्रामीण जलापूर्ति समिति के कोषाध्यक्ष के पति बबलू राणा ने बताया कि पुलिया के नीचे जमी मिट्टी को निकालने का कार्य जारी है। इसके लिए तीन मजदूर काम कर रहे हैं। बताया कि मिट्टी जितनी भरी है उसे निकालने में दस दिन से कम नहीं लगेगा।

14 असहायों को प्रति महीने मिलेंगे आर्थिक सहयोग

बगोदर। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले शख्स ने इस बार असहायों का सहारा देने के काम में आगे आया है। शख्स ने 14 असहायों को प्रति महीने दो सौ रुपये आर्थिक सहयोग करने की शुरूआत की है। जिस शख्स की बात की जा रही है वे हैं शिवनारायण महतो तथा वे बगोदर के पोखरिया पंचायत के रहनेवाले हैं। उनके द्वारा 14 असहायों को 2- 2 सौ रुपए सहयोग राशि देकर इस कार्य की शुरूआत भी की गई। उन्होंने बताया कि 14 असहायों को प्रति महीने दो- दो सौ रुपए दिए जाएंगे। इस राशि से उनका घर परिवार तो नहीं चलेगा लेकिन कुछ राहत जरूर होगी। मौके पर पंचायत समिति सदस्य गौतम कुमार, कार्तिक महतो, संजीव कुमार, उमेश कुमार आदर्श, लोकेश कुमार, धनपति महतोआदि उपस्थित थे। इधर सहयोग राशि मिलने से असहायों में उत्साह का माहौल था।

बिजली चोरी करते धराए 10 लोगों पर मुकदमा

देवरी। विद्युत ऊर्जा विभाग के कनीय अभियंता दुर्गेश नंदन सहाय के नेतृत्व में गुरुवार को देवरी के मारूडीह गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध ढंग से बिजली चोरी करते हुए धराये कुल दस लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए देवरी थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। इस सम्बंध में विभाग के जेई सहाय ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर देवरी में छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध ढंग से बिजली चोरी करते मारुडीह गांव के सरयू साव, सुखदेव साव, सत्यनारायण राय, बुधन साव, शिवनंदन पांडेय, जितेंद्र पांडेय, अर्जुन राय, कामेश्वर रजक, रामदेव रजक तथा अर्जुन राय के विरुद्ध देवरी थाना में आवेदन देकर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई।

लोगों में खुशी

गिरिडीह झंडा मैदान में सम्मान समारोह का आयोजन

269 सहायक अध्यापकों की सेवा वापस

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। तीन माह बाद जिले के 269 सहायक अध्यापकों के कार्य पर लगे रोक को हटा दिया गया है। इस बाबत जिला शिक्षा अधीक्षक विनय कुमार ने गुरुवार को कार्यालय आदेश जारी कर दिया है। जिसमें लगाई गई रोक को सशर्त वापस लेते हुए प्रभावित सहायक अध्यापकों को आदेश निर्गत होने की तिथि से तीन दिनों के अंदर विद्यालय में कार्य करने को कहा गया है। आदेश में कहा कि सभी प्रभावित सहायक अध्यापकों को कार्य पर नहीं रहने की अवधि का मानदेय देय नहीं होगा। इसका आकलन सक्षम प्राधिकार से किया जाएगा। कहा कि जिला कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णय के आलोक एवं विद्यालय व छात्र हित को ध्यान में रखकर निर्णय लिया गया है। बता दें कि जिन सहायक अध्यापकों के कार्य पर रोक लगी थी। उन अध्यापकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र उत्तर प्रदेश के विभिन्न यूनिवर्सिटियों से जारी थे और उसे अवैध करार दिया गया था। जिसके बाद 1 अगस्त 2023 से कार्य पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद सहायक अध्यापकों द्वारा सेवा वापसी के लिए संघर्ष शुरू किया गया था। झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के राजेंद्र प्रसाद ने 269 शिक्षकों के सेवा वापसी के निर्णय का स्वागत किया है। कहा कि जिले के लगभग 269 शिक्षकों को सेवा से हटा दिया गया था। जिससे उनके परिवार के समक्ष आर्थिक कठिनाई उत्पन्न हो गई थी। राज्य परियोजना निदेशक के निर्देश पर 27 अक्टूबर 2023 को उपायुक्त की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा अभियान के जिला कार्यकारिणी की बैठक में अधिकतर सदस्यों ने सेवा से हटाए गए शिक्षकों को पुनः सेवा में रखने की मांग की थी। जिस पर उपायुक्त ने गंभीरतापूर्वक विचार विमर्श किया और सेवा से हटाए गये शिक्षकों को तत्काल बहाल कर दिया। सहायक अध्यापकों ने सेवा वापसी की खुशी में गुरूवार को झंडा मैदान में सम्मान समारोह आयोजित कर गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू को सम्मानित किया। विधायक सुदिव्य को सहायक अध्यापकों ने बूके दिया व माला पहनाकर सम्मानित किया।

छठ व्रतियों ने लगायी आस्था की डुबकी, कद्दू-भात प्रसाद ग्रहण किया

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। चार दिनों तक चलने वाला आस्था का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुक्रवार से शुरू हो गया है . इस महापर्व के मौके पर व्रतियां सुबह नदियों और तालाबों में आस्था की डुबकी लगायी और माथे पर पीला सिंदूर लगाकर भगवान सूर्य की आराधना की. इसके बाद घर लौटकर छठ पूजा का प्रसाद कद्दू भात बनाने की तैयारियों में जुट गयी. मिट्टी के चूल्हे पर शुद्ध घी और सेंधा नमक से चना दाल, कद्दू की सब्जी, साग और अरवा चावल का भात बनाया गया. इसके बाद व्रतियां इस प्रसाद को सूर्य देव को चढ़ाकर पूरे परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण किया. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि

और उसकी दीघार्यु के लिए की जाती है. इस महापर्व में भगवान सूर्य के साथ छठी माई की पूजा-उपासना विधि-विधान के साथ की जाती है. यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है. इस पर्व में आस्था रखने वाले लोग सालभर इसका इंतजार करते हैं.

नहाय-खाय के साथ सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ

'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए'

नवीन मेल संवाददाता

बरही । नहाए खाए के साथ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार से प्रारंभ हो गया. इसे लेकर अहले सुबह से हीं घरों की लिपाई प्रारंभ हो गया. व्रतियों ने छठ घाट पहुंचकर स्नान ध्यान किया गया. पूरी शुद्धता के साथ सेंधा नमक से कद्दू के दाल, सब्जी और अरवा चावल के भात बनाकर भगवान भाष्कर को अर्पित कर प्रसाद ग्रहण किया. उसके बाद ही घर के अन्य सदस्य सहित श्रद्धालुओं ने नहाए का प्रसाद ग्रहण किया. पूरे दिन छठ व्रतियों के घर लोगो का आना जाना लगा रहा. इस दौरान शनिवार को दिन भर के उपवास के बाद व्रतियां संध्या में खरना का प्रसाद ग्रहण करेगी. वहीं रविवार को अस्ताचलगामी और सोमवार की सुबह उदयीमान भगवान भास्कर को अर्घ्य समर्पित कर पिछले 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण कर व्रत का समापन करेगी. महापर्व को लेकर बरही सहित प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों की सफाई और सजावटो का दौर चरम पर है. नदी घाट सहित श्रद्धालुओं के पथ पर विद्युत सज्जा सहित वाद्य यंत्रों को लगाया जा रहा है. बाजार में सूप, नारियल, फल सहित छठ सामग्रियों के दुकान सज चुके है. पूरा इलाका छठमय हो चुका है. सचमुच इस महापर्व के बारे में पूछना पारंपरिक छठ गीत 'आंधर होइए रे बटोहियां, बहनगी छठी माई के जाए' वाली पंक्ति को चरितार्थ करता है. शायद ही कोई व्यक्ति हो जो इस पावन त्यौहार से अनजान मिले. बिहार, झारखंड, यूपी, एमपी, दिल्ली, बंगाल सहित अमेरिका, नेपाल आदि क्षेत्रों में मनाया जाने वाला इस त्योहार की लोकप्रियता अद्वितीय है. जो सर्वविदित और लोकप्रचारित है. श्रद्धालुओं का कहना है कि यह एक मात्र त्योहार है जहां भगवान को साक्षात उदय और अस्त होते देखा जाता है.

कद्दू-भात अनुष्ठान के साथ छठ शुरू, खरना आज

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिला के विभिन्न क्षेत्रों में चार दिवसीय छठ महापर्व का शुक्रवार को साथ नहाय खाय के साथ शुभारंभ हुआ। इस मौके पर छठ व्रतियों ने अपने निकट के नदियों व सरोवरों में स्नान कर छठी मईया और भगवान सूर्यदेव की विधि पूर्वक पूजा अर्चना किया। इसके उपरांत व्रतियों ने अरवा चावल, लौकी की सब्जी और चने की दाल का सेवन किया। छठ महापर्व के दूसरे दिन 18 नवंबर को व्रती नदियों और सरोवरों में स्नान कर छठी मईया और सूर्यदेव की पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद गुड, चावल और दूध से बनी खीर का भोग छठी मईया और को लगाने के उपरांत इसे ग्रहण करेंगे। इस खीर को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर बनाया जाएगा। इसे ग्रहण करने के पश्चात व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो जाएगा। महापर्व के तीसरे दिन 19 नवंबर को व्रती शाम को नदियों और सरोवरों में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। जबकि , 20 नवंबर को प्रातः उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती पूजा अर्चना कर प्रसाद का सेवन कर पारण करेंगे। इधर, छठ महापर्व को लेकर जिलावासियों में उत्साह दिख रहा है। लोग छठ महापर्व के लिए अपने परिवार के सदस्यों के साथ पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए बाजार जा रहे हैं । जिससे बाजारों में चहल पहल बढ़ गयी है।

बीडीओ ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

हजारीबाग। दारू प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सुशील कुमार ने दारू पंचायत के सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया. इस दौरान सुशील कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिये. कहा कि जितने भी जलाशय में छठ व्रति अर्घ्य देने पहुंचते हैं, उनके लिए सुरक्षा व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए. बीडीओ ने अधिक गहरे वाले जलाशयों में बांस से घेराबंदी करने का निर्देश दिया. उन्होंने छठ व्रतियों को किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, यह सुनिश्चित करने को कहा. मौके पर बीपीओ श्वेता वर्मा और अपने-अपने पंचायत के मुखिया मौजूद रहे.

रामगढ़ : डीसी ने किया छठ घाटों का अवलोकन

रामगढ़। छठ पर्व के शांतिपूर्ण व सफल आयोजन के मद्देनजर शुक्रवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर उपायुक्त ने छठ घाटों में साफ सफाई का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं के आने जाने के मार्ग, घाट पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने संबंधित घाटों के छठ पूजा समिति के सदस्यों से उनके द्वारा की जा रही तैयारी की जानकारी ली। उपायुक्त ने सभी से पर्व के दौरान सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने एवं वॉलिंटियर्स के माध्यम से सफलतापूर्वक पर्व संपन्न कराने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने पर्व के दौरान सभी से किसी भी प्रकार की कोई अफवाह सामने आने पर त्वरित इसकी जानकारी जिला प्रशासन अथवा नजदीकी थाना को देने की अपील की। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घाट तक आने को लेकर उपायुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैफिक प्रबंधन करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। उपायुक्त ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में गोताखोरों, नौका आदि की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने नदियों तथा अन्य जलाशयों में बैलून आदि के माध्यम से सुरक्षा जोन की बेरीकेटिंग करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को उपायुक्त ने पूरे पर्व के दौरान उनके उनके क्षेत्र में हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया । अधिकारियों को उनके उनके क्षेत्र के छठ पूजा समिति के सदस्यों व वॉलिंटियर्स के साथ संपर्क में रहकर नियमित रूप से जानकारियां आदान-प्रदान करने का निर्देश दिया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ आदि उपस्थित थे।

गागर में सागर

बरकट्ठा : चार दिवसीय छठ पर्व के लिए ग्रामीणों ने की साफ-सफाई

बरकट्ठा। प्रखंड के चार दिवसीय छठ महापर्व बंडासिंगा स्थित छठ घाट को लेकर सार्वजनिक छठ पूजा कमेटी और ग्रामीणों के सहयोग से साफ सफाई अभियान चलाया गया। मौके पर कमेटी अध्यक्ष अजीत कुमार बर्नवाल, सचिव नागेश्वर प्रसाद, कोषाध्यक्ष जागेश्वर नायक आदि शामिल थे। इस दौरान छठ पूजा कमेटी और ग्रामीणों ने मिलकर सड़क और छठ घाट को साफ सफाई की। मौके पर अध्यक्ष अजीत कुमार वर्णवाल ने कहा कि छठ पूजा को लेकर छठ व्रतियों के लिए बांस का पुल, पूजा स्थल का साफ सफाई, साउंड और लाइट की सुविधा है। पहली बार छठ महापर्व धूमधाम से मनाई जा रही है। मौके पर धनंजय मोदी, रोहित तिवारी, राजेश पासवान, अंशु साव, धर्मेंद्र मोदी, दामोदर नायक, लक्ष्मण नायक, मनोज नायक, सुरेंद्र नायक, संजय भुइयां, पिंटू नायक, राजेश कसेरा समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

बरही : 23 नवंबर को प्रखंड में लगेगा शिविर, दिव्यांगजन को मिलेगा उपस्कर

बरही । आगामी 23 नवंबर को प्रखंड परिसर में दिव्यांग जनों के बीच निशुल्क यूपीएस कर वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है. उक्त जानकारी अनुमंडलीय अस्पताल के बीपीएम नारायण राम ने दी. जानकारी देते हुए बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार सीएस के आदेश पर यह शिविर का आयोजन किया जा रहा है. जिसमे दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया जाएगा. इसके लिए संबंधित विभाग की विशेषज्ञ चिकित्सक भी उपलब्ध रहेंगे. उपस्कर वितरण भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को भुनेश्वर के द्वारा एडीआईपी योजना के तहत किया जायेगा. इस शिविर में प्रखंड के सभी दिव्यांगजनो से उपस्थित होकर लाभ लेने की अपील किया है.

रामगढ़ : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की बैठक आयोजित

रामगढ़। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति रामगढ़ इकाई की 17 नवंबर को गोला प्रखंड अंतर्गत सुतरी पंचायत के सूतरी बाजार टांड़ में पंचायत कमेटी विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हीरालाल महतो एवं संचालन रामधन करमाली ने किया। बैठक में संगठन के जिला के पदाधिकारी व प्रखंड कोर कमेटी के सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में सुतरी पंचायत के ग्रामीण एवं सभी समुदायों के लोग उपस्थिति थे। सभी ने अपने स्तर से गांव, टोला, मुहल्ला, कस्बा, में जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के विचारों को जन जन तक पहुंचाने की बात कही। कहा की झारखंड का विकास टाइगर जयराम महतो के हाथों ही संभव है। इसलिए हमारी यह जिम्मेवारी है की संगठन को मजबूत बनाएं। ताकि आनेवाले चुनाव में जेबीकेएसएस की जीत मिले और टाइगर जयराम महतो राज्य का नेतृत्व करें। बैठक में सुतरी पंचायत के लिए के लिए गठित कमेटी में पंचायत अध्यक्ष लोकेश महतो, उपाध्यक्ष लक्ष्मण तुरी, सचिव शिवनारायण महतो, उप सचिव संतोष मुर्मू, कोषध्यक्ष शिबू करमाली, मीडियस प्रभारी निखिल रजक, सदस्य हीरालाल महतो, अनिल ठाकुर, भानु महतो, आकाश कुमार महतो, पंकज महतो, लक्षमण महतो को सर्वसमित से चुना गया। सभी ने अपना दायित्व बखूबी निभाने की बात कही। मौके पर पवन महतो, सहदेव महतो, आनन्द केटी आर, जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, राजेश महतो,पाणेश्वर महतो, देवानंद महतो आदि उपस्थित थे ।

बरही में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, प्रशासन मौन

ट्रक ने फिर ली युवक की जान ग्रामीणों ने एनएच किया जाम

नवीन मेल संवाददाता

बरही । शुक्रवार की संध्या करीब सवा तीन बजे गया रोड एक्सिस बैंक के सामने ट्रक की चपेट में आने से एक 15 वर्षीय युवक की मौत हो गई. युवक की पहचान बरही मल्लाह टोली निवासी शंभू मालाकार के पुत्र अमिताभ मालाकार के रूप में हुई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना का मुख्य कारण बरही का ध्वस्त ट्रैफिक व्यवस्था रहा. युवक अपनी रेंजर साइकिल जा रहा था. इसी क्रम बोलेरो ने धक्का मारा जिससे वह सड़क पर गिर गया, जिसे पीछे से आ रही ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया. जिससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई. जिसके बाद आक्रोशित स्थानीय लोगो ने सड़क जाम करते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन को दोषी ठहराया. जमकर्ताओ का कहना था कि बरही चौक पर हर दिन जाम लगना नियति बन गई है. बावजूद इसके पुलिस प्रशासन की नजर इस ओर नही जाती है. ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सिर्फ कागजों पर आदेश पारित होते है. वास्तविकता कुछ और होती है. इसके साथ ही लोगो ने यह भी आरोप लगाया कि बरही में जितने भी बैंक व व्यवसाय है, उसके लिए पार्किंग की कोई व्यवस्था नही है. सड़को पर है वाहन खड़े किए जाते है. जिसके कारण आए दिन जाम और दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है. घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, विस सांसद प्रतिनिधि अर्जुन साव,, सांसद प्रतिनिधि गणेश यादव, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राजसिंह चौहान, मुखिया शमशेर आलम, मुखिया सिकंदर राणा, पूर्व मुखिया छोटन ठाकुर, नंदकिशोर कुमार, शिवा निषाद, पंकज केसरी आदि सहित दर्जनों सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता पहुंचकर पीड़ित परिवार को समझाने का प्रयास किया. जाम के कारण चारों रोड में वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. मौके पर पुलिस पहुंचकर जाम हटाने के प्रयास कर रही थी. घंटो मशक्कत के बाद जाम हटाया गया. समाचार लिखे जाने तक पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कारवाई कर रही थी.

गोरहर पुल के पास दो ट्रकों में टक्कर, दोनों चालकों की मौत

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के गोरहर में गोरहर पुल के समीप बीते रात बरही की ओर से आ रहे ट्रक संख्या एनएल-02 क्यू-9066 और बगोदर की ओर से आ रहे ट्रक संख्या जेएच-05 डीके 8875 में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. हादसे में दोनों ट्रक के चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं दुर्घटना होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया. गोरहर पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से शव को गाड़ी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया. ग्रामीणों ने बतलाया कि बुधवार की रात भी एक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें 16 चक्का ट्रक बीच सड़क पर पलट गया था. जिसके बाद पुरानी जीटी रोड को चालू किया गया था. जिससे अज्ञात ट्रक ने बिजली के पोल में टक्कर मार दी. जिससे कई पोल टूट जाने से ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं. वहीं मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल ने कहा कि राज केसरी कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही के कारण आए दिन गोरहर में सड़क दुर्घटनाएं होती रहती है.

कुलसचिव ने सृष्टि सौंदर्य पेंटिंग का किया अनावरण

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस के प्रमुख दीवार पर विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों ने शानदार पेंटिग बनाई. विभाग की प्राध्यापिका एकता कुमारी के निर्देशन और विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद के मार्गदर्शन में बनाए गए सृष्टि सौंदर्य की मनमोहक चित्र का अनावरण किया गया. अनावरण विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ व अन्य ने संयुक्त रुप से किया . मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने इस अद्भुत चित्रकारी देख, इसे चित्रित करने वाले विद्यार्थियों नेहा कुमारी, निशि शर्मा, शैलेश सुमन, मंजू कुमारी, किरण कुमारी, पल्लवी राणा, पूनम मुर्मू, आनंद कुमार, पल्लवी कुमारी, ऋषिता कुमारी, सचिन गुप्ता, सिंह अर्पित, मुस्कान कुमारी, सक्षम चौहान की तारीफ की.

सांसद और विधायक ने किया तीन योजनाओं का शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। कोडरमा लोक सभा सांसद सह केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं विधायक अमित कुमार यादव ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में तीन योजनाओं का शिलान्यास किया गया। जिसमें बरवां से तुइयो भाया मासीपिड़ी सड़क निर्माण कार्य, किमानिया से पचफेड़ी चौक भाया बसरिया तक सड़क निर्माण कार्य और जीटी रोड ठल्ह 2 से गंगटीयाही तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सांसद महोदया व विधायक अमित कुमार यादव को गाजे बाजे के साथ स्वागत किया। तत्पश्चात योजनाओ का विधिवत शिलान्यास किया गया। मौके पर जिप सदस्य कुमकुम देवी प्रमुख रेणु देवी उपप्रमुख सुरजी देवी,पंसस सरीता देवी, सांसद प्रतिनिधि केदार साव, सुशील पांडेय, सुनील मेहता, रघुवीर प्रसाद,मंडल अध्यक्ष भोला प्रसाद, टुकलाल नायक, टिंकु प्रसाद, अनिल आजाद, छोटेलाल मेहता आदि उपस्थित थे।

डीडीसी ने की योजनाओं की समीक्षा बैठक

'लंबित आवेदनों को जल्द निष्पादित करें'

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला आपूर्ति कार्यालय अंतर्गत संचालित योजना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने उपस्थित सभी को जिला आपूर्ति कार्यालय अंतर्गत संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिसपर उप विकास आयुक्त ने नये राशन कार्ड हेतु प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर जांच करते हुए उन्हें निष्पादित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के स्तर पर लंबित आवेदनों की सूची सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को उपलब्ध कराते हुए उन्हें जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया। आधार सीडिंग एवं मोबाइल सीडिंग के समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को आधार एवं मोबाइल सीडिंग संबंधित डाटा कलेक्ट करते हुए उसे पोर्टल पर एंट्री करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को इस माह का राशन जल्द से जल्द लोगों के बीच वितरित करने का निर्देश दिया। वहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री दाल-भात योजना के तहत संचालित केन्द्रों का नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया।

उज्जवल भविष्य

बरकट्ठा में साईं काम्प्लेक्स में जन-जन कंप्यूटर साक्षरता अभियान का प्रथम सत्र शुरू

आधुनिक युग में कंप्यूटर का ज्ञान जरूरी : किशोर कुमार

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के बरकट्ठा बाजार रोड स्थित साई कॉम्प्लेक्स में जन जन कम्प्यूटर साक्षरता अभियान का प्रथम सत्र का शुभारंभ प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार और बैंक ऑफ इंडिया बरकट्ठा के शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार की उपस्थिति में किया गया। विदित हो प्रथम सत्र के लिए 135 बच्चों ने प्रवेश परीक्षा में सफलता पाई थी। अपने संबोधन में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार ने कहा कि शिक्षा के इस दौर में कम्प्यूटर का ज्ञान होना अति आवश्यक है। एक ओर कम्प्यूटर ज्ञान से जहां लोग चांद पर पहुंच रहे हैं। वहीं इसका मिस यूज कर लोग साइबर अपराध भी बन रहे हैं। इसलिए कम्प्यूटर ज्ञान प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्जवल बनायें। वहीं शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार ने कहा कि इस दौर में महत्वपूर्ण जॉब के लिए कम्प्यूटर का ज्ञान होना जरूरी है। और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को कम्प्यूटर का शिक्षा देना महत्वपूर्ण कार्य है। वहीं संचालक दिलीप कुमार नायक ने कहा कि अपने क्षेत्र के कई ऐसे बच्चे हैं। जिन्हें कम्प्यूटर का ज्ञान नहीं होता और मेरा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक बच्चों को कम खर्च में कम्प्यूटर का शिक्षा मिले। मौके पर संस्था संचालक दिलीप कुमार नायक, विनोद कुमार यादव, मिडिया प्रभारी ईश्वर यादव, प्रिंसिपल रानी कुमारी, अजय कुमार मोदी, रुपलाल यादव, स्नेहा वर्णवाल, निशा कुमारी अनिल चंद्रवंशी, ममता देवी, रंजना देवी, रिया कुमारी समेत आदि उपस्थित थे।

कोडरमा से मक्का मदीना के लिए हुए रवाना

कोडरमा। जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत गड़गी निवासी इंडियन मार्बल इंटरप्राइजेज के प्रॉपराइटर इसराइल अंसारी, अंजुम अंसारी और सालेहा खातून ग्राम गड़गी से मुबारक सफर ए उमरा के लिए रवाना हुए. इस मौके पर लोगों ने फूल माला पहनाकर व जायरीन से गले मिलकर विदाई दी. अपने हक में दुआ की गुजारिश की. घर से निकलने के साथ ही इसराइल अंसारी, अंजुम अंसारी व सलेहा खातून पैदल ही मुहल्ले के लोगों से मुलाकात की. लोगों से गले मिले और एक-दूसरे से माफी मांगी, गिला शिकवा दूर कर यात्रा की सफलता की कामना की. परिजनों व गांव वासियों ने फूल माला पहनकर विदा किया. उमरा की यात्रा 15 दिनों तक की जाती है, जिसमें जायरीन 8 दिन मक्का में बाकी 7 दिन मदीना में गुजारना होता है. साल में एक बार हज किया जाता है लेकिन उमरा साल में कभी भी और कई बार किया जा सकता है. विदाई के मौके पर यूथ मोमिन कांफ्रेस जिला अध्यक्ष नौसाद अंसारी, मो सज्जाद, इस्तियाक अहमद, रफीक अंसारी, क्यूम अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, जिया अंसारी, सलमान, नुसरत, तमन्ना, हसनैन रजा, साहिल, बंटी समेत दर्जनों लोग थे.

हाथी के हमले में घायल वृद्ध की मौत

बोलबा। बोलबा प्रखण्ड के समसेरा बरटोली गाँव मे जंगली हाथियों के हमले से घायल वृद्ध की हुई मौत । घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पिछले 10 नवम्बर की रात जंगली हाथियों की झुण्ड ने समसेरा बरटोली गाँव आ पहुंचा और रोधा नायक के घर को उजाड़ दिया ।इसी क्रम में वृद्ध रोधा नायक सो रहा । हाथियो द्वारा घर उजाड़ने दीवाल रोधा नायक के ऊपर गिरी जिससे उसके सिर एवं अन्य हिस्से चोटें आई । तत्काल ग्रामीणों की मदद से बोलबा अस्पताल इलाज के लिए लाया गया । अस्पताल से उसका परिजन घर ले गया । घर मे 17 नवम्बर को रोधा नायक की मौत हो गई।

'हमारा संकल्प विकसित भारत' कार्यक्रम के लिए कुरडेग बीडीओ ने की बैठक

कुरडेग। प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बीडीओ समीर रेनियर खलखो की अध्यक्षता में ₹हमारा संकल्प विकसित भारत₹ कार्यक्रम एवं आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में प्रखंड के सभी विभागों के पदाधिकारी ,पंचायतों के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।बीडीओ ने कहा कि 20 नवम्बर को खिंडा एवं हेठमा पंचायत में हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम आयोजित होगी।जिसमें केन्द्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड में 24 नवम्बर से होगी। उन्होंने कार्यक्रम का प्रचार प्रसार जोर शोर से करने तथा कार्यक्रम के दिन सभी विभाग के पदाधिकारी,कर्मियों को समय पर पहूंचकर सफल क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया।

गागर में सागर

कोडरमा : मारवाड़ी युवा मंच ने छठ पूजन सामग्री का किया वितरण

कोडरमा। मारवाड़ी युवा मंच और माहेश्वरी महिला संगठन ने छठ व्रतियों और उनके परिजनों के बीच छठ पूजन सामग्री, नारियल बीजोरा फल आदि का वितरण किया. माहेश्वरी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 101 छठ व्रतियों व उनके परिजनों को सामग्री दी गई. इस अवसर पर छठ व्रतियों ने मारवाड़ी युवा मंच के इस प्रयास की भूरी भूरी प्रसंसा की और कहा कि महंगाई के इस दौर में इस तरह के आयोजन से हमें कुछ राहत मिलेगी. मौके पर मौजूद बीडीओ सुमन गुप्ता ने सभी उपस्थित लोगों को लोक आस्था के महापर्व छठ की शुभकामनाएं दी. वहीं नगर प्रशासक हर्षवर्धन ने कहा कि मयुम का इस तरह का शिविर प्रेरणा का स्त्रोत है. जहां कि एक स्थल पर छठ व्रतियों को सामग्री उपलब्ध हो रही है. सिटी मैनेजर डॉ. अरविंद मोदी ने भी सभी को शुभकामनाएं दी. मंच के अध्यक्ष राज पचीसिया ने कहा कि लोक आस्था का पर्व छठ हमें कई धार्मिक मान्यताओं से अवगत कराता है. इस महापर्व में अपनी संस्था के साथ छोटा सा सहयोग देकर हम सभी भी छठ मैया का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं. मंच संचालन संजय ठोलिया ने किया. इस अवसर पर संयोजक अरविंद चौधरी, सह सचिव शिवेश पचीसिया, महावीर खेतान, सुशील छाबड़ा, शिवरत्न संघई, सुजीत लोहानी, सुभम चौधरी, हर्षित सोमानी, चेतन शर्मा, आयुष चौधरी के आलावा महेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष अनीता सोमानी, सचिव रश्मि पचीसिया, पारो पचीसिया, कविता खटोर, राज खटोर आदि उपस्थित थे.

26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का निर्णयः भीम आर्मी

कोडरमा। साहू धर्मशाला झुमरी तिलैया में भीम आर्मी कोडरमा की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता भीम आर्मी जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र दास ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से 26 नवंबर को अम्बेडकर चौक झुमरी तिलैया में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान बचाओ सकल्प दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया. जिलाध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार कर राष्ट्रपति को सौपा था. दुनिया का सबसे बड़ा संविधान देश को देकर पूरे देशवासियों को मूल निवासियों को अधिकार दिए. हमें अपना अधिकार बचा कर रखना है. वहीं भीम आर्मी चंदवारा प्रखंड अध्यक्ष रामदेव यादव ने कहा कि 26 नवंबर को पूरे देश में संविधान दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है. बाबा साहेब अम्बेडकर एवं बहुजन महापुरूषों को याद कर उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की जरुरत है. कार्यक्रम में उपस्थित झुमरी तिलैया नगर कमिटी, अध्यक्ष मुकेश कुमार, डोमचांच प्रखंड अध्यक्ष पवन कुमार ,नावाडीह पंचायत अध्यक्ष राजू दास ,कुलदीप रविदास, पंकज कुमार दास, राजू कुमार दास,चंदन कुमार दास,बिनोद आदि लोग उपस्थित हुए.

कोडरमा : दहेज हत्या के आरोपी सास ननद को भेजा गया जेल

कोडरमा। पुलिस ने दहेज हत्या के आरोप में सास फुलवा देवी व ननद संगीता देवी को शुक्रवार को जेल भेज दिया. बता दें कि गुरुवार को गोहाल निवासी 21 वर्षीय मधु कुमारी, पति- संतोष दास का शव उसके ससुराल में पाया गया था. इस संबंध में मृतका के मायके वालों ने सास, ससुर ननद सहित कई लोगों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया था. पुलिस ने मौके पर से सास और ननद को हिरासत में ले लिया था. उन्हें शुक्रवार को जेल भेज दिया गया.

महापर्व छठ शुरू, खरना पूजा आज

विकास साहू

सिमडेगा। लोक आस्था का महान पर्व छठ पूजा नहाय- खाय के साथ शुक्रवार को प्रारंभ हो गया। व्रतियों ने सुबह ही स्नान-ध्यान कर पूरी शुद्धता के साथ कद्दु-भात व चना दाल का प्रसाद बनाया। जिसके बाद पूजा अर्चना के साथ प्रसाद ग्रहण किया। वहीं भक्तों ने भी व्रतियों के घरों में जाकर प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को व्रती खरना पूजा अनुष्ठान करेंगी। जिसके बाद से निर्जला उपवास प्रारंभ हो जाएगा। इधर जिले भर में छठ पूजा को लेकर माहौल पूरी तरह से भक्ति में हो उठा है जगह-जगह पर घरों में छठ के गीत से पूरा शहर गूंज रहा है। शनिवार को खरना प्रसाद का आयोजन होगा। मौके पर छठ व्रति खीर का प्रसाद बनाएगी। खीर का प्रसाद बनाने के लिए दूध की आवश्यकता होती है। खरना प्रसाद को दूध की मांग बढ़ गई है। दूध की खपत को पूरी करने के लिए दूध के दुकानदार रांची, गुमला आदि के डेयरी से दूध मंगा रहे है। ताकि सभी की मांग पूरी की जा सके। इधर प्रसाद के लिए गाय के दूध की भी मांग बढ़ी है। जिसके कारण खटाल और निजी पशुपालक भी अपने रोज के उपभोक्ताओं को दी जाने वाली दूध में कटौती कर पूजा करने वालो को दूध उपलब्ध कराएगें। छठ पर्व में ठेंकुए का प्रसाद का विशेष महत्व है। गेंहू पीसने के लिए सिमडेगा के श्यामपथ गली में रंजीत आटा चक्की के द्वारा तैयारी की गई है। इनके द्वारा आटा चक्की को पूरी तरह से धोकर शुद्ध किया गया है। ताकि पर्व की पवित्रता बनी रहे। गेंहू पीसा लिए आटा चक्की में लोगो की भीड़ उमड़ती है। जिसके कारण लंबी कतार भी लगती है।

41 वर्षों से शंख नदी में हो रही है छठ पूजा आयोजित

सिमडेगा। शंख नदी छठ घाट में 41 वर्षों से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण किया जा रहा है। 40 वर्ष पहले वर्ष 1983 में शहर के कुछ उत्साही युवको के द्वारा शंख नदी छठ घाट में छठ पूजा आयोजन करने योजना बनाई थी। एक जरनेटर, कुछ ट्यूबलाइट और पेट्रोमेक्स के सहारे छठ पूजा की शुरूआत किया गया था, जो आज छठ मइया की कृपा से धीरे-धीरे विशाल बरगद का रुप ले चुका है। आज पूरा शहर शंख नदी छठ घाट में भगवान भास्कर और छठी मैया की पूजा के लिए उमड़ता है। घाट की भव्यता देखते ही बनती है। शुरूआती दौर के आयोजन में विष्णु वैध, फणी भूषण साहा, प्रदीप केशरी, चंदन लाल, स्वर्गीय पवन अग्रवाल, स्वर्गीय बसंत साह, ललन प्रसाद, अरुण सिंह, गोपाल कसेरा, स्व संतोष अकेला, सुबीर कुमार, दुर्गा प्रसाद, समीर साह, स्व विजय प्रसाद गरजा आदि का योगदान रहा था।

वाहन पार्किंग के लिए निर्धारित स्थल में ही करें वाहन को करें पार्क

शंख नदी छठ घाट में वाहन पार्किंग के लिए समिति की ओर से जगह निर्धारित किए गए हैं। छोटी गाड़ियां, मोटरसाइकिल और बड़ी वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सभी वाहन मालिकों से अपील की जाती है कि निर्धारित स्थल में ही समिति के सदस्यों के द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार अपने वाहनों को पार्क करें। शंख नदी छठ घाट में बड़ी एवं छोटी गाड़ी के लिए अलग अलग सड़क का निर्धारण किया गया है। समिति के प्रदीप केसरी ने बताया कि बड़ी गाड़ी कच्ची रास्ते से होकर घाट तक पहुचेगी एवं छोटी गाडी और बाईक गरजा चौक से दाहिनी ओर पक्की सड़क से घाट तक पहुच सकते है। इधर छठ तालाब में भी लोग डीएसपी रोड और नगर परिषद कार्यालय के बगल वाली सडक से घाट तक पहुंच सकते है।

नहाय-खाय पर प्रिंस चौक पूजा पंडाल में कद्दू भात प्रसाद का वितरण

सिमडेगा। छठ महापर्व के मौके पर प्रिंस चौक स्थित दुर्गा पूजा पंडाल परिसर में शुक्रवार को नवज्योति नवयुवक संघ छठ पूजा समिति द्वारा कद्दू भात प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने कद्दू भात का प्रसाद ग्रहण किया। जानकारी देते हुए समिति के रामकिशन केशरी ने बताया कि 18 को खीर भोग का वितरण किया जाएगा। वहीं 19 नवंबर को संध्या में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्यदान किया जाएगा।20 को प्रातः में उदयीमान सूर्य को अर्ध्य दान के बाद ठेकुआ प्रसाद वितरण की जाएगी। वहीं 20 नवंबर को ही इस बार भव्य तरीके से भगवान सूर्य की प्रतिमा का विसर्जन यात्रा निकालकर शहर में भ्रमण करने के पश्चात केलाघाघ स्थित जलातशय में विसर्जन किया जाएगा कार्यक्रम को सफल बनाने में विष्णुदयाल शर्मा, राजकुमार ठाकुर, राजू केशरी एवं अनुप केशरी, पुरोहीत श्याम गोपाल मिश्र, राजु केशरी, कृष्ना, आनंद, अनूप, रतन, अमित केशरी आदि सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

किसानों को सिखाए गए जैविक खेती के गुर

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के पैतानो लीड्स संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि प्रशिक्षण का समापन शुक्रवार को किया गया। इस दौरान महिला-पुरुष किसानों को कृषि से संबंधित जानकारियां दी गई। प्रशिक्षक के रूप में जलडेगा एग्रो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनू सिंह ने किसानों को बीजोपचार, नर्सरी की तैयारी, समेकित कृषि प्रणाली, समेकित कीट एवं रोग आदि की विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा मशरूम की खेती, फूलगोभी, पतागोभी, टमाटर, बैंगन मिर्च, की वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने पर भी प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में नीम, करंज से कीटनाशी बनाने का तरीका एवं छिड़काव विधि द्वारा फसलों को कीट मुक्त बनाने का उपाय भी बताया गया।

विक्षिप्त महिला का पेड़ में झूलता शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

बानो। बानो सर्किल के महाबुवांग थाना क्षेत्र के ग्राम तीन सोंगड़ा में विक्षिप्त महिला ने पेड़ पर झूलता हुआ शव पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और महिला के शव को पेड़ से नीचे उतार कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया।घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार तीन सोंगड़ा गाँव की 27 वर्षीय महिला सुकवारो ने घर से कुछ दूरी पर जंगल मे एक पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार सुकवारो पहान पिछले बुधवार से घर से गायब थी ।शुक्रवार को ग्रामीणों ने पेड़ पर लटकते देखा तब इसकी जानकारी सोय मुखिया सोमारी कैथवार को दिया ।मुखिया ने तत्काल महाबुवांग थाना प्रभारी हेमकिशोर गुप्ता को इसकी जानकारी दिया ।सूचना मिलने पर थाना प्रभारी हेमकिशोर गुप्ता तीन सोंगड़ा जा कर शव को कब्जे लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये सिमडेगा भेज दिया।

विधायक भूषण बाड़ा ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने पाकरटाड़ प्रखंड के नानेसेरा मिशन चौक से चेनाबारी भाया टिंबाटोली तक बनने वाले मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का शिलान्यास किया। मौके पर विधायक ने शिलापट्ट का अनावरण किया। विधायक ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास सड़कों पर ही टिका रहता है। गांव तक सड़क बन जाने के बाद उस गांव में विकास की किरणें तेजी से पहुंचती है। उस गांव के लोगों का विकास होता है। क्षेत्र में खुशहाली आती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण कराया जा रहा है। सड़क बन जाने के बाद गांव में सरकार की अन्य सभी योजनाओं को उतारा जाएगा। विधायक ने कहा कि सड़क बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में जिले में भी सड़कों का जाल बिछ रहा है। गली मुहल्ले को विधायक मद का प्रयोग करते हुए पीसीसी पथ से जोड़ा जा रहा है। मुख्य सड़कों का कालीकरण किया जा रहा है। आने वाले दिनों में विकास की गति तेज होगी। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा, जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की,20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल, प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख रजत लकड़ा,फादर रोशन टोप्पो,जिला उपाध्यक्ष अजीत लकड़ा, जिला उपाध्यक्ष शिशिर मिंज, नगर विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान, मुखिया ज्योति प्रकाश कुल्लू, मो मोयोदिन अहमद,नगर अध्यक्ष अरशद हुसैन (अक्षण), मंडल अध्यक्ष निमरोध एक्का आदि कार्यकर्त्ता शामिल थे।

आस्था

डीसी की अध्यक्षता में रामरेखा मेला के सफल आयोजन पर चर्चा

श्रीरामरेखा धाम में 25 नवंबर से शुरू कार्तिक मेला

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा के पवित्र तीर्थ स्थल रामरेखा धाम में कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर लगने वाले विशाल धार्मिक मेला को लेकर उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को रामरेखा धाम मेला के आयोजन हेतु रामरेखा धाम समिति के साथ बैठक का आयोजन किया गया किया। बताया गया इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा 27 नवम्बर 2023 को है। रामरेखा धाम में दिनांक 25 नवम्बर से 28 तक मेला का आयोजन होगा। बैठक में रामरेखा मेला में विधि-व्यवस्था संधारण एवं अन्य व्यवस्था संधारण हेतु विस्तृत समीक्षा की गई। पेयजल आपूर्ति, यातायात, चिकित्सा व्यवस्था, विद्युतीकरण, वाहन पार्किंग, शराब बंदी, साफ-सफाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सहित मेले में विधि-व्यवस्था संधारण एवं अन्य व्यवस्था हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया।रामरेखा धाम समिति के सदस्यों द्वारा पानी की अतिरिक्त व्यवस्था हेतु जगह-जगह पर छः टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निवेदन किया गया, जिसपर उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद्, सिमडेगा को टैंकर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु निर्देश दिया।उपायुक्त ने बैठक में सिविल सर्जन को निर्देश देते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर के इर्द-गिर्द आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयों के साथ दो डॉक्टर सहित चिकित्सा दल एवं कम्पाउण्डर तक प्रतिनियुक्त किया जाए तथा मेला अवधि में 108 एम्बुलेंस की व्यवस्था करने एवं रामरेखा धाम समिति के एम्बुलेंस को भी सम्पूर्ण चिकित्सा सुविधा के साथ परिसर में तैनात करने का निर्देश दिया। वही वाहन की पार्किंग/स्टैण्ड व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु रामरेखा धाम विकास समिति एवं जिला परिवहन पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया। साथ ही रामरेखा मेला के आयोजन को देखते हुए रामरेखा धाम के ईर्द-गिर्द एवं गांव में अवैध रूप से शराब की चुलाई एवं बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु उत्पाद अधीक्षक, सिमडेगा को गहन छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

भारत संकल्प यात्रा की तैयारी के लिए हुई समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक एनएसएफडीसी रजनीश कुमार जेनाव कोडरमा जिला में होने वाली विकास भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की. यह यात्रा देश भर में विकास और प्रगति को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से विकास भारत संकल्प यात्रा शुरू की जा रही है. समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि जिले में मोबाइल वैन के संचालन के लिए रूट चार्ट तैयार किया जाए. ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को चिह्नित करें और मौके पर ही पंजीकरण के साथ उनको लाभान्वित किया जाए. बैठक में उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता अनिल तिर्की, एसडीओ संदीप कुमार मीना, डीटीओ विजय कुमार, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, उप निर्वाचन अधिकारी जयपाल सोय, श्रम अधीक्षक अनिल, जिला कृषि पदाधिकारी ब्रह्मदेव साह, जिला सहकारिता पदाधिकारी लोकनाथ महतो, जिला पशुपालन पदाधिकारी राम सरीक प्रसाद, जिला कल्याण पदाधिकारी नीली सरोज कुजुर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाइक समेत अन्य मौजूद रहे.

गागर में सागर

20 सूत्री अध्यक्ष ने की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लेने की अपील

खरौंधी। 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने प्रखंड में आयोजित होने वाले सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में

प्रखंडवासी को भाग लेकर सफल बनाने की अपील की है। साथ ही 20 सूत्री अध्यक्ष ने बताया प्रखंड में 24 नवंबर से सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम आयोजित होने वाले हैं, जिसमें ग्रामीण पंचायत के विकास से संबंधित आवेदन दे सकते हैं। कार्यक्रम में हर विभाग के अलग-अलग स्टॉल लगाकर लोगों से आवेदन लिया जायेगा। प्रत्येक स्टॉल पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। ग्रामीणों से प्राप्त आवेदन का कार्यक्रम में ही रजिस्ट्रेशन कर दिया जायेगा। आवेदन के निष्पादन के लिए पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश भी दिया गया है। साथ ही बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने योग्य लाभुकों को अबुवा आवास देने की घोषणा की है, जिसका रजिस्ट्रेशन उक्त कार्यक्रम में किया जायेगा। कार्यक्रम में प्राप्त आवेदन से ही अबूवा आवास के लिए लाभुकों का डाटा तैयार किया जायेगा। इसके पश्चात ही योग्य लाभुकों को अबुवा आवास का लाभ मिल सकता है। इस लिए प्रखंडवासी पहले से ही इसकी तैयारी करके रखे ताकि सत प्रतिशत योग्य लाभुकों को इसका लाभ मिल सके।

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव माली मंत्री मिथिलेश से मिले

गढ़वा। कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी के सचिव विकास कुमार माली ने गुरुवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर उनसे मुलाकात की। माली ने मंत्री को 101 कन्याओं के सामूहिक विवाह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था कराने का आग्रह किया। माली ने कहा कि मंत्री ने आश्वासन दिया है कि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। साथ ही कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भी रहेंगे। मौके पर डॉक्टर यासीन अंसारी मौलाना हुमर नूरानी, आसिफ खान विभूति पांडे रमजान हाशमी आदि उपस्थित थे।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

केतार। केतार थाना क्षेत्र के आमवाडीह गांव निवासी चमन साह का पुत्र अर्जुन साह (25) शुक्रवार को बघमनवा जंगल में महुआ के पेड़ में रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने इसकी सूचना केतार थाना को दी। घटना की जानकारी के पश्चात एसआई उस्मान सेख घटनास्थल पर पहुंचकर शव को फांसी के फंदे से नीचे उतारा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया है। मृतक का एक पुत्र और एक पुत्री है। इस घटना से गांव में छठ की खुशी मातम में बदल गयी है। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस उक्त मामले की जांच कर रही है।

चिनिया थाना क्षेत्र के विलैती खैर गांव में हाथियों ने जमकर मचाया उत्पात

चिनिया। थाना क्षेत्र में 15 दिनों बाद फिर से हाथियों का आगमन शुरू हो गया है। गुरुवार रात करीब 2:00 बजे दर्जनों की संख्या में हाथियों ने विलैती खैर गांव में पहुंचकर कई किसानों के खेतों में लगी धान की फसल व काट कर रखे गए खलिहान में धान के बोझे को सफाचट कर तहस-नस कर दिया। पीड़ित किसानों में मुरटंगी टोला निवासी राम परीखा भूइहर के खलिहान में रखे हुए लगभग 10 बोझा धान को हाथियों ने सफाचट कर दिया, जबकि लगभग 50 बोझा धान को हाथियों ने तहस-नस कर दिया है। हाथियों ने एक शौचालय व घर के बाहर रखा हुआ एक खटिया को भी तोड़ दिया। वहीं संजय शाह, नंदू सिंह, भगवानी कुंवर के खेतों में पककर तैयार धान की फसल को हाथियों ने सफाचट कर दिया। पीड़ित किसानों ने बताया कि छठ पर्व बाद से फसल को काटने की तैयारी में थे लेकिन हाथियों ने फसलों को सफाचट कर दिया। हम लोग विभाग से यह मांग करते हैं कि बर्बाद हुई फसलों का मुआयना कर हम लोगों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। पूछे जाने पर चिनिया प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने बताया कि वन विभाग की टीम उक्त स्थलों पर पहुंचकर मुआयना कर चुकी है। सभी पीड़ित किसानों को सरकारी प्रावधान के हिसाब से मुआवजा जरूर दिया जाएगा।

पुलिस ने खुरी बॉर्डर पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई

चिनिया। पुलिस ने छत्तीसगढ़ से सटे झारखंड के खुरी बॉर्डर पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया है। पुलिस अधीक्षक गढ़वा के निर्देश पर खुरी गांव में चिनिया पुलिस के द्वारा बैरीकेडिंग लगाकर सभी तरह के वाहनों की जांच की जा रही है। उपायुक्त शेखर जमूवार के निर्देश के बाद दंडाधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। वहीं शुक्रवार को पूछे जाने पर दंडाधिकारी अनुज कुमार रवि ने बताया कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड के चिनिया थाना क्षेत्र के खुरी गांव में बॉर्डर पर पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस दौरान आने सभी वाहनों की जांच गहू पूर्वक की जा रही है।

खरना आज, कल दिया जाएगा अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य, छठ घाटों को अंतिम रूप देने में जुटे लोग

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व शुरू

नवीन मेल संवाददाता। केतार/श्रीबंशीधर नगर /भवनाथपुर/मेराल/ गढ़वा

नहाय-खाय के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू हो गया। शनिवार को खरना होगा। रविवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। इसके बाद सोमवार को उदीयमान सूर्य को छठ व्रती अर्घ्य देंगे। इसके साथ ही छठ महापर्व संपन्न हो जायेगा। छठ महापर्व के पहले दिन छठ व्रतियों ने पंडा, ढाढ़रा और सोन नदी में स्नान कर पूजा अर्चना की। इसके पश्चात अपने-अपने घरों में पवित्रता के साथ पीतल के बर्तन में कद्दू, भात और चना की दाल को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। छठ महापर्व को लेकर केतार प्रखंड क्षेत्र में खास उत्साह देखा जा रहा है। मुकुंदपुर गांव के सुप्रसिद्ध नारायण वन छठ घाट, अमराहीदह छठ घाट, बत्तों कला छठ घाट, केतार छठ घाट, बांसडीह के बुढ़ी खाड़ छठ घाट और मेरौनी छठ घाट सहित विभिन्न गांवों के पंडा और सोन नदी किनारे छठ घाट बनाया गया है। स्थानीय कमेटी द्वारा साफ सफाई और विधि -व्यवस्था की गयी है। इधर, प्रखंड के मुकुंदपुर के सुप्रसिद्ध नारायण वन छठ घाट पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सूर्य नारायण वन मंदिर और मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है। छठ घाट और मेला परिसर पर निगरानी रखने के लिए 25 सीसीटीवी कैमरे लगाये जा हैं, जबकि ड्रोन कैमरा से भी निगरानी रखी जायेगी। मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार की शाम तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जायेगी। यहां पर छठ व्रतियों को किसी भी तरह की कठिनाइयां नहीं होंगी। उल्लेखनीय है कि नारायण वन छठ घाट पर झारखंड के अलावा सीमावर्ती राज्य बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और बंगाल से हजारों छठ व्रती छठ पर्व करने आते हैं। ऐसे में छठ व्रतियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो मंदिर कमेटी ख्याल रख रही है।

सिपाहियों ने की साफ-सफाई : केतार थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो के नेतृत्व में थाना के सिपाहियों ने नारायण वन छठ घाट पर मंदिर परिसर और पार्किंग स्थल की साफ सफाई की। थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने कहा कि नारायण वन की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। यहां पर छठ व्रतियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। छठ घाट पर जगह-जगह पर वाच टावर लगाकर पुलिस छठ घाट और मेला परिसर पर नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि छठ घाट व मेला परिसर में तैनात परुष व महिला पुलिस और अधिकारियों का मोबाइल नंबर पर जगह-जगह पर चिपकाया जायेगा। किसी भी तरह की सूचना देने के लिए लोग इस पर कॉल कर सकते हैं।

छठ पर्व को लेकर सक्रिय नहीं हैं बीडीओ : केतार प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास पूर्वक लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मनाया जा रहा है, लेकिन अब तक बीडीओ छठ पर्व को लेकर सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। प्रखंड के मुकुंदपुर के सुप्रसिद्ध नारायण वन, अमराहीदह, बूढ़ी खाड़, मेरौनी सोन नदी, खैरवा सोन नदी, पाचाडुमर सोन नदी, बत्तों कला सूर्य मंदिर छठ घाट, परती कुशवानी सोन नदी छठ घाट, बलीगढ़ ढाढ़रा नदी छठ घाट, केतार पंडा नदी छठ घाट सहित अन्य गांवों के पंडा और सोन नदी तट पर बड़ी संख्या में छठ व्रती छठ पूजा करते हैं, लेकिन अभी तक प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम ने एक भी छठ घाटों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का जायजा नहीं लिया है। अभी भी कई छठ घाटों पर तैयारी अधूरी है और न ही मजिस्ट्रेट की नियुक्ति हुई है।

थाना प्रभारी ने घाटों का निरीक्षण किया : मेराल। थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने शुक्रवार को विभिन्न छठ घाटों को निरीक्षण किया। इस दौरान सरस्वतीया नदी शिव मंदिर छठ घाट, स्टेशन रोड शिव मंदिर तालाब छठ घाट, नेनुआ मोड छठ घाट, मुड़ल टोला युरिया नदी छठ घाट के अलावे अन्य कई छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना राम आदि मौजूद रहे।

पिछले वर्ष की तुलना में 20 से 40 प्रतिशत बढ़े पूजा सामग्रियों के दाम

गढ़वा। नहाय-खाय के साथ ही शुक्रवार से सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू हो गया है। महापर्व के के पहले दिन व्रतियों ने अरवा चावल, चना का दाल और कद्दू की सब्जी खाने की रसम पूरी की। बता दें कि पूरी दुनिया में छठ व्रती उगते हुए सूरज के साथ डूबते हुए सूर्य की भी पूजा करते हैं। वहीं नगर परिषद ने वार्ड 21 स्थित जागृति संघ टंडवा, वार्ड 18 व 19 स्थित जय देवी संघ व दबगर मोहल्ला टंडवा तथा वार्ड नंबर आठ स्थित भास्कर क्लब नगवां छठ घाट की सफाई कराई। छठ पूजा को लेकर शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर अस्थाई दुकानें लगाई गई हैं। इस क्रम में शहर के मझिआंव मोड़ स्थित सरस्वतीया नदी पुल के पास छठ पूजा को लेकर सड़क के किनारे अस्थाई दुकानें लगाई गई हैं। दुकानदारों ने बताया कि कि पिछले वर्ष की तुलना इस वर्ष पूजन सामग्री के दामों में 20 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बांस से निर्मित सूप 140 रुपये से लेकर 180 रुपये प्रति पीस की बिक्री की जा रही है।

आज खरना के साथ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ होगा

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। छठ व्रतधारी सुरेखा गुप्ता एवं शालिनी गुप्ता ने कहा कि जो भी निष्ठा भाव से विधिपूर्वक पर्व करता है, वह संतान सुख से कभी अछूता नहीं रहता। छठी मईया में इतना सत्य है कि मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। माना जाता है कि छठ पर्व पर संतान की सुख समृद्धि और दीघार्यु की कामना के लिए सूर्य देव और षष्ठी माता की स्तुति की जाती है। वहीं श्री बंशीधर मंदिर सूर्य घाट पर छठ पूजा को लेकर तैयारी अंतिम चरण पर है। समाजसेवी के साथ-साथ कमेटी के पदाधिकारी जोर शोर से कार्य कर रहे हैं। यह पर्व झारखंड और बिहार के लोगों के लिए खास माना जाता है। शनिवार को खरना के साथ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ होगा।

छठ की पूजा सामग्री : छठ पूजा में विशेष सामग्रियों का इस्तेमाल होता है, जिनमें टोकरी, लोटा, फल, मिठाई, नरियल, गन्ना और हरी सब्जियां प्रमुख हैं। दूध-जल के लिए एक ग्लास, शकरकंदी और सुथनी, पान, सुपारी और हल्दी, अदरक का हरा पौधा, बड़ा मीठा नींबू, शरीफा, केला और नाशपाती का इस्तेमाल होता है। साथ ही कई लोग पानी वाला नारियल, मिठाई, गुड़, गेहूं, चावल और आटे से बना ठेकुआ, चावल, सिंदूर, दीपक और शहद भी प्रसाद के तौर पर देते हैं।

मंत्री आवास पर छठ का आयोजन प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे श्रद्धालु

गढ़वा। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री के परिजन छठ महापर्व कर रहे हैं। शुक्रवार को मंत्री के आवास पर नहाय-खाय का प्रसाद ग्रहण करने जिले के सभी आला अधिकारियों सहित काफी संख्या में प्रबुद्ध जन पहुंचे। मंत्री ने सभी का स्वागत करते हुए प्रसाद ग्रहण कराया। महापर्व के लिए आवास परिसर में कृत्रिम तालाब का निर्माण किया गया है। मंत्री ने कहा कि गढ़वा जिला सहित संपूर्ण झारखंड राज्य आस्था के समुद्र में डुबकी लगा रहा है। मंत्री ने भगवान भास्कर, छठी मईया से गढ़वा जिला सहित पूरे राज्य वासियों एवं समस्त देशवासियों के खुशहाली की कामना की। मौके पर बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, अनिता दत्त, संतोष केशरी, कंचन साहु, दिलीप गुप्ता, मुन्ना झा, आशीष अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, गुरू दत्त सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

टीम ने की 20 दुकानों के ट्रेड लाइसेंस की जांच

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

प्रशासक नगर पंचायत के निर्देशानुसार जांच टीम ने थाना चौक के आसपास की कुल 20 दुकानों के ट्रेड लाइसेंस की जांच की। जांच क्रम में सारिणी सिलाई मशीन, खुशी शू हाउस, रोशन किराना स्टोर, अंशु सिंगर कॉस्मेटिक, नवीन मोबाइल एंड म्यूजिक, सागर बूट हाउस, रांची ऑटो पाट्र्स, साजन गिफ्ट कॉर्नर इत्यादि का ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया गया। संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिकों को 2 दिन के भीतर ट्रेड लाइसेंस बनाने का निर्देश दिया गया। विदित हो कि नगर पंचायत द्वारा मेकिंग के जरिए ट्रेड लाइसेंस बनाने की अपील की गई है। प्रशासक नगर पंचायत लातेहार प्राप्त निर्देश के आलोक में छठ महापर्व के बाद जिन प्रतिष्ठानों ने ट्रेड लाइसेंस नहीं लिया है वैसे प्रतिष्ठानों को सील कर दिया जाएगा। जांच टीम में नगर प्रबंधक राज कुमार बर्मा, कनिया अभियंता संदीप बेदिया एस एस पीएल के टीम लीडर आदित्य सिंह टैक्स कलेक्टर बिरसा उरांव मौजूद थे।

खरना आज, छठ व्रती 36 घंटे निर्जला उपवास कर भगवान भास्कर को देंगे अर्घ्य

चार दिवसीय लोक आस्था का छठ महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ/बरवाडीह/महुआडांड़/ चंदवा/बारियातु/लातेहार

नहाय-खाय के साथ शुक्रवार को लोक आस्था का महापर्व शुरू हो गया। छठ के पहले दिन व्रतियों ने स्नान कर नियमानुसार कद्दू भात का सेवन किया। शनिवार को खरना पर खीर भोजन के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। रविवार को पहला अर्ध्य एवं सोमवार को द्वितीय अर्ध्य भगवान भास्कर को दिया जाएगा। बालूमाथ में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंद भारती स्वयंसेवी संस्था द्वारा मुख्य छठ तालाब में सफाई के साथ-साथ छठ व्रतियों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। अध्यक्ष रवि सिंह ने बताया कि संस्था की ओर से इस बार भी छठ घाट में सभी तरह की व्यवस्था की गई है। वहीं झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष औरंगजेब खान ने क्षेत्रीय विधायक बैधनाथ राम एवं जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के दिशा निर्देश पर विभिन्न छठ घाटों की सफाई के साथ-साथ उचित व्यवस्था की है। वहीं झरिवा टोला छठ घाट की पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने सफाई कराई है। बड़का बालूमाथ स्थित छठ तालाब में स्थानीय समिति द्वारा सभी व्यवस्था की जा रही है। वहीं शेरेगड़ा स्थित छठ घाट में भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर विशेष पूजा और विसर्जन की व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो ने बताया कि पूजा में किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए सड़क से लेकर छठ घाट तक पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। अगर कोई शांति व्यवस्था भंग करने का कोशिश करेगा तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं विधि व्यवस्था को लेकर हिंद भारतीय स्वयं सेवी संस्था के अध्यक्ष के अलावे रवि रजक, संजू ओझा, लाल देव गंझु, पिंटू साव, अखिलेश भोक्ता, प्रमोद कुमार, रंजय सिंह, सोनू सिंह, कैलाश यादव, विशेष कुमार, उपेंद्र रंगीला, संदीप प्रजापति, शैलेश सिंह आदि भी सक्रिय हैं।

घटना | महागठबंधन के नेताओं ने घटनास्थल का लिया जायजा, पीड़ित परिवारों को मदद का दिया भरोसा

झाबर के डेम्बू में जंगली हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

वन क्षेत अंतर्गत झाबर पंचायत के डेम्बू वन क्षेत्र में गुरुवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। किसान बैजनाथ यादव, गणू यादव, अभय यादव, प्रकाश यादव, ननकु यादव, शिवनारायण यादव के धान की फसल को नुकसान हुआ है।

वहीं नरेश यादव के गन्ना की फसल, विनोद यादव के सिंचाई के लिए रखे हुए पंप को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीड़ित ने वन विभाग से हुई क्षति का मुआवजा मांगा है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव ने घटनास्थल का जायजा लिया एवं पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग करने का अश्वासन दिया। मौके पर यादव ने वन विभाग अधिकारी को फोन के माध्यम से तत्काल पीड़ित परिवार को हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने का आग्रह किया। यादव ने कहा कि इस क्षेत्र में हाथियों के आतंक से वन क्षेत्र से सटे ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है। वर्षों से किसान जंगली हाथियों के आतंक से ग्रसित हैं और भय के माहौल में जीने को भी विवश हैं। विभाग से जंगली हाथियों को दूर घने जंगल में खदेड़ने का आग्रह किया। मौके पर जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्य उरांव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष बरियातु राजेंद्र गंझू, राजद प्रखंड अध्यक्ष हेरहंज विश्वनाथ उरांव, प्रखंड महासचिव जितेंद्र यादव, राजद नेता जीतेश यादव, डेंबु वन विभाग के अध्यक्ष सह राजद नेता सरयू यादव, वन विभाग के सचिव विनोद यादव, अरविंद यादव, गणु यादव, अभय यादव, प्रकाश यादव, रूपेश यादव, सीताराम यादव, युगल किशोर यादव, गणेश यादव, हरिनंदन यादव, जितेंद्र यादव विनोद राम, भोला यादव, आशीष यादव, दिलीप यादव आदि उपस्थित थे।

2 बाइक की टक्कर में जीजा साली सहित 5 लोग घायल

एनएच 75 स्थित गढ़वा-मुड़ीसेमर मार्ग पर मेराल थाना क्षेत्र के गोंदा गांव के समीप हुआ हादसा, सभी का सदर अस्पताल में चल रहा उपचार

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

एनएच 75 स्थित गढ़वा-मुड़ीसेमर मार्ग पर मेराल थाना क्षेत्र के गोंदा गांव के समीप शुक्रवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में एक वर्षीय बालिका समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक मोटरसाइकिल पर सवार मेराल थाना क्षेत्र के गोंदा गांव निवासी रंजन कुमार प्रजापति, उसकी पत्नी आरती देवी व एक वर्षीय पुत्री आराध्या कुमारी तथा दूसरे मोटरसाइकिल पर सवार धुरकी थाना क्षेत्र के पुतुर गांव निवासी नागेंद्र प्रजापति एवं उसकी साली मेराल थाना क्षेत्र के रजहरा गांव की रेणु कुमारी पिता अवधेश बैठा शामिल हैं। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार रंजन कुमार प्रजापति अपनी पत्नी व पुत्री के साथ मोटरसाइकिल से मेदिनीनगर जाने के लिए घर से निकला था, जबकि दूसरे मोटरसाइकिल सवार नागेंद्र कुमार बैठा अपने ससुराल रजहरा गांव से साली को लेकर पुतुर गांव जा रहा था। इस दौरान गोंदा गांव में ही अनियंत्रित होकर दोनों मोटरसाइकिलों में टक्कर हो गई। इस घटना में दोनों मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोग घायल हो गए। बीडीसी कृष्णदेव बैठा ने सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेजवाया।

हमें अपनी जिंदगी मुश्किल इसलिए लगती है, क्योंकि हम आसानी से मिली हुई चीजों की कदर नहीं करते।

– अज्ञात

मोदी की घोषणा के मायने..

स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विलुप्तप्राय आदिम जनजाति समाज के लिए 24 हजार करोड़ रूपये की पीएम जनमन योजना शुरू की है। पहली बार इस समाज के लिए किसी केन्द्र की सरकार ने सुध ली है। यह जाति असुर,बिरहोर,बिरजिया, माल पहाड़िया,कोरवा सबर,हिल खड़िया और परहिया हैं। विलुप्त हो रही यह जनजाति आज भी आदि मानव का जीवन जीने को मजबूर है। इन जनजातियों की संख्या हाल के दिनों में काफी कम हुई है। जहां कभी एक परिवार के 25 सदस्य हुआ करते थे,अब सिर्फ पांच बचे हैं। स्थिति यह है कि आदिवासियों के नाम पार बने झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में निवास करने वाली इस जनजातियों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। यही कारण है कि इसे बचाने के लिए पीएम ने पहल शुरू की है। विकास की मुख्यधारा से कटे इस समाज की स्थिति में अगर इस योजना से थोड़ा भी बदलावा आता है तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। पीएम ने अपने संबोधन में सबको बराबरी का हक और मौका मिलने की बात कही है। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति भी है। आदिवासियों को विकसित होने के लिए और जीने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है तो यह पूरे समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यह समाज आज भी घास के बने झोपड़े में रहने को विवश है। पलामू के बेतला गांव में परहिया जनजाति के गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। जबकि देश का एक महत्वपूर्ण बेतला नेशनल पार्क मौजूद है। यहां देश विदेश के पर्यटक हर समय आते जाते हैं। साथ ही राजनेताओं की बैठक में राज्य को सजाने संवारने की कवायदें रची जाती हैं। ठीक बगल के गांव में आदिम जनजाति का यह गांव और यहां के लोग कई प्रकार की समस्याओं से दो चार हो रहे हैं। ऐसे में उम्मीदों के आकाश में कुछ अनुत्तरित सवाल खड़े हो जाते हैं। सवालों के घने जंगल में उत्तर की अपेक्षा आखिर सरकार से ही की जा सकती है। विलुप्त होने के कगार पर इस जनजाति को बचाकर ही हम अपनी संस्कृति को बचा सकते हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री की यह योजना निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगी। ऐसा विश्वास किया जा सकता है। साथ ही राज्य की हेमंत सरकार को भी गंभरता से इस विषय को लेनी चाहिए। तभी झारखंड के सपनों को साकार किया जा सकता है। बहरहाल अब उम्मीद की जानी चाहिए कि इस समाज को उसका हक मिलेगा। इसके लिए सरकार ही नहीं समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भी आने की जरूरत है। यह तभी संभव है जब संवेदनाओं के तार में झंकार होगी। झारखंड के विकास यात्रा के गवाह बनने के लिए सभी दलों को एकजुट होकर विकास के विषय में आगे आने की जरूरत है। विरोध के लिए विरोध की राजनीति बंद होनी चाहिए। तभी हम बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को साकार कर पायेगें। बस अब जरूरत है कि पीएम मोदी की इस योजना का सही ढंग से जमीन पर लागू किया जाये। हमारी विकास यात्रा के आंगन में आदिवासी समाज के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है। ऐसे में इनके जीवन में खुशियों के दीप जलाकर ही विकास की पटकथा लिखी जा सकती है। समस्याओं और समाधान की दिशा में हल्की ही सही थोड़ी बूंदा-बांदी भी सुकून देने वाली होती है। आइये नया झारखंड बनाने की दिशा में सभी दलों को दलदल से निकल कर इस बगिया में सुन्दर फूल खिलायें। जिसका माली प्रत्येक फूलों की निगरानी कर सके। भेदभाव की राजनीति बंद हो।

पीएम ने अपने संबोधन में सबको बराबरी का हक और मौका मिलने की बात कही है। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति भी है। आदिवासियों को विकसित होने के लिए और जीने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है तो यह पूरे समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यह समाज आज भी घास के बने झोपड़े में रहने को विवश है।

क्या पुरुष भी घरेलू हिंसा के शिकार हैं?

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस माता-पिता के अलगाव, पत्नी की उपेक्षा, दुर्व्यवहार, बेघर होना, रोजगार, आत्महत्या और हिंसा सहित पुरुषों द्वारा सामना किये जाने वाले कई मुद्दों के लिए एक वैश्विक जागरूकता दिवस है, जो हर साल 19 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लड़कों और पुरुषों के जीवन, उनकी उपलब्धियों और परिवार एवं समाज निर्माण में विशेष रूप से राष्ट्र, संघ, समाज, समुदाय, परिवार, विवाह और बच्चों की देखभाल में उनके योगदान के लिए जश्न मनाने का एक अनूठा अवसर है। यह दिवस महज एक उत्सव भर नहीं है, बल्कि ऐसा आयोजन है, जो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मोर्चों पर पुरुषों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनके संघर्षों को आम समाज तक पहुंचाना आवश्यक है। इस दिन का उद्देश्य पुरुषों के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसके आलोक में, 'शून्य पुरुष आत्महत्या' 2023 की थीम है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। इस दिवस की शुरूआत 1999 में त्रिनिदाद एवं टोबागो से हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। आज 80 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जा रहा है। एक अन्य जानकारी के अनुसार पहली बार 7 फरवरी 1992 को थॉमस ओस्टर द्वारा पुरुष दिवस मनाने की बात भी कही जाती है, लेकिन यह पुरुष दिवस केवल माल्टा में मनाया गया था दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीड़ित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों पर अधिक उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की भी बात की जा रही है। आज तेजी से बदलती दुनिया में हर वर्ग के लिए परिभाषाएं भी बन एवं बदल रही हैं। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्जा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। यह दिन पुरुषों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य व उनसे जुड़ी भ्रांतियों पर भी चर्चा करने का दिन है। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। अब तक पुरुष की तमाम विशेषताओं को नजरअंदाज करते हुए उसे शोषक, नारी उत्पीडक, क्रूर एवं अत्याचारी ही घोषित किया जाता रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निर्माता है। बचपन में जब कोई बच्चा चलना सीखता है तो सबसे पहले अपने पिता रूपी पुरुष की उंगली थामता है। नन्हा-सा बच्चा उसकी उँगली थामे और उसकी बाँहों में रहकर बहुत सुकून पाता है। बोलने के साथ ही बच्चे जिद करना शुरू कर देते हैं और पिता उनकी सभी जिदों को पूरा करते हैं। बचपन में चॉकलेट, खिलौने दिलाने से लेकर युवा वर्ग तक बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक संतान की सभी माँगों को वो पूरा करते रहते हैं यानी पुरुष की भूमिका किसी भी रूप में महिलाओं से कम नहीं है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता बेटा की चोट देख कर कठोर इसलिये बना रहता है ताकि वह जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है। कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं। आज का पुरुष सिर्फ खुद को नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ता है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें व उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। यह परिवर्तन आज सभी इंडस्ट्री जैसे मीडिया, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, उद्योग, व्यापार आदि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं शीर्ष पदों पर काम कर रही हैं। सिर्फ यही नहीं पुरुषों को अब महिलाओं के नेतृत्व में कार्य करने में भी झिझक नहीं महसूस होती। दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी घरेलू हिंसा की समस्या से जूझ रहा हैं। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं।

पुरुष एक ऐसा शब्द है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। पुरुष की तमाम विशेषताओं को नजरअंदाज करते हुए उसे शोषक, नारी उत्पीडक, क्रूर ही घोषित किया जाता रहा है।

इन दिनों

बोधि वृक्ष

आइये सुने ऋषि वशिष्ठ की कहानी

राजा कौशिक ने महर्षि वशिष्ठ से पूछा कि एक ऋषि होते हुए आपने इतनी बड़ी सेना के भोजन का इंतजाम कैसे कर दिया। तब महर्षि ने कहा कि उनके पास नंदिनी नाम की एक गाय है, जो स्वर्ग में रहने वाली कामधेनू गाय की पुत्री है। नंदिनी गाय में ऐसी शक्ति है कि लाखों लोगों का एक साथ भरण पोषण किया जा सकता है। इंद्र देव ने नंदिनी गाय महर्षि वशिष्ठ को भेंट की थी। नंदिनी गाय की महिमा सुनकर राजा कौशिक के मन में लोभ की भावना पैदा हो गई। उन्होंने महर्षि वशिष्ठ से नंदिनी गाय उन्हें देने की बात कही। इसके बदले में वे उन्हें मुंहमांगी कीमत देने के लिए भी तैयार हो गये। महर्षि वशिष्ठ ने नम्रता से राजा के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि वह नंदिनी गाय किसी को भी नहीं दे सकते। तब राजा कौशिक ने अपने सैनिकों को आदेश दिया कि उन्हें हर हाल में नंदिनी गाय चाहिए। सैनिकों ने महर्षि पर आक्रमण कर दिया। इसके बाद नंदिनी गाय ने सभी सैनिकों को परास्त कर दिया और राजा कौशिक को बंदी बनाकर महर्षि वशिष्ठ के सामने पेश कर दिया। महर्षि वशिष्ठ ने राजा कौशिक के एक बेटे को छोड़कर सभी पुत्रों की मौत होने का श्राप दे दिया। राजा कौशिक जब अपने महल पहुंचे तो देखा कि उनके एक पुत्र को छोड़कर सभी पुत्रों की मौत हो चुकी थी। इससे आहत होकर वे राजपाट अपने पुत्र को सौंपकर जंगल में चले गये। उन्होंने कई सालों तक शिव की तपस्या की। शिवजी राजा की तपस्या से प्रसन्न हुए और उन्हें वरदान मांगने के लिए कहा। राजा ने शिव से कई सारे दिव्य अस्त्र मांगे। शिव ने उन्हें दिव्यास्त्र दे दिये। इसके बाद राजा कौशिक दिव्यास्त्रों के साथ महर्षि वशिष्ठ के पास पहुंचे और उनपर आक्रमण कर दिया।

(क्रमशः)

'आदिवासी परंपरा का गौरवगान-जनजातीय गौरव दिवस'

अर्जुन मुंडा

विविध संस्कृतियों और परंपराओं की भूमि भारत ने हमेशा देश की आजादी के लिए लड़ने वाले अपने बहादुर योद्धाओं के योगदान और बलिदान का जश्न मनाया है। हालाँकि, इस उत्सव के बीच, आदिवासी समुदाय की वीरता और संघर्ष पर अक्सर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदिवासी समाज और संस्कृति के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम ही है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयन्ती के दिवस को 'जनजातीय गौरव दिवस' के नाम से मनाने की घोषणा कर आदिवासी समाज का पूरे देश में मान बढ़ाया है। आज यह तीसरा वर्ष है जब पूरा देश आदर, सम्मान और उत्साह के साथ भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मना रहा है इस दिवस से लोगों ने जनजातीय समुदायों के सह-अस्तित्वको स्वीकारा है और दश कों के इंतजार के बाद सामाजिक समानता के सपने को हकीकत में बदल दिया है। भगवान बिरसा मुंडा ने हमेशा वन भूमि के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की और उसी संकल्प को पूरा करते हुए अपने साथियों के साथ अंग्रेजों से लड़ते हुए शहादत दी। ऐसे ही देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे आदिवासी लोगों ने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी क्योंकि जनजातीय लोगों ने कभी भी अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया, शायद अभी तक बहुत कम ही लोग ये जानते थे कि अग्रेजों को सबसे प्रारम्भिक और सशक्त चुनौती देश के जंगलों से आदिवासी समाज से ही मिलना प्रारम्भ हुई थी चाहे तिलका माँझी के नेतृत्व में पहाड़िया आंदोलन हो, बुधू भगत के नेतृत्व में चला 'लरका आंदोलन' हो, सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल हूल आंदोलन हो, रानी गाइदिन्ल्यू के नेतृत्व में नागा आंदोलन हो, अल्लूरी सीता राम राजू का रम्पा आंदोलन हो, कोया जनजाति का विद्रोह हो, गोविंद गुरु का 'भगत' आंदोलनहो, अंग्रेजों के विरुद्ध जनजाति समाज का एकव्यापक, विस्तृत व विशाल योगदान रहा है। 'धरती आबा' बिरसा मुंडा की अपने माटी के प्रति संघर्ष की ही पृष्ठभूमि थी कि अंग्रेजों को छोटा नागपुर काश्तकारी-सीएनटी अधिनियम बनाने के लिए बाध्य होना पड़ा। जिसके अधीन परंपरागत वन अधिकार भुईंहरी खूँट के नाम से निहित है भुईंहरी खूँट, जो जल, जंगल, जमीन पर पूर्ण स्वामित्व का अधिकार देता है भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष के बल पर देश भर के जनजातीय क्षेत्रों में हुए ऐतिहासिक भूल को स्वीकारते हुए हमारी संसद ने वन अधिकार कानून पारित किया। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया कि उनके अपने समाज की स्वशासन व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का बाह्य हस्तक्षेप न हो इस कारण पेसा जैसे कानून इस देश में बने, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी परंपरागत व्यवस्था पर कोई हस्तक्षेप न हो। परंपरागत ढंग से नियंत्रणाधीन व्यवस्थाओं के अनुरूप ही पेसा का कानून चले और साथ ही साथ संवैधानिक प्रावधानों का समावेशीकरण हो सके। इसकी मुख्य अवधारणा अनुसूचित क्षेत्र में पंचायत की व्यवस्था हो ताकि उसकी सांस्कृतिक परंपरा और नैसर्गिक व्यवस्था बनी रहे और प्राकृतिक समन्वयता पर किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। भगवान बिरसा मुंडा के अनुरूप जनजातीय समाज पुनर्स्थापित हो। भारत सरकार कावन अधिकार अधिनियम (एफआरए) सामाजिक व्यवस्था के साथ जोड़कर पुर्नस्थापित करने पर जोर देता है। वनाधिकार कानून एकाधिकार को ही सुनिश्चित नहीं करता है, बल्कि मानव समुदाय को प्राकृतिक दृष्टि से समानुपातिक सहभागिता के रूप में देखता है। कई चुनौतियों के बीच हमें इन सारे विषयों पर संवेदनशील होकर देखने की जरूरत है। प्रकृति का अन्योन्याश्रय संबंध न बिगड़े इस पर समस्त भारत वासियों को पुनरावलोकन करना पड़ेगा। यह भगवान बिरसा मुंडा का विशेष सूत्र रहा है जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव भारत में आदिवासी समुदायों के योगदान और संघर्षों को पहचानने और सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री'

भगवान बिरसा मुंडा ने हमेशा वन भूमि के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की और उसी संकल्प को पूरा करते हुए अपने साथियों के साथ अंग्रेजों से लड़ते हुए शहादत दी।

आदिवासी

फोटो की दुनिया

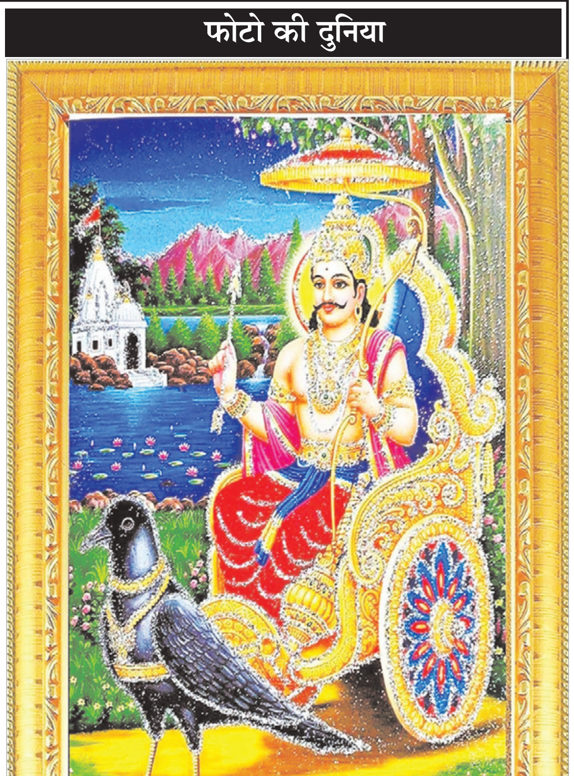

फेसबुक वॉल से

गलती करने के लिए
कोई भी वक्त सही नही है,
और गलती सुधारने के लिए
कोई भी वक्त बुरा नही है।

छठ महापूजा है सूर्योपासना का महापर्व

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है। इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। छठ पूजा इस वर्ष 17 नवंबर से 20 नवंबर तक मनाई जा रही है। नहाय-खाय 17 नवंबर को और खरना 18 नवंबर को है जबकि छठ की मुख्य पूजा संध्या अर्ध्य के साथ 19 नवंबर को होगी। उगते सूर्य को अर्ध्य 20 नवंबर को दिया जायेगा और उसी के साथ छठ महापूजा का समापन होगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूयोर्पासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाये जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है। छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाय तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाये जाने का चलन शुरू हो गया। इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं।

उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है। इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है।

छठ महापर्व

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनिल सिंह बादल*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सूर्य की उपासना अनंत काल से होती चली आ रही है

विजय केसरी

सूर्य की उपासना अनंत काल से ही चली आ रही है। सूर्य साक्षात देव के रूप में संपूर्ण विश्व भर में प्रतिष्ठित हैं। यही कारण है कि इनकी उपासना अनंत काल तक बनी रहेगी। दुनिया के लगभग सभी धार्मिक पुस्तकों में सूर्य की महता की चर्चा की गई है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार सूर्य को प्रत्यक्ष देव कहा गया है। वैज्ञानिकों ने अपने शोधों में प्रमाणित किया है कि सूर्य की उपासना से जीवनी शक्ति मिलती है। इनके भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है। सूर्य की उपासना आदि काल से लोग करते चले आ रहे हैं। लगभग लोग सूरज को प्रणाम करते हैं। सूर्य के बिना पृथ्वी की कल्पना नहीं की जा सकती है। सूर्य की किरणों में जीवन को दीघार्यु बनाने वाले तत्व विद्यमान है। ब्रह्मांड की उत्पत्ति का इतिहास बहुत ही रोचक है। देवी पुराण में वर्णन है कि जब सृष्टि में कुछ भी नहीं था, चारों ओर अंधकार ही अंधकार व्याप्त था, तब भी एक शक्ति संपूर्ण ब्रहमांड को स्वयं में एक शून्य में समाहित की हुई थी। संपूर्ण ब्रहमांड का आकार प्रकार आज भी वैज्ञानिकों एवं खगोल शास्त्रियों के लिए एक यक्ष प्रश्न के समान खड़ा है। वैज्ञानिक ब्रह्मांड के रहस्य को सुलझाने के लिए जितने भी करीब पहुंचते हैं, फिर कई अनगिनत अनसुलझे सवाल खड़े हो जाते।

आगे देवी पुराण ने स्पष्ट किया है कि आदिशक्ति के हास्य मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना हुई थी। आदि शक्ति स्वरूपा जगत जननी माता का निवास स्थान सूर्य के केंद्र में है। सूर्य के केंद्र में रहने की क्षमता सिर्फ आदि स्वरूपा माता को ही हैं। सूर्य की आराधना उपासना से उनके भक्तों को आदि स्वरूपा माता की भी कृपा प्राप्त होती है। जब जब सृष्टि पर दैत्यों के अत्याचार बड़े थे, तब देवताओं ने सूर्य की उपासना की थी। सूर्य के प्रकट होते ही उसके प्रचंड ताप को भी अत्याचारी सहन नहीं कर पाए थे।

देवासुर संग्राम में जब माता पार्वती ने पुत्र कार्तिके को युद्ध में भेजा था, तब उन्होंने सूर्य की उपासना की थी। इस युद्ध में कार्तिके विजयी हुए थे। माता पार्वती ने डूबते सूरज को देख कर आभार प्रकट की थी।

सूर्य रहस्यम में ऐसा वर्णन मिलता है कि सर्वप्रथम माता पार्वती ने सूर्य की उपासना की थी द्वापर त्रेता सज्जू अर्थात तीनों कालों में देवताओं और मनुष्यों ने प्रत्येक सदैव सूर्य की उपासना की थी वर्णन कई बार असाध्य रोग उत्पन्न होने पर उन्होंने भगवान सूर्य की उपासना की थी। सूर्य की उपासना से देवताओं के सभी रोग संताप दूर हो गए थे। सूर्य की उपासना व आराधना सच्चे अर्थों में माता की ही उपासना है। सूर्य के अंदर विद्यमान शक्ति माता की शक्ति ही है। जब से सृष्टि अस्तित्व में आई तब से सूर्य की उपासना के प्रमाण मिलते हैं। सूर्य उपासना का सबसे बड़ा पर्व सूर्य षष्ठी, छठ पर्व है। भारतवर्ष के लगभग राज्यों में छठ पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। भारत से विदेश में बसे अप्रवासी भारतीय भी छत पर वहां बड़े ही धूमधाम के साथ मनाते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश का छठ पर्व की बात ही निराली है। यह निर्विवाद सत्य है कि बिहार से छठ पर्व झारखंड में प्रवेश किया। 4 दिनों तक चलने वाला यह पर्व बिल्कुल ही अनूठा पर्व है। इस पर्व में पर पवित्रता का बड़ा ख्याल रखा जाता है। ऋतु फल और भगवान सूर्य को अर्पित किए जाते हैं। डूबते सूर्य को इनके भक्त दूध एवं जल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। छठ पर्व के प्रति लोगों में अपार आस्था है। सूर्य की उपासना से सब की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

छठ पर्व के दूसरे दिन को आंचलिक बोलचाल की भाषा में पारन दिन कहा जाता है। इस दिन छठ व्रतधारी उगते सूर्य की उपासना और आराधना करते हैं। इनके उपासक, भक्त और व्रतधारी सूर्य को अर्घ्य के माध्यम से जल व दूध अर्पित करते हैं। अर्घ्य अर्पित करने से पूर्व इनके व्रतधारी स्वयं को जल में आधा डूबा कर भगवान सूर्य की विशेष आराधना करते हैं। व्रतधारियों के मन में तरह-तरह की मनोकामनाएं होती है। वे सभी अपने -अपने आराधना के क्रम में मन की बातें प्रत्येक देव सूर्य से कहते हैं। भगवान भास्कर के व्रतधारियों के मन में यह पक्का विश्वास रहता है कि उनकी बातें सूर्यदेव जरूर सुनेंगे और मनोकामनाएं पूर्ण भी करेंगे। इस पर्व के प्रति लोगों की बढ़ती आस्था यह बताती है कि निश्चित रूप से इनके व्रतधारियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

सूर्य षष्टि (छठ पर्व) के व्रतधारी संध्या में डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार डूबते और उगते सूरज की उपासना व आराधना की महत्ता बताई गई है। छठ पर्व की शुरूआत डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने से होती है। इस पर्व का समापन व पारन उगते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने से होता है। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते के पश्चात ही उनके व्रतधारी भगवान भास्कर की विशेष पूजा कर प्रसाद ग्रहण करते हैं। महिला और व्रतधारी को परवैतीन इनके नाम से पुकारा जाता है। पुरुष व्रतधारी को व्रतधारी के नाम से ही पुकारा जाता है इस पर्व को स्त्री पुरुष दोनों ही करते हैं। पुरुष की तुलना में स्त्रियां ही इस पर्व को ज्यादा करती हैं। छठ पर्व के दो महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु है। प्रथम डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना। दोनों अर्घ्य में सूर्य की उपस्थिति आवश्यक है। इस पर्व की तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि व्रतधारी आधा व थोड़ा जल मे डूबकर ही ही भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस पर्व पर बांस के सूप, ऋतु फल, आटा - गुड़ मिश्रित ठेकुआ आदि का जुड़ाव समय के साथ होता गया था। धीरे-धीरे ये सारी चीजें छठ पर्व की पहचान बनती चली गई। बाद के कालखंड में जैसे-जैसे इनके व्रतधारियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती गई, सोना, चांदी और पीतल के बने सूप पर फल, ठेकुआ रखकर अर्घ्य देने जैसी प्रथा की शुरूआत हुई थी।

इस पर्व की बढ़ती लोकप्रियता का यह आलम है कि गीतकारों की कलम खुद-ब-खुद चल पड़ी। हजारों की संख्या में अब तक छठ पर्व पर गीत लिखे जा चुके हैं। उतनी ही संख्या में गायकों ने अपना स्वर प्रदान कर इसे और भी मोहक बना दिया। भारत आदिकाल से पर्वों के देश के रूप में जाना जाता है। हर पर्व - त्योहारों पर गीत रचे गए , जो आज हमारी लोक कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। अन्य पर्वों की तुलना में छठ पर्व पर सबसे ज्यादा गीत लिखे और गाये गए है। यह सिलसिला यहीं नहीं रुक रहा है बल्कि निरंतर छठ पर्व पर हमारे गीतकार कुछ न कुछ लिख रहे हैं और गायकगण स्वर प्रदान कर रहे हैं। डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करने का तात्पर्य है यह कि मानवीय जीवन में संकल्प का बड़ा ही महत्व है। हर मनुष्य को कभी भी अपने संकल्प पथ से हटना नही चाहिए। जीवन में निराशा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हर शाम के बाद सुबह का आना निश्चित है। जीवन एक यात्रा के समान है। सुख-दुख जीवन यात्रा के साथी होते हैं। इनका आना और जाना लगा रहता है। विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य अपने संकल्प पत्र से विमुख ना हो। जो मनुष्य अपने संकल्प पथ से विमुख नहीं होते और दृढ़ता पूर्वक अपने संकल्प का पालन करते हैं। उनके जीवन में सूर्योदय आशा का नूतन सवेरा लेकर आते हैं। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने का सार तत्व यही है। किसी भी व्यक्ति को उसका कर्म ,सोच और संकल्प ही महान बनाता है। सूर्य की उपासना का तात्पर्य भी यही है हर मनुष्य को कर्मवीर होना चाहिए। जीवन के संघर्ष से मुकाबला पूरी निर्भरता के साथ करना चाहिए। मनुष्य की सोच सदैव सकारात्मक होनी चाहिए। रत्ती भर नकारात्मकता का स्थान नहीं होना चाहिए। श्रेष्ठ कर्म और उत्कृष्ट सोच जीवन के अंतिम क्षणों तक बनी रहे, इसलिए डूबते और उगते सूरज को अर्घ्यय अर्पित करते हैं।

पर्व का नाम 'छठ' ही क्यों पड़ा?

छठ पूजा के चार दिनों में पहला दिन 'नहाय खाय' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घर की सफाई के पश्चात छठ व्रती स्नान कर पवित्र तरीके से बने शुद्ध शाकाहारी भोजन को ग्रहण कर व्रत की शुरूआत करते हैं। घर के सभी सदस्य व्रती के भोजन कर लेने के बाद ही भोजन ग्रहण करते हैं। भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है छठ पूजा। पूर्वी भारत में बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले इस पर्व का नाम छठ इसलिए पड़ा क्योंकि चार दिवसीय इस व्रत की सबसे महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी को होती है। कार्तिक मास में दीपावली के छह दिन बाद पड़ने वाला यह पर्व मुख्य रूप से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही नेपाल के कुछ इलाकों में धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन अब इस पर्व का विस्तार देश के अन्य हिस्सों में भी तेजी से हो रहा है और बिहार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़े लोग देश के जिस भी कोने में मौजूद हैं, वहां इस पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। दिल्ली में यमुना नदी और इंडिया गेट तथा मुंबई में चौपाटी पर उमड़ने वाली छठ व्रतियों की भीड़ इस बात को साबित करती है कि बड़े महानगरों में भी अब इस पर्व को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इस पूजा में भगवान सूर्य को आराध्य मानते हुए उनको अर्घ्य दिया जाता है। महिलाएं और पुरुष दोनों ही छठ पूजा के दौरान व्रत रखते हैं। पहले दिन सेंधा नमक, घी से बना हुआ अरवा चावल और कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में ली जाती है। अगले दिन से उपवास शुरू होता है। इस दिन रात में खीर बनाई जाती है। व्रती यह प्रसाद रात में लेते हैं। तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य यानी दूध अर्पण किया जाता है।

आखिरी दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। जिन घरों में यह पूजा की जाती है वहां चार दिनों तक पूरी शुद्धता बरती जाती है और इस दौरान लहसुन तथा प्याज को वर्जित माना जाता है। चार दिवसीय उत्सव छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी को होती है। इस दौरान व्रतधारी लगातार 36 घंटे का व्रत रखते हैं। सूर्य देव को समर्पित इस पर्व के दौरान बिहार के औरंगाबाद में सूर्य भगवान की महिमा का बखान करते भव्य मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां स्थित कुंड में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

छठ पूजा के चार दिनों में पहला दिन 'नहाय खाय' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घर की सफाई के पश्चात छठ व्रती स्नान कर पवित्र तरीके से बने शुद्ध शाकाहारी भोजन को ग्रहण कर व्रत की शुरूआत करते हैं। घर के सभी सदस्य व्रती के भोजन कर लेने के बाद ही भोजन ग्रहण करते हैं। पूजा के दूसरे दिन यानि कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रतधारी दिन भर का उपवास रखने के बाद शाम को भोजन करते हैं। इसे 'खरना' कहते हैं। खरना का प्रसाद लेने के लिए आसपास के सभी लोगों को निमंत्रण दिया जाता है। प्रसाद के रूप में गन्ने के रस में बने हुए चावल की खीर के साथ दूध, चावल का पिट्ठा और घी चुपड़ी रोटी बनाई जाती है। इसमें नमक या चीनी का उपयोग नहीं किया जाता है। छठ पूजा के तीसरे दिन यानि कार्तिक शुक्ल षष्ठी को दिन में छठ प्रसाद बनाया जाता है। प्रसाद के रूप में ठेकुआ के अलावा चावल के लड्डू बनाये जाते हैं। इसके अलावा सांचा और फल को भी छठ प्रसाद के रूप में शामिल किया जाता है। शाम के समय बांस की टोकरी में अर्घ्य का सूप सजाया जाता है और व्रती व्यक्ति के साथ परिवार के सारे लोग अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाट जाते हैं। इसके बाद सूर्य को जल और दूध का अर्घ्य दिया जाता है तथा प्रसाद से भरे सूप से छठ मैया की पूजा की जाती है। पूजा के चौथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी की सुबह उदियमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद व्रती कच्चे दूध का शरबत पीकर तथा थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत पूर्ण करते हैं। चार दिनों के इस व्रत में व्रती को लगातार उपवास करना होता है। भोजन के साथ ही अपने बिस्तर का भी त्याग किया जाता है और व्रती फर्श पर कंबल या चादर के सहारे ही रात बिताता है।

❖ शुभा दुबे

आने और जाने के बीच

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
मो. नं. 73 8657 8657

अब तुम्हें क्या बताऊं भैया, जब रोना शुरू करता हूं तो समझ नहीं आता कि कहां से शुरू करूं। इंसान रोने के लिए हर जगह इज्जत और सम्मान तो खोज नहीं सकता। अब तो लोग रोने को भी जश्न का प्रतीक मानने लगे हैं। आजकल तो रोने के लिए वाररूम की व्यवस्था की जा रही है। जहां बड़े आदर और संयम से रोया जाता है। ऐसा रोना हमने पहले कभी नहीं देखा। वे रोने वालों को कह रहे हैं कि आगे बढ़ो, दुनिया आगे बढ़ रही है, विकास हो रहा है! फिर कहते हैं वापिस जाओ, बाप-दादा बुला रहे हैं, पीछे सब अच्छा है!! वेदों की ओर लौटना तो समझते हैं लेकिन ये नेता लोग न जाने कब हमें आगे बढ़ने के लिए कहते हैं और कब पीछे हटने के लिए। अरे, मुझे समझ नहीं आ रहा कि आगा अच्छा है या पीछा!! नेता जो करे वह सही और हम कुछ कर दें सब पागल-पागल कहना शुरू कर देते हैं। नहीं-नहीं, हम राजनीति पर बात नहीं कर रहे हैं और न ही करेंगे। हमें क्या करना है, एक पैर जमीन पर दूसरा पैर कब्र में जो हमारे सिर पर खड़ा होता है उसे यमराज ही नजर आते हैं। हमें क्या फर्क पड़ता है कि कुर्सी पर टुच्चा बैठे या लुच्चा? अगर आप आज जीवित हैं तो आपके लिए रामू काका हैं। क्या पता कल तुम मर जाओ और फिर जन्म लो तो रहीम चाचा बन जाओ। लोग कहते हैं कि लाखों योनियां हैं, आदमी कुत्ता या बिल्ली भी बन सकता है। क्या इसकी कोई गारंटी है कि कोई आदमी बन जायेगा? इसलिए हम राजनीति की बातें करके अपना और आपका कीमती समय क्यों बर्बाद करें? ...अब देखो, तुम इतने ध्यान से क्यों सुन रहे हो? क्या हमने तुम्हें डराया है? या आपने हमसे कोई कर्ज लिया है? ...अरे भाई आप इंसानियत के पक्षधर हैं, तभी हमारा दुख बांट रहे हैं। नहीं तो पता करो कि यहां से वहां तक कोई किसी के मन की बात इतना ध्यान से सुनता है भला। बकवास सुनने का समय किसी के पास नहीं है। बूढ़े लोग सारा समय, सारा दिन घर पर ही बैठे रहते हैं और एक पल बांटने वाला भी कोई नहीं है। एक समय था जब लोग फूल लेकर खड़े रहते थे। ...पर पुरानी बातें छोड़ो. ...हां, हम तो कह रहे थे कि आत्मा कैसी भी

नेता जो करे वह सही और हम कुछ कर दें सब पागल-पागल कहना शुरू कर देते हैं। नहीं-नहीं, हम राजनीति पर बात नहीं कर रहे हैं और न ही करेंगे।

हो, सूख जाती है। बच्चों को शिक्षित किया जाए ताकि उनका जीवन बेहतर हो सके। वे मनुष्य बन जायेंगे और हममें से कुछ लोग मोक्ष भी प्राप्त कर लेंगे। अब जब धरम-करम का समय आया तो पंछी सारे फुर्र हो गए। वे पितृ- दिवस, मातृ दिवस के दिखावे वाले दिनों पर स्टिकर लगाकर ऐसा ढोंग करते हैं जैसे उनका दायित्व पूरा हुआ। यह सोचकर कि पिता को पूरे साल भर बुखार नहीं होगा। ...बताओ हमें क्या करना चाहिए! बुढ़ापा तो बुढ़ापा है, रुकेगा थोड़े न! जो आया है वह जाएगा भी! अमर बाबू पिछले महीने मर बाबू हो गए। बच्चे विदेश में, मजबूरी बनी रही, कोई नहीं आया। बूढ़े कंधों ने अपने ही जैसों में से एक कंधा देकर यह आस जताई कि कल कुछ हो जाएगा तो वे कंधे देंगे। हम में से एक ने चिता को आग लगाई... हमें नहीं पता कि किसी ने ऊपरी दुनिया का दरवाजा खोला या नहीं। न पूजा, न तेरहवीं, न फलां न ढंका। वे एक सफल व्यक्ति थे, लेकिन उन्होंने बहुत अपमानजनक तरीके से अपना देह छोड़ दिया। ऐसे भी कोई जाता है भला! हमने कैसी दुनिया बनाई है! ...जहां जीते जी इंसान को कोई नहीं पूछ रहा है। मरने पर च..च..च..च...करने के सिवाय कुछ नहीं रह जाता। यह जीने को भार और मरने को मुक्ति मानकर उत्सव के रूप में मनाना अपना दायित्व। जीवन आने और जाने के बीच भी कुछ होता है। वह कुछ के बीच जीना कभी-कभी बहुत दुश्वास कर जाता है।

सूडोकु नवताल- 6887

★★★☆☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6886 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

दैनिक पंचांग

18 नवम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.10 ब.से
चंद्र	मकर में	धनु	08.30 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.35 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.21 बजे से
गुरु	मेष में	मीन	13.54 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.25 बजे से
शनि	कुंभ में	वृष	17.05 बजे से
राहु	मीन में	मिथुन	19.03 बजे से
केतु	कन्या में	कर्क	21.16 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.32 बजे से
9.00 से 10.30		कन्या	01.44 बजे से
बजे तक		तुला	03.55 बजे से

शनिवार 2023 वर्ष का 322 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 09.19 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 00.07 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 02.17 बजे को रात्र समाप्त। **करण** बालव 09.19 बजे तदनन्तर कौलव 20.22 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 06' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871801 **जूलियन दिन** 2460266.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 03 **विशेष** पांडव पंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

शब्द पहेली - 7949

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -7948 का हल

■	ल	ह	र	■	क	ल	ह	■
श	ब	■	ह	■	मी	■	क	म
री	■	ह	म	रा	ज	■	■	ह
फ	की	र	■	ही	■	ब	हु	ल
■	■	द	ल	■	कं	द	■	■
स	न	म	■	रा	■	ना	र	द
ली	■	■	स	त	ना	म	■	म
का	न	■	र	■	वि	■	जा	न
■	त	र	ल	■	क	हा	र	■

आज का राशिफल

मेष राशि : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

वृष राशि : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी।

मिथुन राशि : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी।

कर्क राशि : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

सिंह राशि : यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी।

कन्या राशि : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

तुला राशि : खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृश्चिक राशि : समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

धनु राशि : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

मकर राशि : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी।

कुंभ राशि : सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा।

मीन राशि : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

पहले दिन ही लोगों का जोरदार समर्थन मिला विकसित भारत संकल्प यात्रा को

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 21000 लोगों ने कराया पंजीकरण

इसमें 250 से अधिक ग्राम पंचायतों में 100,000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही

आरएनएम। नई दिल्ली

भव्य शुरूआत के साथ प्रारंभ हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा अपने पहले दिन देश भर की 259 ग्राम पंचायतों में एक लाख से अधिक लोगों तक पहुंची। प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर, को झारखंड के खूंटी से इस अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था । इसके तहत देश भर में महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले विभिन्न स्थानों से एक ही समयवैनों को रवाना किया गया।विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहले दिन राष्ट्रीय विकास के साझा विजन की दिशा में सशक्तिकरण और सामूहिक संबद्धता देखा गया। इस यात्रा का उद्देश्य केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाना एवं प्रमुख सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशतपरिपूर्णता हासिल करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा के पहले ही दिन 21000 से अधिक लोगों ने पीएम उज्ज्वला योजना के लिए पंजीकरण कराया।

इस दौरान 1200 से अधिक माई भारत स्वयंसेवकों के पंजीकरण कराने के साथ-साथ 80,000 से अधिक लोगों ने विकसित भारत की प्रतिज्ञा ली। इस यात्रा में विशिष्टर व्यक्तियों - 3,448 महिलाओं, 1,475 छात्रों, 495 स्थानीय कलाकारों और 298 खेल हस्तियों के प्रयासों को मान्यता देते हुए और उन्हें प्रेरक शख्सियत के रूप में स्वीकार करते हुए उनकी ओर भी ध्याान आकृष्टु किया गया। लोग वीबीएसवाई आईईसी वैन की ओर उमड़ पड़े और इस दौरान आयोजित गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा साथ ही साथ मौके पर प्रदान की गई सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविरों में 16,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें 6,000 से अधिक लोगों की टीबी के लिए और 4500 से अधिक लोगों की सिकल सेल रोग के लिए जांच की गई। ड्रोन प्रदर्शन बेहद सफल साबित हुआ।

वीबीएसवाई ने कृषि क्षेत्र में विकास से जुड़ा एक प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया जिसका लाभ किसान अपने उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए उठा सकते हैं। 120 से अधिक ड्रोन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया, इसके साथ ही प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ भी रचनात्मक संवाद हुआ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रमुख सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशत परिपूर्णता के रूप में हासिल की गई उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया। 83 ग्राम पंचायतों में आयुष्मान कार्ड की शत-प्रतिशत परिपूर्णता है, 89 ग्राम पंचायतों में जेजेएम की शत-प्रतिशत परिपूर्णता है, 97 ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत जन धन संतृप्ति है और 124 ग्राम पंचायतों ने खुले में शौच मुक्त+ का दर्जा हासिल किया है। इस यात्रा के दौरान व्यक्तिगत सफलता की गाथाओं को भी शामिल किया गया और इसके अंतर्गत 200 से अधिक लाभार्थियों ने ₹मेरी कहानी, मेरी जुबानी₹ की प्रस्तुति की, जो उनके जीवन में सरकार की प्रमुख योजनाओं द्वारा किए गए परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा भारत सरकार की अब तक की सबसे व्यापक पहुंच वाली पहल है। समावेशी विकास के दृष्टिकोण पर आधारित इस यात्रा के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास किया गया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ देश के हर कोने में शत- प्रतिशत परिपूर्णता तक पहुंचे। यह यात्रा व्यापक स्तर पर पहुंच बनाने के साथ-साथ सूचना-प्रसार और देश के विकास में सक्रिय हितधारक बनने के लिए नागरिकों को सशक्त बनाने हेतु इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईईसी वैन द्वारा कार्यान्वित जमीनी स्तर की गतिविधियों और लोगों की भागीदारी के डेटा को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार एक पोर्टल पर वास्तविक समय में दर्ज किया जाता है।

रोशन लाल की एक पाती ने कैसे अरबपति सहाराश्री सुब्रत राय का पतन कर दिया

▶▶ सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉ.लि. ने 232.85 लाख निवेशकों से 19,400.87 करोड़ रु और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट का. लि. ने 75.14 लाख निवेशकों से 6380.50 करोड़ रु. जुटाए थे

आरएनएम। नई दिल्ली

सहारा चिट फंड कंपनी के विवादास्पद प्रमुख सुब्रत रॉय कैंसर व अन्य रोगों से मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में 14 नवंबर को अंतिम सांस ली। वही सुब्रत राय जो कुछ वर्ष पहले तक चिटफंड कंपनी, बड़ी-बड़ी टाउनशिप्स, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, एयरलाइंस आदि के मालिक थे। महंगी गाड़ियों का काफिला साथ चलता था। अभिनेताओं, अभिनेत्रियों, बड़े नेताओं से मेलजोल, उनको लखनऊ के सहारा सिटी में लाकर रोड शो कराने का शौक था। लेकिन इंदौर के एक निवेशक रोशनलाल की चिट्ठी ने उनको अर्श से फर्श पर ला दिया। हुआ यह कि चार जनवरी 2010 को इंदौर के रोशनलाल ने नेशनल हाउसिंग बैंक को हिंदी में चिट्ठी लिखी थी। रोशनलाल ने खुद को इंदौर का निवासी और सीए बताया। हालांकि, न तो कभी रोशनलाल मीडिया के सामने आए और न ही उन तक मीडिया पहुंच सका। रोशनलाल का दावा था कि उन्होंने सहारा ग्रुप की कंपनियों के बॉन्ड खरीदे हैं। नियमों का उल्लंघन कर बॉन्ड जारी किए गए हैं। सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन ने यह बॉन्ड जारी किए थे। इनकी जांच कराने की मांग की गई थी। हालांकि, बाद में रोशनलाल का कुछ पता नहीं चला। सहारा ग्रुप के वकीलों ने रोशनलाल के पते पर पत्र भेजे लेकिन वह भी बैरंग लौट आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि रोशनलाल के नाम से किसी कॉरपोरेट ग्रुप ने ही यह शिकायत की थी। रोशनलाल की कथित चिट्ठी को नेशनल हाउसिंग बैंक ने सेबी को भेजा। इस तरह के मामलों की जांच सिर्फ सेबी ही कर सकता था। सेबी को इसके एक महीने बाद अहमदाबाद के एक एडवोकेसी ग्रुप- प्रोफेशनल ग्रुप फॉर इन्वेस्ट प्रोटेक्शन ने भी चिट्ठी भेजी। इसके बाद सेबी की जांच शुरू हुई और एक-एक परत खुलने लगी। सेबी ने 24 नवंबर 2010 को सहारा ग्रुप की गतिविधियों पर रोक लगा दी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो वहां से 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ निवेशकों को पैसा लौटाने का आदेश आया। निवेशकों को 24 हजार करोड़ रुपये लौटाने थे। रोशनलाल की चिट्ठी से शुरू हुई जांच के बाद सहारा ग्रुप की कारगुजारियां सामने आने लगी। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में फैसला सुनाया कि सहारा ग्रुप की कंपनियों ने सेबी के नियमों का उल्लंघन किया है। सहारा की कंपनियां अपने निवेशकों को उनका निवेश भी नहीं लौटा सकी। इस कारण सहारा के विवादास्पद प्रमुख सुब्रत रॉय को जेल भी जाना पड़ा। सुब्रत रॉय दो साल जेल में रहे। 2017 में अपनी माँ के मरने के बाद उनके श्राद्ध में शामिल होने के लिए पैरोल पर बाहर आए थे ।ऊंची पहुंच के कारण उनका पैरोल कभी खत्म ही नहीं हुआ । और कैंसर व अन्य व्याधियों के कारण मुंबई के अपने मित्र अनिल अंबानी की मां के नाम से बना कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती सुब्रत राय की मौत चौदह नवंबर को हो गई । सहारा का कहना था कि वह निवेशकों को पैसा लौटाना चाहती है लेकिन उसका पैसा सेबी ने ब्लॉक कर रखा है। जबकि सेबी जिनके पैसे जमा है उनका विवरण मांग रही है। जो सहारा नहीं दे सका है।

इससे यह आशंका की जा रही है कि सहारा चिटफंड कंपनी में व उसके अन्य प्रोजेक्ट में कई बड़े राजनीतिकों का काला धन है। इसलिए इस तरह के खाताधारक सामने नहीं आ रहे हैं। और चिटफंड के करोड़ों खाता धारक तो बहुत ही गरीब हैं। पांच - दस रुपए रोज जमा करने वाले भी हैं। ऐसे के दस्तावेज या तो इधर - उधर गुम हो गये या वे इतने गरीब हैं कि किसी तरह से रोजी - रोटी करके अपना व बच्चों का पेट भरे, परिवार पालें या चिटफंड कंपनी के दफ्तर दौड़ते रहें। वे कहां दूर जाकर किससे कहें। अब तो चिटफंड कंपनी के तमाम कार्यालय बंद हो गये हैं। संसद में एक सवाल के जवाब में सरकार ने बताया था कि सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 232.85 लाख निवेशकों से 19,400.87 करोड़ रुपये और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 75.14 लाख निवेशकों से 6380.50 करोड़ रुपये जुटाए थे।

छीड़ाखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग हादसा

मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हुई

एजेंसी। नैनीताल

नैनीताल जिले के ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया था। जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है।

हादसे की सूचना पर जिला प्रशासन घटनास्थल पर पहुंचा और राहत बचाव कार्य शुरू किया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक कुल 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने ओखलकांडा अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। इसके अलावा 2 गंभीर रूप से घायलों को हल्द्वानी रेफर किया गया है। जिसमें से टैक्सी चालक ने धारी के पास दम तोड़ दिया। वहीं, एक व्यक्ति का ओखलकांडा में इलाज चल रहा है।

हादसे में मृतकों का घटनास्थल पर ही पोस्टमार्टम किया जायेगा। इसके लिए नैनीताल सीएमओ डॉ. भागीरथी जोशी ने एक टीम घटनास्थल पर भेजी है। बताया जा रहा है कि बाइक और टैक्सी वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसके बाद बाइक और वाहन दोनों 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरे। मृतकों में धनी देवी, तुलसी प्रसाद, रमा देवी, तरूण पनेरू, देवीदत्त, नरा पनेरू शामिल हैं। सभी एक ही परिवार/बिरादरी के बताए गए हैं, जो कि ग्राम डालकन्या के रहने वाले हैं। इसके अलावा दो सगे भाई जो बाइक पर सवार थे उनकी भी ओखलकांडा अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। जिसमें शिवराज सिंह और नवीन सिंह शामिल हैं।

ओडिशा के अंगुल में सड़क दुर्घटना में 3 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के अंगुल जिले के किशोरनगर में एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि गुरुवार रात झारसुगुड़ा से एक निजी यात्री बस 'प्राची' भुवनेश्वर जा रही थी। कुछ तकनीकी खराबी आने के बाद वाहन किशोरनगर पुलिस थाना क्षेत्र के बरगापल्ली में रुक गया। चूंकि बस स्टाफ मरम्मत कार्य में लगा हुआ था, इसलिए यात्री वाहन से उतर गये। सड़क पार कर रहे कुछ यात्रियों को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। तीन घायलों को किशोरनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि कुछ अन्य को रायराखोल उपमंडल अस्पताल ले जाया गया। दो लोगों ने रायराखोल के अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि एक यात्री की किशोरनगर अस्पताल में मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुंदरगढ़ जिले के आनंद प्रधान, ब्रजराजनगर के घनश्याम बारिक और झारसुगुड़ा जिले के लाइकेरा के नयन कुमार नायक के रूप में की गई है। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत वहां से भाग निकला। किशोरनगर पुलिस इस संबंध में केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

चीन ने दुनिया का सबसे एडवांस व कई गुना तेज इंटरनेट नेटवर्क लांच किया

इसकी स्पीड 1.2 टेराबाइट्स (1200 गीगाबाइट)/ सेकंड है

एक सेकंड में 150 मूवीज डाउनलोड किया जा सकता है

आरएनएम। नई दिल्ली

चीन ने विश्व का सबसे अग्रिम(एडवांस) इंटरनेट नेटवर्क तैयार करके रोल आउट करना शुरू कर दिया है। दावा है कि यह मौजूदा नेटवर्क की तुलना में कई गुना ज्यादा फास्ट है। चीनी टेक मैन्युफैक्चरर हुआवे (के अनुसार यह नेटवर्क 1.2 टेराबाइट्स (1200 गीगाबाइट) प्रति सेकंड की रफ्तार से ट्रेवल कर सकता है। यह इतना तेज है कि इस नेटवर्क से एक सेकंड में 150 मूवी को डाउनलोड किया जा सकता है। लेकिन इतनी रफ्तार अभी ग्राहकों को जल्द ही नहीं मिलेगी। लेकिन एक काफी मजबूत और फास्ट इंटरनेट सेवा बिजनेस, फास्टर इंफॉर्मेशन ट्रांसफर, स्टॉक ट्रेडिंग एडवांटेज और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कामों में जबरदस्त प्रभाव डालेगी। इसे अगली पीढ़ी के बैकबोन नेटवर्क कहा जा रहा है। इसमें बीजिंग की शिंघुआ यूनिवर्सिटी सेर्नेट की भी भागीदारी है। बैकबोन नेटवर्क ऐसा नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर है जो इंटरनेट ट्रैफिक को विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर मूव करता है। नया नेटवर्क बीजिंग व साउथ के बीच 1800 मील की ऑप्टिकल फाइबर केबल्स पर चलता है। यह नेटवर्क पूवार्नुमानों से लगभग 2 साल पहले ही लॉन्च किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में गोलीबारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बुद्धल इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेना ने कहा, राजौरी जिले के बुद्धल के बेहरोट में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को उस इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों द्वारा इलाके को घेरने के बाद वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। हाल के दिनों में पूरे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई मुठभेड़ हुई हैं।

प्रयास जारी | आईएनएस विक्रांत को मिला परिचालन का दर्जा

अब युद्ध मोड में तैनाती के लिए तैयार

हिंद महासागर क्षेत्र में इस स्वदेशी युद्धपोत की तैनाती भारत की समुद्री ताकत बढ़ाएगी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने पूर्ण परिचालन क्षमता हासिल कर ली है। अब युद्ध मोड में तैनात होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारतीय नौसेना इस जहाज को संचालन के लिए हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे कहीं भी तैनात कर सकती है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के बीच इस युद्धपोत की तैनाती भारत की ताकत बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री ने पिछले साल 2 सितम्बर को भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत 'विक्रांत' राष्ट्र को सौंपा था, जिसे समुद्री जंग के लिहाज से तैयार किया जा रहा था। एडमिरल आर हरि कुमार ने हाल ही में कहा था कि आईएनएस विक्रांत को इसी साल नवंबर तक पूरी तरह से चालू करने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। तमाम तरह के परीक्षणों के दौर से गुजरने के बाद आखिरकार आईएनएस विक्रांत को पूर्ण परिचालन का दर्जा मिल गया है। फिलहाल पोत पर 30 विमानों के बेड़े में 18 मिग-29 और 12 कामोव हेलीकॉप्टर होंगे। अमेरिका से खरीदे गए एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर भी शक्तिशाली पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के साथ बोर्ड पर होंगे। भारतीय नौसेना को आईएनएस विक्रांत के लिए 26 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रही है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था कि विक्रांत का संचालन शुरू होने के बाद ही 2023 में नए विमानवाहक पोत पर निर्णय लिया जाएगा। इसी के मद्देनजर नौसेना ने आखिरकार अपने दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत 'आईएसी-2' की मेगा डील को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेज दिया है। भारत के लिए इस तरह के तीन विमानवाहक पोतों की जरूरत बताई जा रही है, ताकि भारतीय नौसेना हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तैनात सभी नौसेनाओं के साथ तालमेल बनाया जा सके। दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत को 'आईएसी-2' के नाम से जाना जाएगा। सरकार से आईएसी-2 की मंजूरी मिलने के बाद यह कार्यक्रम केरल में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के माध्यम से कई हजार प्रत्यक्ष और कई गुना अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा।

FILMY हलचल

मलायका मेरी 'पहली संतान' हैं: फराह खान

फिल्म निमार्ता-कोरियोग्राफर फराह खान ने उन्हें अपनी 'पहली संतान' बताते हुए कहा कि उन्होंने पहले मलायका अरोड़ा को खोजा और फिर दीपिका पादुकोण को। 'छैया छैया' गाने के लिए चलती ट्रेन में शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में 'झलक दिखला जा' की जज मलाइका ने कहा, मुझे याद है कि चलती ट्रेन पर डांस करना कितना चुनौतीपूर्ण था। हम सभी डरे हुए थे। आपने यहां इस मूविंग प्लेटफॉर्म पर जो प्रयास किया, वह आपके लिए भी कठिन रहा होगा। यह एक बहुत अच्छा एलिमेंट है, जिसे आप लेकर आये। ये किस्से सेलिब्रिटी डांस शो 'झलक दिखला जा' में साझा किए गए, जहां कंटेस्टेंट्स आने वाले एपिसोड में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। कुश्ती के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के लिए मशहूर संगीता फोगाट ने कोरियोग्राफर भरत घरे के साथ बॉलीवुड ट्रैक 'छैया छैया' में अपने अभिनय से अमिट छाप छोड़ी है। फराह खान, जिन्होंने मूल रूप से गाने की कोरियोग्राफी की थी, ने खुलासा किया कि उन्होंने मलायका को कैसे ढूंढा। उन्होंने कहा, हर कोई कहता है कि मैंने दीपिका को खोजा, लेकिन मैंने पहले मलायका को खोजा। वह मेरी पहली संतान है। गाने की शूटिंग से दो दिन पहले मैंने मलायका को यह गाना करने के लिए बुलाया।

कॉफी विद करण' में ऐश्वर्या का जिक्र करने पर ट्रोल होने के बाद इमरान हाशमी ने दी सफाई

अपनी छवि के कारण हमेशा विवादों और चर्चा में रहने वाले इमरान हाशमी इस समय एक अलग कारण से चर्चा में हैं। हाल ही में इमरान ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने एक पुराने विवादित बयान पर बयान दिया है। ह्यकॉफी विद करणह्न में इमरान को बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को लेकर दिए गए बयान की वजह से काफी ट्रोल किया गया था। शो के रैपिड फायर राउंड में 9 साल पहले करण के सवालों का जवाब देते समय इमरान हाशमी ने दो बार ऐश्वर्या का जिक्र किया था। सवाल था, आप अभिषेक बच्चन से क्या चुराना चाहेंगे? करण के इस सवाल पर इमरान ने अभिषेक की पत्नी यानी ऐश्वर्या का नाम लिया और साथ ही ऐश्वर्या की तुलना प्लास्टिक से कर दी। बेशक ये सारी मौज-मस्ती करण के तोहफे के लिए ही थी, लेकिन उस वक्त इमरान को इस जवाब की वजह से काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

'बिग बॉस 17': सलमान खान ने लगाई अनुराग की क्लास, कहा 'मैं एक्सप्लेनेशन देता नहीं हूं'

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान 'बिग बॉस 17' के कंटेस्टेंट अनुराग डोभाल की क्लास लगाते नजर आएंगे। चैनल ने इंस्टाग्राम पर प्रोमो शेयर किया है। अनुराग ने बिग बॉस से कहा था कि वो चाहते हैं कि सलमान खान 'वीकेंड का वार' में उनकी 'ब्रोसेना' कहे जाने वाले फैनबेस की बात न करें। इसी के बारे में बात करते हुए, प्रोमो में सलमान कहते हुए नजर आएंगे, "आप में से कुछ लोग मुझे गलत समझ रहे हैं। बेशक समझे, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।" उन्होंने आगे कहा, मैं किसी चीज का एक्सप्लेनेशन देता नहीं हूं। और मुझे कोई शौक नहीं है यहां पर ज्ञान दूं.. समझाऊं। मैंने आपको पैगा नहीं किया, आप मेरे बच्चे नहीं हो। आपकी बदतमीजियों में मुझे कोई दिलचस्पी नहीं है। जाओ भाड़ में जाओ।'

गागर में सागर

अगले साल अंत तक सेंसेक्स 74,000 पर पहुंचेगा : मॉर्गन स्टैनली

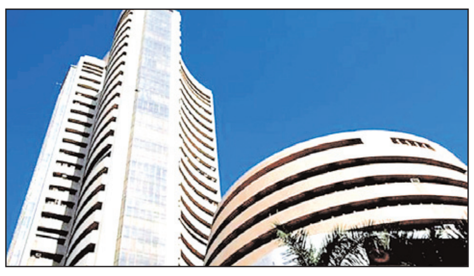

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली का कहना है कि अगले साल के अंत तक यानी दिसंबर 2024 तक प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 74,000 अंकों का आंकड़ा छू लेगा। इसका मतलब हुआ कि बाजार मौजूदा स्तर से 12 फीसदी की वृद्धि करेगा। ब्रोकरेज ने अपने 2024 इंडिया इक्विटी स्ट्रैटजी आउटलुक में कहा है, इस स्तर का मतलब है कि सेंसेक्स 24.7 गुना के पीई मल्टीपल पर कारोबार करेगा जो उसके 25 वर्ष के औसत 20 गुना से अधिक है। ऐतिहासिक औसत के मुकाबले तेजी का मतलब भारत में मजबूत मध्यावधि वृद्धि में बढ़ता भरोसा है। मॉर्गन स्टैनली के तेजी के मामले में 86,000 का लक्ष्य रखा है। यह कच्चे तेल की कीमतों के 70 डॉलर तक गिरने और भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से दरों में बड़ी कटौती पर निर्भर करेगा। ब्रोकरेज ने मंदी के मामले में 51,000 अंकों का लक्ष्य तय किया है। इसका कारण चुनाव के बाद केंद्र की सत्ता में बदलाव, कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल से अधिक होना, रिजर्व बैंक की सख्ती और अमेरिका में मंदी के कारण वैश्विक वृद्धि कम होने को बताया है।

दिसंबर में बैंक कर्मी करेंगे हड़ताल

नई दिल्ली। दिसंबर में बैंकों का कामकाज कई दिनों के लिए बंद रह सकता है क्योंकि अगले महीने कई दिन तक अलग-अलग बैंकों में हड़ताल रहेगी। ऑल इंडिया बैंक एंप्लाई एसोसिएशन ने इस मामले पर एक नोटिफिकेशन जारी करके ये जानकारी दी है। अब्हएअ ने दिसंबर 2023 में बैंकों में अलग-अलग तारीख पर हड़ताल का ऐलान कर दिया है। यह हड़ताल 4 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर, 2023 के बीच चलेगी। जानते हैं कि बैंकों में किस-किस दिन काम बाधित रहने वाला है। बैंक कर्मचारियों के इस हड़ताल के पीछे मुख्य कारण है बैंक में पर्याप्त स्टाफ की मांग। इसके साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में आउटसोर्सिंग पर रोक लगाकर स्थाई नौकरियों की संख्या में बढ़ोतरी जैसी मांगे भी शामिल है।
दिसंबर में इस दिन रहेंगे हड़ताल : 4 दिसंबर, 2023- भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक में हड़ताल रहेगी, 5 दिसंबर, 2023- बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया में हड़ताल रहेगी, 6 दिसंबर, 2023- केनरा बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में हड़ताल रहेगी, 7 दिसंबर, 2023- इंडियन बैंक और यूको बैंक में हड़ताल रहेगी, 8 दिसंबर, 2023- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हड़ताल रहेगी।
9 और 10 दिसंबर, 2023- बैंकों में शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी, 11 दिसंबर, 2023- प्राइवेट बैंकों की हड़ताल में हड़ताल रहेगी।

सुब्रत रॉय की मौत के बाद भी सहारा ग्रुप के खिलाफ जारी रहेगा केस

नई दिल्ली। सहारा ग्रुप के संस्थापक सुब्रत रॉय की मौत के बाद भी सेबी इस ग्रुप के खिलाफ केस जारी रखेगा। सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने कहा कि सेबी के लिए यह मामला एक यूनिट के मैनेजमेंट से जुड़ा है और यह जारी रहेगा। चाहे कोई व्यक्ति जीवित हो या नहीं। सुब्रत रॉय का 75 साल की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया था। माधवी पुरी ने रिफंड बेहद कम होने के सवाल पर कहा कि पैसा निवेशकों द्वारा किए गए दावों के सबूत के आधार पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त समिति के जरिए वापस किया गया है। निवेशकों को केवल 138 करोड़ रुपए का रिफंड किया गया है, जबकि सहारा ग्रुप को निवेशकों को रिफंड के लिए सेबी के पास 24,000 करोड़ रुपए से अधिक जमा करने के लिए कहा गया था। सेबी ने 2011 में सहारा ग्रुप की दो कंपनियों सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को करीब तीन करोड़ निवेशकों से जुटाए गए धन को वापस करने का आदेश दिया था। नियामक ने आदेश में कहा था कि दोनों कंपनियों ने नियमों का उल्लंघन करके धन जुटाया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 31 अगस्त 2012 को सेबी के निर्देशों को बरकरार रखा और दोनों कंपनियों को निवेशकों से जुटाए गए धन 15 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने को कहा था।

वडराज सीमेंट कंपनी को खरीदने के लिए लग रही बोली

अडानी के सामने आए जिंदल और मित्तल

एजेंसी। नई दिल्ली

सीमेंट बिजनेस को बढ़ाने के लिए आक्रामक तरीके से काम कर रहे गौतम अडानी के निशाने पर अब एक और कंपनी आई हुई है। हालांकि इस बार गौतम अडानी की राह आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि उनकी टक्कर सज्जन जिंदल और लक्ष्मी निवास मित्तल जैसे उद्योगपतियों से होने वाली है। दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही सीमेंट कंपनी को खरीदने में अडानी के अलावा जिंदल और मित्तल भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही यह कंपनी वडराज सीमेंट है। वडराज सीमेंट एबीजी शिपयार्ड ग्रुप की कंपनी है, जिसके खिलाफ ट्रेड क्रेडिटर ब्यूमर टेक्नोलॉजी इंडिया ने रिकवरी के लिए कोर्ट की शरण ली थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अगस्त 2018 में वडराज सीमेंट को वाइंड अप करने का ऑर्डर दिया था। अब कंपनी दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है। ईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वडराज सीमेंट के लिए बोली लगाने वाली संभावित कंपनियों में अडानी समूह की एक कंपनी, सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू सीमेंट और लक्ष्मी मित्तल का आर्सेलर मित्तल ग्रुप शामिल है। जब ब्यूमर टेक्नोलॉजी इंडिया ने अपने बकाए की रिकवरी के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, तब कोर्ट ने कंपनी को बंद करने का आदेश दिया था। हालांकि कंपनी की संपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया धीमी होने से नाराज होकर कोर्ट ने सीमेंट कंपनी के डेट रिजॉल्यूशन प्रोसेस को आईबीसी के पास ट्रांसफर करने की सहमति दे दी थी। अब एनसीएलटी के तहत कंपनी की दिवाला प्रक्रिया चलने वाली है।

अडानी समूह की स्थिति : अडानी समूह की बात करें तो सीमेंट इंडस्ट्री में अब समूह की अहम भूमिका है। अडानी समूह एसीसी और अंबुजा सीमेंट को खरीदकर सीमेंट उत्पादन के मामले में भारत में एक झटके में दूसरे नंबर पर पहुंच गया था। अभी अडानी समूह की सालाना क्षमता 67.5 एमटी सीमेंट का उत्पादन करने की है। अल्ट्राटेक सीमेंट 137.5 एमटी की क्षमता के साथ पहले स्थान पर है। वडराज सीमेंट के पास जो एसेट हैं, वो इसे अडानी समूह के लिए स्ट्रेटजिक बना देते हैं। वडराज सीमेंट के पास कच्छ में सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी है। कंपनी के पास लाइमस्टोर के माइनिंग राइट्स भी हैं। कंपनी के पास सूरत में 6 एमटी क्षमता वाली सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट भी है। कंपनी के कर्जदाताओं को दिवाला प्रक्रिया में संभावित खरीदारों से 2000 से 2500 करोड़ रुपये की बोली की उम्मीद है।

कंपनी की संपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया धीमी होने से नाराज होकर कोर्ट ने सीमेंट कंपनी के डेट रिजॉल्यूशन प्रोसेस को सहमति दे दी थी

टाटा टी अग्नि लीफ ने छठ के लिए पेश किया नया पैक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिहार और झारखंड की जीवंत संस्कृति के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए, प्रमुख चाय ब्रांडों में से एक टाटा टी अग्नि लीफ ने विशेष उत्सव पैक और उत्सव का जश्न मनाने वाला एक विशेष संगीत वीडियो लॉन्च किया है। चार-पैक का यह कलेक्शन प्रत्येक दिन के विशिष्टअनुष्ठानों और भावनाओं को दर्शाता है। त्योहार के प्रत्येक दिन को बिहार की प्रतिष्ठित मधुबनी कला के विभिन्न शैलियों में दर्शाया गया है। पहला पैक मधुबनी की गोधना स्टाइल में डिजाइन किया गया है, जिसमें काले सियाही का उपयोग किया जाता हैऔर इस शैली से त्योहार के पहले दिन 'नहाय खाय' को दर्शाया गया है। दूसरा पैक 'खरना' के दूसरे दिन को चित्रित करता है, जिसमें धुबनी की कचनी स्टाइल में बनाया गया है की मोनो क्रोम रंगों का उपयोग करती है। तीसरा पैक 'संध्या अर्घ्य' को समर्पित है, जो कि मधुबनी की कोहबर स्टाइल में दर्शाता है। चौथा पैक जिसे मधुबनी की भरनी शैली में तैयार किया गया है। त्योहार के अंतिम दिन- 'उषा अर्घ्य' को चित्रित करता है, जहां भक्त अपने पवित्र व्रत का समापन करते हुए उगते सूर्य को प्रार्थना और अर्घ्य देते हैं। टाटा टीअग्नि लीफ ने एक संगीत वीडियो आवा मिल के छठ मनाईंहाभी लॉन्च किया है। विशेष रूप से तैयार किया गया यह गीत इस उत्सव की भावना को जीवंत करता है, जहां कई पीढ़ियों के लोग एक साथ आते हैं।

महंगाई से राहत तो मिली लेकिन अभी खतरा नहीं टला: आरबीआई

एजेंसी। नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि देश को महंगाई के मोर्चे पर राहत जरूर मिली है लेकिन अभी खतरा नहीं टला है। हमें लंबा सफर तय करना है। अभी मुश्किलों का दौर टला नहीं है। दुनियाभर में बने हालातों के चलते कीमतों पर संकट बना हुआ है। हालांकि, त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर बेहतर रहने की पूरी उम्मीद है। आरबीआई ने अपने नवंबर बुलेटिन में बताया कि सितंबर में रिटेल महंगाई करीब 5 फीसदी और अक्टूबर में 4.87 फीसदी रही। बुलेटिन के स्टेट ऑफ द इकोनॉमी लेख में आरबीआई ने बताया कि भले ही महंगाई दर में कमी आई हो। मगर, अभी भी यह हमारे लक्ष्य 4 फीसदी से ज्यादा है 2022-23 में महंगाई दर 6.7 और जुलाई-अगस्त 2023 में 7.1 फीसदी तक पहुंच गई थी। केंद्रीय बैंक आरबीआई को पूरी उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 5 फीसदी के आसपास रहेगी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अनाज और दाल कीमतों में इजाफा हुआ है जबकि खाद्य तेल की कीमतों में नरमी आई है। भारत की तरक्की में घरेलू मांग का बड़ा हाथ है। यही वजह है कि बाहर से आ रही चुनौतियां हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पा रही हैं। निर्यात में कमी के बावजूद अर्थव्यवस्था और महंगाई के मोर्चे पर कोई नुकसान देने वाला प्रभाव नहीं दिख रहा। हालांकि, दुनियाभर में मंदी के चलते मांग घटने से आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। साथ ही महंगाई में भी तेजी आ सकती है। आरबीआई ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार के ध्यान, खर्चों में बढ़ोतरी, डिजिटलाईजेशन और लोकल प्रोडक्ट को बढ़ावा मिलने से स्थिति में सुधार आया है। देश का चालू खाता घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार बेहतर स्थिति में है। रुपए की कीमतों में आई स्थिरता से भी सकारात्मक फर्क पड़ा है।

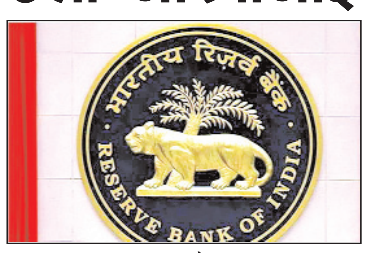

आरबीआई ने एक्सिस बैंक पर 91 लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों के उल्लंघन के लिए एक्सिस बैंक पर 90.93 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने गुरुवार को बताया कि यह जुर्माना आदेशों का पालन नहीं करने पर लगाया गया है। आरबीआई के बयान में कहा गया कि केवाईसी दिशानिर्देश के लोन और रिस्क मैनेजमेंट पर कुछ दिशानिर्देश जारी किए थे। इन नियमों का पालन नहीं करने पर बैंक पर जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण किया। आरबीआई द्वारा एक अकाउंट से जुड़ी जांच भी की गई थी। इसके अलावा, बैंक कुछ मामलों में ग्राहकों की पहचान और उनके पते से संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित करने में विफल रहा। आरबीआई ने एक बयान में कहा, "कुछ ग्राहकों को लगातार कॉल करने से कुछ डिलिंक्वेंट (बकाया) उधारकर्ताओं के साथ रिकवरी एजेंटों का उचित व्यवहार सुनिश्चित नहीं हो सका।

लगातार लुढ़क रहा है कच्चा तेल, 4 माह के निचले स्तर पर आई कीमतें

एजेंसी। नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख जारी है और यह चौथे साप्ताहिक नुकसान की ओर बढ़ रहा है। तेल की अच्छी सप्लाई और बढ़ते भंडार के संकेतों ने ओपेक+ लीडर्स सऊदी अरब और रूस की ओर से गिरावट को नियंत्रित रखने के प्रयासों को विफल कर दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक, तेल की कीमतें गुरुवार को लगभग 5% गिरकर चार महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गईं। ब्रेंट वायदा 3.76 डॉलर या 4.6% गिरकर 77.42 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 3.76 डॉलर या 4.9% गिरकर 72.90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, यह सितंबर के अपने उच्चतम स्तर से 20 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ चुका है। यह गिरावट अमेरिकी कच्चे माल के भंडार में वृद्धि के बाद आई। इससे पहले ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों ने 7 जुलाई के बाद से अपने सबसे निचले स्तर क्रमशः 76.60 डॉलर और 72.16 डॉलर पर कारोबार किया। डब्ल्यूटीआई और ब्रेंट दोनों के फ्रंट मंथ कॉन्ट्रैक्ट्स, बाद के कॉन्ट्रैक्ट्स से नीचे कारोबार कर रहे थे। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और उसके सहयोगियों द्वारा सामूहिक और स्वैच्छिक आपूर्ति में कटौती के बावजूद कच्चे तेल की कीमत में लगातार चार सप्ताह से गिरावट है। यह मई के बाद से सबसे लंबी गिरावट है। गिरावट को इजराइल-हमास के बीच बढ़ते संघर्ष से भी बढ़ावा मिला है क्योंकि डर है कि यह संघर्ष और आगे बढ़ेगा और तेल आपूर्ति बाधित होगी, जो अब तक नहीं हुई है। वहीं अनएंप्लॉयमेंट बेनेफिट्स के लिए नए दावे दाखिल करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले सप्ताह तीन महीने के हाई पर पहुंच गई। यह अमेरिका में मंदी का संकेत है। अमेरिका, कच्चे तेल का सबसे बड़ा कंज्यूमर है। इससे पहले सामने आया था कि अक्टूबर में सात महीनों में पहली बार अमेरिकी खुदरा बिक्री में गिरावट आई है क्योंकि मोटर व्हीकल की खरीद और हॉबीज पर खर्च में गिरावट आई है। इसने चौथी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर की शुरुआत में धीमी मांग की ओर इशारा किया, जिससे फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद को और बल मिला। कच्चे तेल को लेकर ओपेक और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) दोनों ने चौथी तिमाही में आपूर्ति में कमी की भविष्यवाणी की है। इस बीच, चीनी तेल रिफाइनरी थ्रूपुट में अपेक्षित मंदी ने भी निवेशकों को रोका।

विदेश

बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा विस्तार की योजना बना रहा है स्वीडन

एजेंसी। स्टॉकहोम

स्वीडन सरकार नई परमाणु ऊर्जा को बड़े पैमाने पर विस्तार करने की योजना बना रही है। इसको लेकर सरकार ने कहा कि 2045 तक वह चाहती है कि देश में 10 नए रिएक्टर हो, जिनमें से दो 2035 तक चालू हो जाएंगे। ऊर्जा मंत्री एब्बा बुश ने एक संवाददाता सम्मेलन में 100 प्रतिशत नवीकरणीय से 100 प्रतिशत जीवाश्म-मुक्त बिजली उत्पादन में नीति बदलाव की रूपरेखा बताते हुए कहा, इसका मतलब स्वीडन की ऊर्जा नीति का एक ऐतिहासिक पुनर्गठन होगा। समाचार एजेंसी ने मंत्री के हवाले से कहा, हमें 25 साल के भीतर बिजली उत्पादन दोगुना करना है। उन्होंने कहा, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, परमाणु रिएक्टरों की संख्या पर लगी सीमा हटा दी जाएगी और नए रिएक्टरों के लिए अनुमति देने की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और तेज किया जाएगा। बुश ने कहा, सरकार ने नई परमाणु ऊर्जा में निवेश के लिए क्रेडिट गारंटी शुरू करने का भी फैसला किया है। नए परमाणु बुनियादी ढांचे में राज्य और निवेशकों के बीच जोखिम-साझाकरण के लिए एक आर्थिक मॉडल भी विकसित किया जाएगा। बुश ने कहा कि हरित उद्योगों के विकसित होने के साथ-साथ बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विस्तार जरूरी है क्योंकि बिजली प्रणाली इतनी नाजुक कभी नहीं रही जितनी अब है। उन्होंने याद किया कि पिछली सर्दियों में असंतुलन के कारण ग्रिड लगभग ध्वस्त हो गया था। सांख्यिकी स्वीडन के अनुसार, पिछले साल देश में 170 टेरावाट घंटे (टीडब्ल्यूएच) बिजली का उत्पादन किया गया था, जिसमें से 69 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से आया था। कुल उत्पादन में जलविद्युत ऊर्जा का हिस्सा 41 प्रतिशत था, जबकि परमाणु और पवन का हिस्सा क्रमशः 29 प्रतिशत और 19 प्रतिशत था।

गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजराइल ने किया हवाई हमला

18 नागरिकों की हुई मौत, कई लोग हुए घायल

एजेंसी। यूरोशलम

गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमले में 18 लोगों की हुई मौत हो गई है। फिलिस्तीनी वफा समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक आवासीय इमारतों को निशाना बनाकर किए गए हमले में कम से कम 18 नागरिक मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हवाई हमले में मारे गए पीड़ितों में अबू अल-कुम्सन, मसूद, अल-असेली, अल-तुलुली, अबू दान और अबू दयार परिवारों के सदस्य शामिल हैं। फिलिस्तीनी एजेंसी की रिपोर्ट में मुताबिक एक इजरायली हवाई हमले ने जबालिया के बगल में स्थित फालोजा को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन और नागरिक मारे गए। गाजा शहर में इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने की गोलीबारी ने शेख राडवान, तुफाह और शुजाया पड़ोस, साथ ही याफा स्ट्रीट को निशाना बनाया है। आपको बता दें कि बीते 42 दिनों से इजरायल हमास को खत्म करने के लिए, गाजा पर हवाई हमले कर रहा है। इसकी वजह से गाजा पट्टी में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 11 हजार 500 हो गई है। इनमें करीब 4,710 बच्चे और 3160 औरतें शामिल है। इजरायल के कार्रवाई को लेकर कई देशों ने आपत्ति भी जताई है और सीजफायर की मांग की है। हालांकि, इस पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की राय बिल्कुल उलट है। उनका कहना है कि वो जब तक हमास के लोगों को खात्मा नहीं कर देते, तब तक वो शांत नहीं बैठेंगे। इजरायल इस वक्त पूरी ताकत से गाजा पर हमला कर रहा है। इस दौरान युद्ध के दूसरे चरण में भी शामिल हैं। सेना गाजा पट्टी में घुसकर हमास के लड़ाकों को चुन-चुनकर मारने का काम कर रहा है। आज से ठीक 4 दिन पहले यानी (13 नवंबर) को फिलिस्तीनी अधिकारियों ने दावा किया था कि उत्तरी गाजा में जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमलों में दर्जनों फिलिस्तीनी मारे गए थे। उस दौरान कम से कम 31 लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा था। समाचार एजेंसी वफा की रिपोर्ट के मुताबिक फिलिस्तीनी शरणार्थियों के शिविर में जबालिया सर्विसेज क्लब के पास घनी आबादी वाले इलाके में 12 घरों को निशाना बनाया गया था।

जरायल के कार्रवाई को लेकर कई देशों ने आपत्ति भी जताई है और सीजफायर की मांग की है

पेज एक के शेष

झमा में प्रतिमा क्षतिग्रस्त...

जामस्थल पर मौजूद एसडीओ से बात की। जामकताओं से भी बात की और पूरी बातचीत से अवगत कराते हुए जाम हटाने के लिए कहा। सांसद ने कहा कि प्रशासन को मैं स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि जिन असमाजिक तत्वों ने भी इस कृत्य को किया है, उन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, यह भी सुनिश्चित की जाए। सांसद ने कहा कि कांग्रेस-झामुमो की सरकार में हिंदू भावनाओं पर कुठाराघात बढ़ा है। यह सरकार हाथ पर हाथ रख बैठी है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। किसी भी कीमत पर हिंदू भावनाओं पर कुठाराघात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ...

22 नवंबर 2023 को सम्मानित किया जाना है। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कार्यक्रम के लिए अपने नोडल पदाधिकारियों के माध्यम से कि हुए उन्हें कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे। इसी प्रकार से चंद्रयान मिशन 3 से जुड़े झारखंड के वैज्ञानिक, झारखंड के टॉपर छात्र-छात्राओं जिन्हें पुरस्कृत किया जाना है उनकी यातायात सुरक्षा एवं आवासन के संबंध में भी जिला प्रशासन रांची को बैठक में निर्देश दिए गए।

भव्य रूप से मनाया ...

के लिए आमंत्रित किया है। इसके साथही इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्य के सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी समेत सभी विधायकों को आमंत्रित किया गया है 22 नवंबर को मनाया जाएगा स्थापना दिवस।

भाकपा माओवादी का ...

करने के लिए स्वेच्छा से उपस्थित हुआ। जितेन्द्र नगेसिया वर्ष 2018 के दिसम्बर माह में माओवादी संगठन से जुड़ा और करीब 04 वर्षो तक माओवादि संगठन में सक्रीय उग्रवादी के रूप में जुड़ा रहा। इस क्रम में जितेन्द्र नगेसिया के द्वारा छिपादोहर थाना, बारेसाढ़ थाना एवं महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हुए घटनाओं में ये अपने संगठन के टीम के साथ शामिल रहा। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सुरक्षा बलों के द्वारा लगातार चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के कारण माओवादी संगठन कमजोर हुई एवं पुलिस के बढ़ते दबिश के डर से कई सारे माओवादियों के द्वारा किए गए आत्मसर्पण तथा साथ ही हाल में चतरा जिले में माओवादी के शीर्ष नेता नवीन यादव उर्फ नवीन जी के द्वारा किए गए आत्मसर्पण से प्रभावित होकर जितेन्द्र नगेसिया ने पुलिस अधीक्षक एवं उपायुक्त हिमांशु मोहन तथा जिले के अन्य पुलिस पदाधिकारी के समक्ष अपने परिवार वालों के साथ पहुंच से अपनी पत्नी की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर उपायुक्त हिमांशु मोहन ने कहा कि यह अच्छी बात है उग्रवादी बंदूक छोड़ मुख्य धारा में लौट रहे हैं उन्होंने आत्मसमर्पण कर रहे जितेंद्र नगेसिया को बधाई देते हुए समाज के अच्छे नागरिक बनने की सलाह दी। वहीं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत कई उग्रवादी बंदूक छोड़ मुख्य धारा में लौटे हैं इसी कड़ी में जितेंद्र नगेसिया ने भी आत्मसमर्पण किया है उन्होंने उग्रवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी वक्त है उग्रवादी जंगल छोड़ मुख्य धारा में लौटे नहीं तो वे पुलिस के गोलियों का शिकार बनेंगे।

किसके सर ...

प्रचार के दौरान कहा था कि कांग्रेस पार्टी झामोदी, चौहान, ईडी, सीबीआई और आईटीइ जैसे पांच पांडवों से लड़ रही है। इस पर शिवराज सिंह चौहान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि कांग्रेस ने स्वीकार कर लिया है कि वे कौरव थे और इसलिए उन्होंने सही और गलत के बीच थी। इस बयान पर काफी सियासी बातें हुई। जहां एक ओर प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मेड इन चाइना मोबाइल वाले बयान पर मूर्खों का सरदार वाली बात कही वहीं प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि पीएम को सलमान खान की फिल्म तेरे नाम की तरह मेरे नाम बनाना चाहिए।

लोकप्रिय खबरें जब प्रियंका गांधी ने कहा गद्दार!

प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री और अपनी पार्टी के पूर्व सहयोगी ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला बोलते हुए उन्हें 'गद्दार' करार दिया। जिसपर सिंधिया ने जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने को पार्ट टाइम नेता करार दे दिया। इस तरह के और भी कई सियासी बयान थे जिन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान काफी प्रमुखता से प्रचारित किया गया। अब देखना है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि मूर्खों के सरदार को सच का पता ही नहीं कि हर प्रोडक्ट या मोबाइल पर मेड इन चाइना नहीं लिखा होता बल्कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे मोबाइल उत्पादक देश है को लोग मानकर मामा यानी शिवराज सिंह चौहान को फिर से अवसर देते हैं या प्रचंड बहुमत को देखकर भाजपा कोई नया चेहरा सिंधिया के रूप में लाती है या कमल छाप की राह पर हिन्दुत्व का नया झंडा बुलंद करने वाले कमलनाथ का दांव चलता है? इस चुनाव में खास बात यह भी थी कि संजना सिंह राजपूत मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में इस समय मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही थी, उनकी कोशिश थी कि विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा लोग अपने घरों से निकलकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। संजना एक ट्रांसजेंडर हैं और सरकारी नौकरी पाने वाली प्रदेश की पहली ट्रांसजेंडर हैं। संजना को 2018 में प्रदेश सरकार के सामाजिक न्याय और निशक्त कल्याण विभाग में पदस्थ किया गया था।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया फाइनल से पहले होगा एयर शो

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल मैच से पहले एक एयर शो करेगी, जो 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए तैयारी भी शुरू हो गई है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में आईएएफ सूर्य किरण टीम को प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के समापन समारोह के लिए रिहर्सल करते हुए दिखाया गया है।

गुजरात के डिफेंस पीआरओ ने घोषणा की है कि सूर्य किरण एरोबैटिक टीम मेगा-फाइनल की शुरूआत से पहले 10 मिनट का शो करेगी। एक बयान में कहा, 'एयर शो की रिहर्सल शुक्रवार और शनिवार को होगी।' भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के पास आमतौर पर 9 विमान होते हैं और इसने देश भर में कई हवाई शो भी किए हैं। टीम का ट्रेडमार्क विजय निर्माण, बैरल रोल युद्धाभ्यास और आकाश में विभिन्न आकृतियों के निर्माण में लूप युद्धाभ्यास का प्रदर्शन करना है।

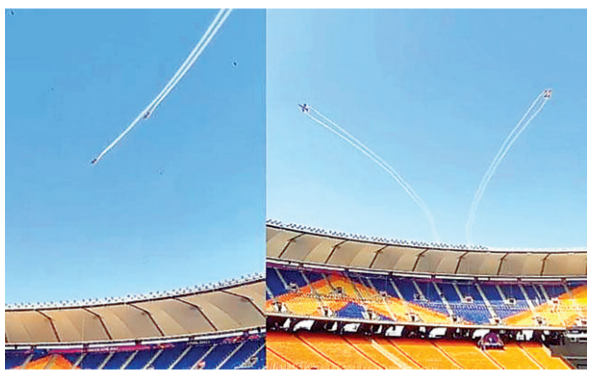

समापन समारोह में सितारों का जमावड़ा होने की उम्मीद है जिसमें लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। ब्रिटिश पॉप गायिका दुआ लीपा के शामिल होने की भी जानकारी सामने आई है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत ने बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वनडे विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में केन विलियमसन की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड को 70 रनों से हरा दिया। मेगा टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करीबी मुकाबले में तीन विकेट से जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जो 19 नवंबर को खेला जाएगा।

गौर हो कि यह 2003 के फाइनल की पुनरावृत्ति होगी जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया एक-दूसरे के सामने होंगे, हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2003 में वह फाइनल जीता था, और इस बार मेन इन ब्लू का लक्ष्य इस साल के वनडे विश्व कप फाइनल में अपना बदला लेने का होगा।

पीएम मोदी भी देखेंगे भारत - ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला, कई बॉलीवुड सितारे भी रहेंगे मौजूद

रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को देखने पीएम मोदी स्टेडियम में जाएंगे। वहीं अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस दौरान पीएम मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स भी मौजूद रहेंगे। पीएमओ ने पीएम मोदी के मैच देखने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी के अलावा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बिजनेसमैन मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी मौजूद रहेंगे। वहीं फाइनल मैच को देखने के लिए बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और अजय देवगन के भी आने की संभावना है।

श्रीलंका सरकार ने अर्जुन रणतुंगा की टिप्पणी पर जताया खेद

बीसीसीआई सचिव जय शाह को लेकर दिया था विवादित बयान

एजेंसी। नई दिल्ली

श्रीलंका सरकार ने श्रीलंका के विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा की टिप्पणियों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह से खेद व्यक्त किया है। श्रीलंकाई समाचार एजेंसी द्वारा श्रीलंकाई मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने खेद व्यक्त किया है।

श्रीलंकाई सरकार ने एसीसी अध्यक्ष जय शाह से खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'हम अपने संस्थानों की कमियों के लिए एसीसी अध्यक्ष या अन्य देशों पर उंगली नहीं उठा सकते। कंचना ने कहा, यह एक गलत धारणा है।'

इस सप्ताह की शुरूआत में रणतुंगा ने क्रिकेट विश्व कप 2023 में अपनी हार के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट को बर्बाद करने के लिए शाह की आलोचना की थी। अर्जुन रणतुंगा ने कहा था, 'एसएलसी अधिकारियों और जय शाह के बीच संबंधों के कारण वे (बीसीसीआई) इस धारणा में हैं कि वे एसएलसी को कुचल सकते हैं और नियंत्रित कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'जय शाह श्रीलंका क्रिकेट चला रहे हैं। जय शाह के दबाव के कारण एसएलसी बर्बाद हो रही है। भारत में एक आदमी श्रीलंकाई क्रिकेट को बर्बाद कर रहा है।' श्रीलंका क्रिकेट विश्व कप अंक तालिका में 2 मैच जीतकर और 7 हारकर 9वें स्थान पर रही। विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड के प्रशासन में व्यापक सरकारी हस्तक्षेप के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था।

भारत, ऑस्ट्रेलिया बड़े अवसरों के लिए अजनबी नहीं : स्टार्क

एजेंसी। नई दिल्ली

वर्ल्ड कप-2023 का फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत टीम इंडिया से होगी। यह पहला मौका नहीं होगा जब ये दोनों टीमें एक हाई प्रेशर मैच के लिए मैदान में उतरेगी, क्योंकि 2003 में एक दूसरे के खिलाफ फाइनल मुकाबले खेलने के अलावा यह टीमें पहले कई बार फाइनल मुकाबला खेल चुकी है। पिछले दो वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने फाइनल में पहुंचने के बाद कहा कि उनका चल रहे टूर्नामेंट में प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा लेकिन उनके जोड़ीदार जोश हेजलवुड और उनके अन्य साथियों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे टीम को संतुलन मिला। दक्षिण अफ्रीका को दूसरे सेमीफाइनल के रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जहां उनका सामना भारत से होगा। खिताबी मुकाबले के बारे मे बात करते हुए स्टार्क ने क्रिकबज से कहा, भारत चल रहे वर्ल्ड कप की सर्वश्रेष्ठ टीम है और अब तक वो टूर्नामेंट में अजेय हैं। इसलिए, कोई टीम विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम को हराए बिना विश्व कप नहीं जीत सकती। साथ ही ऐसे खिताबी मुकाबले के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया अजनबी नहीं हैं क्योंकि वो ऐसे हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले भी कई बार परिचित हुई हैं। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। मदद कर रही परिस्थितियों के बीच नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी और ओपनर्स द्वारा की गई बल्लेबाजी ने रोमांचक सेमीफाइनल में अंतर पैदा किया। मिचेल स्टार्क ने 34 रन देकर तीन विकेट लेते हुए अपना स्पेल पूरा किया और जब विजयी रन बने तब भी वह मैदान पर मौजूद थे।

सूर्यकुमार को मिल सकती है भारतीय टीम की कप्तानी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक्शन में आएंगे नजर

एजेंसी। नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम का नेतृत्व कर सकते हैं क्योंकि विश्व कप के दौरान लगी चोट के कारण हार्दिक पंड्या बाहर हो गए हैं। सीरीज 23 नवंबर को विजाग में शुरू होगी और 3 दिसंबर को हैदराबाद में खत्म होगी। बीसीसीआई की वरिष्ठ राष्ट्रीय चयन समिति जल्द ही टीम चुनने के लिए बैठक करने वाली है और विश्व कप के करीब होने वाली श्रृंखला को देखते हुए दूसरी पंक्ति की टीम चुनी जाएगी।

टी20 प्रारूप में दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार को भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टी20 टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने कैरेबियाई और अमेरिका में पांच मैच खेले थे। विश्व कप के दौरान लगी टखने की चोट से पांड्या अभी तक उबर नहीं पाए हैं और उनका शुरूआती खेलना संदिग्ध है, ऐसे में अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति यादव को कप्तानी सौंप सकती है।

33 वर्षीय सूर्यकुमार ने इससे पहले कुछ साल पहले इमर्जिंग कप में मुंबई टीम और भारत की अंडर-23 टीम का भी नेतृत्व किया था। उनकी 360 खेलने की शैली ने उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई और कुछ ही समय में वह इस प्रारूप में दुनिया के सबसे घातक बल्लेबाज बन गए। रिपोर्ट के मुताबिक चयन समिति उन अधिकांश खिलाड़ियों को आराम देगी जो मौजूदा विश्व कप टीम का हिस्सा हैं। ईशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ियों को, जिन्हें विश्व कप में ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलने के लिए कहा जाएगा।

विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ का अनुबंध समाप्त होने के साथ बीसीसीआई ने वीवीएस लक्ष्मण को स्टॉप गैप व्यवस्था के लिए भारतीय टीम को प्रशिक्षित करने के लिए कहा है और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सहयोगी स्टाफ को टीम की देखभाल करने के लिए कहा जाएगा।

किक बॉक्सिंग एसोसिएशन का रेफरी सेमिनार आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शुक्रवार को झारखंड वाको किकबॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा संचालित किक बॉक्सिंग रेफरी सेमिनार स्थानीय एन के काम्प्लेक्स डॉ फतेहुल्लाह रोड रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें रांची जिला किक बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा बिमल आनन्द नाग, गुलाम जावेद, नौसाद खान, कमल किशोर कच्छप, कलीम खान, इबरार अंसारी, पूनम सिंह, ब्लमदीना तिग्गा, कुमारी प्रिया, अधिवक्ता प्रिया कुमारी, लालचंद लोहार, संदीप कुमार गोप ने हिस्सा लिया और सफलता प्राप्त किया। इस अवसर पर झारखंड एमेच्योर किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बी सी ठाकुर ने कहा रांची जिला किक बॉक्सिंग एसोसिएशन को और मजबूती प्रदान करने और रांची के खेल गांव में 25 से 26 नवम्बर को आयोजित खेलो इंडिया महिला लीग एमेच्योर किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता को देखते हुए यह सेमिनार आयोजित किया गया था। जिसमें सभी लोग सफल हुए उनको बधाई।इस अवसर पर बिनय सिन्हा दीपू अध्यक्ष रांची जिला किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ने कहा रांची में किक बॉक्सिंग महिला लीग में रांची जिला के बच्चों का बेहतर प्रदर्शन होने कि सम्भावना है और बेहतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।ताकि रांची के बच्चे राज्य एवं देश में रांची का नाम रौशन करें।

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की उरुग्वे से 0-2 से सनसनीखेज हार

एजेंसी। ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना बोम्बोनेरा स्टेडियम में फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में उरुग्वे से 0-2 से हार गई, उरुग्वे की जीत का श्रेय रोनाल्ड अराउजो और डार्विन नुनेज के प्रत्येक हाफ में गोल को जाता है। उरुग्वे शुरू से अंत तक बेहतर था और जीत के साथ, 10 अंकों के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया, अर्जेंटीना से दो अंक पीछे, जिन्होंने पहले चार गेम जीतने के बाद अपना पहला अंक खो दिया है। उरुग्वे विश्व कप चैंपियन के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक था। डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी की गलती के बाद 10वें मिनट में डार्विन नुनेज ने एक क्रॉस शॉट के साथ स्कोरिंग की शुरूआत लगभग कर दी। पिछले साल कतर में विश्व कप के दौरान सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप-स्टेज ओपनर के बाद से अर्जेंटीना ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं हारा है। फीफा विश्व कप 2022 फाइनल जीतने के बाद यह पहली बार था जब अर्जेंटीना ने कोई गोल खाया। नुनेज ने 87वें मिनट में काउंटर पर गोल किया जब उरुग्वे की रक्षापंक्ति ने मेसी को अपने बॉक्स के किनारे पर रोक दिया। अर्जेंटीना अभी भी पांच मैचों में 12 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है। उरुग्वे 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। कोलंबिया के नौ और वेनेजुएला के आठ अंक हैं। ब्राजील सात अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रियो डी जेनेरो के माराकाना स्टेडियम में विश्व कप चैंपियन की मेजबानी करेगा।

चीन ने थाईलैंड को 2-1 से हराया

बैंकॉक। चीन ने गुरुवार को यहां 2026 विश्व कप क्वालीफायर राउंड 2 में थाईलैंड को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख डिफेंडर जियांग गुआंगताई के बिना चीनी मुख्य कोच अलेक्जेंडर जानकोविच ने बैक-लाइन पर झू चेनजी और जियांग शेंगलोंग को चुना। जबकि, वू लेई ने मिडफील्ड में वू शी के साथ ट्राइडेंट अपफ्रंट का नेतृत्व किया। 5वें मिनट में सुफानत मुएंता की स्ट्राइक चीन के गोलकीपर यान जुनलिंग को चकमा नहीं दे पाई जबकि दूसरे छोर पर जियांग का प्रयास पोस्ट के बाहर था। मेजबान ने 23वें मिनट में जवाबी हमले के माध्यम से गतिरोध को तोड़ दिया। कुछ ही मिनट बाद चीन जल्द ही बराबरी पर आ गया। ब्रेक के कुछ मिनट बाद साराच के ट्विस्टिंग हेडर को यान ने रोक दिया, और चीन ने 74वें मिनट में दो स्थानापन्न खिलाड़ियों के संयोजन के साथ टर्नअराउंड पूरा किया।

28 से दीदी नीलम आनंद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का होगा आयोजन

फिर से चुने गए मुख्य संरक्षक अर्चित आनंद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन एवं शिव शिष्य परिवार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दीदी नीलम आनंद स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन गुरगांई बुढ़ीबागी मैदान ओरमांझी में होगा। युवा पावर फुटबॉल क्लब गुरगांई के देखरेख में तीन दिवसीय मैच 28 से 30 नवम्बर तक होने वाली है। जिसमें कुल 16 टीमें भाग लेगी। विजेता टीम को 31000/रू० हजार नगद एवं शील्ड दिया जाएगा। उपविजेता टीम को 21000/रू० हजार नगद एवं शील्ड दिया जाएगा वही तृतीय एवम चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 5100/रू० नगद एवं फुटबॉल देकर सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग लेगी। टूर्नामेंट में इन्ट्री फीस 4100रू. है एवं इन्ट्री की अंतिम तिथि 24 नवम्बर है। संपर्क करें:- 9798944537, 6206893132, 7004783166, 6200229080 सभी मैच अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार खेला जाएगा। टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए गुरगांई मैदान में जयडीहा पंचायत के उप मुखिया निलाम्बर सिंह की अध्यक्षता में बैठक रखा गया। जिसमें शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन के मुख्य सलाहकार एवं खेल प्रशंसक अर्चित आनंद के आदेशानुसार टूर्नामेंट का रूपरेखा तैयार किया गया। तथा बैठक कर आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक अर्चित आनंद जी चुनें गए। अध्यक्ष नीलांबर सिंह सचिव विनोद कुमार महतो कोषाध्यक्ष दीपक नायक उपाध्यक्ष सनी सिंह नकुल बेदिया उपसचिव जीवनलाल मुंडा अजय गंझू उपकोषाध्यक्ष चुने गए। वहीं सदस्य के रूप में राम प्रसाद सिंह जयबीर बेदिया, प्रदीप मुंडा, दिलीप मुंडा, नितेश मुंडा, टार्जन सिंह, नितेश पाहन, शंकर मुण्डा, बिजय मुण्डा, बाबुलाल गंझू, संतोष नायक, समीर मुण्डा, अशोक नायक, संदीप मुण्डा, संजय गंझू, अमर कुमार,पंकज मुण्डा, तुलेराम बेदिया, चुने गए।

डब्लू डब्लू ई रेसलर रह चुके द ग्रेट खली बने पिता

नई दिल्ली। डब्लू डब्लू ई रेसलर रह चुके दिलीप राणा उर्फ द ग्रेट खली पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया है। एक वीडियो में खली ने नवजात बच्चे के साथ वीडियो में इस बात की जानकारी दी है। इसके बाद से लोग उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं। एक सोशल मीडिया पेज पर खली के साथ उनके नवजात बच्चे को दिखाया गया है। हालांकि खली ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा नहीं की है। डब्लू डब्लू ई के जरिए अपनी पहचान बना चुके खली वीडियो में एक नवजात बच्चे को गले लगाते नजर आ रहे हैं।

उम्मीद | भीलवाड़ा किंग्स एलसीसी सीजन 2 के लिए पूरी तरह तैयार

पठान बंधुओं व तिलकरत्ने दिलशान को बरकरार रखा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पिछले सीजन के उपविजेता भीलवाड़ा किंग्स लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के दूसरे सीजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने इरफान पठान, यूसुफ पठान और तिलकरत्ने दिलशान जैसे दिग्गजों को बरकरार रखा है, जिससे उनकी संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आगामी एलएलसी सीजन में 19 मैच होने की उम्मीद है और यह 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक खेला जाएगा जिसमें देश भर में रांची, जम्मू, देहरादून, विजाग और सूरत जैसे शहरों में मैच आयोजित किए जाएंगे।

भीलवाड़ा किंग्स का मुकाबला गुजरात जाइंट्स, इंडिया कैपिटल्स, मणिपाल टाइगर्स के साथ-साथ साउदर्न सुपर स्टार्स और अर्बनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

किंग्स ने हाल ही में आयोजित नीलामी में 200 से अधिक खिलाड़ियों के पूल में से 12 खिलाड़ियों को लाया है, जिससे टीम और मजबूत हुई है।

भीलवाड़ा किंग्स के सीईओ गुरप्रीत सरीन ने कहा, जैसा कि हम आगामी सीजन की शुरूआत कर रहे हैं, मुझे विश्वास है कि हमने जो अखंडता, लचीलापन और सौहार्द की नींव बनाई है, वह हमें नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। हमारी टीम की सावधानीपूर्वक रचना उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, और मैं इसके लिए उत्साहित हूं। उस सामूहिक भावना का गवाह बनें जो मैदान के अंदर और बाहर भीलवाड़ा किंग्स को परिभाषित करेगी। आइए केवल जीत के लिए नहीं बल्कि उस अदम्य भावना के लिए खेलें जो हमें भीलवाड़ा किंग्स के रूप में परिभाषित करती है।

हार को पचा पाना मुश्किल है : तेम्बा बावुमा

एजेंसी। कोलकाता

तमाम प्रयासों के बावजूद साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के तिलिस्म को तोड़ नहीं पाई और उसे गुरूवार को ऑस्ट्रेलिया से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। विश्व कप से बाहर होने पर निराश दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने मैच के बाद कहा,"इस हार को शब्दों में बता पाना बहुत कठिन है। हमने बल्ले और गेंद से जिस तरह की शुरूआत की वही टर्निंग प्वाइंट रहा, हम वहां बुरी तरह हारे। परिस्थितियों और बेहतरीन आक्रमण ने हमारा टॉप ऑर्डर बिखेर दिया। उन्होंने हमें पूरी तरह दबाव में डाला। क्लासेन के आउट होने से पहले हम मोमेंटम हासिल कर रहे थे और सभी को पता है कि आखिरी के ओवरों में वह कितने खतरनाक हो सकते हैं।" बावुमा ने शतकधारी डेविड मिलर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने दिखाया कि एक खिलाड़ी के रूप में वह क्या कर सकते हैं। मिलर ने 101 रन बनाये लेकिन दक्षिण अफ्रीका 212 रन पर सिमट गया। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 215 रन बनाकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा,"ऑस्ट्रेलिया को फाइनल के लिए शुभकामनाएं।